नई दिल्ली RNI No. DLHIN/2010/37009

वर्ष : 15

अंक : 21

सोमवार, 07 से 13 जुलाई 2025

मूल्य : 5 रूपए

रू 250 वार्षिक

दिल्ली में आधार के लिए हों सख्त नियम : उपराज्यपाल 03

1300 राजनयिकों और कर्मचारियों की छंटनी से विदेश विभाग में मचा हड़कंप 08

स्वियाटेक ने पहला विंबलडन खिताब जीता 10

कृषि वैज्ञानिक बनकर संवारें भविष्य 11

NCR समाचार

www.ncrsamacharlive.in

BY C.R.O. TEAM

twitter-@ncrsamacharlive

भारत का नं. 1 साप्ताहिक समाचार पत्र

मेट्रो इन दिनों फिल्म ने वीकएंड पर किया कमाल 12

प्रधानमंत्री ने रोजगार मेले में 51 हजार युवाओं को सौंपे नियुक्ति पत्र

निजी क्षेत्र में रोजगार के अवसर पैदा करने पर सरकार का जोर : मोदी

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विनिर्माण क्षेत्र को भारत की सबसे बड़ी ताकत बताते हुए कहा है कि सरकार निजी क्षेत्र में रोजगार के अवसर पैदा करने पर भी जोर दे रही है।श्री मोदी ने शनिवार को यहां वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से रोजगार मेले में 51 हजार युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरित करने के बाद यह बात कही। इन युवाओं को सरकार के विभिन्न विभागों और संगठनों में नियुक्त किया गया है।

प्रधानमंत्री ने विनिर्माण क्षेत्र को देश की सबसे बड़ी ताकत बताते हुए कहा, आज भारत की एक बहुत बड़ी ताकत हमारा मैन्युफेक्चरिंग सेक्टर है। मैन्युफेक्चरिंग में बहुत बड़ी संख्या में नई जॉब्स बन रही हैं। मैन्युफेक्चरिंग सेक्टर को गति देने के लिए इस वर्ष के बजट में मिशन मैन्युफेक्चरिंग की घोषणा की गई है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि इसे देखते हुए सरकार निजी क्षेत्र में रोजगार के अवसर पैदा करने पर अच्छा खासा जोर दे रही है। उन्होंने कहा, भारत सरकार का जोर प्राइवेट सेक्टर में रोजगार के नए अवसरों के निर्माण पर भी है। हाल ही में सरकार ने एक नई स्कीम रोजगार प्रोत्साहन योजना को मंजूरी दी है।

लोकतंत्र और युवा आबादी को भारत की असीमित शक्ति बताते हुए श्री मोदी ने कहा, आज 51 हजार से अधिक युवाओं को नियुक्ति पत्र दिए गए हैं। ऐसे रोजगार मेलों के माध्यम से अब तक लाखों नौजवानों को भारत सरकार में परमानेंट जॉब मिल चुकी है। अब ये नौजवान...राष्ट्र निर्माण में बड़ी भूमिका निभा रहे हैं ।आज दुनिया मान रही है कि भारत के पास दो असीमित शक्तियाँ हैं। एक डेमोग्राफी, दूसरी डेमोक्रेसी। यानि सबसे बड़ी युवा आबादी और सबसे बड़ा लोकतंत्र। उन्होंने कहा कि स्टार्टअप और अनुसंधान का एक सिस्टम मिलकर युवाओं का सशक्तिकरण कर रहा है।

प्रधानमंत्री ने कहा, स्टार्ट अप्स, इनोवेशन और रिसर्च का जो इकोसिस्टम आज देश में बन रहा है... वो देश के युवाओं का सामर्थ्य बढ़ा रहा है।अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन की एक रिपोर्ट का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि भारत को सबसे अधिक समानता वाले देश की श्रेणी में रखा गया है। इस रिपोर्ट में कहा गया है... बीते दशक में भारत के 90 करोड़ से अधिक नागरिकों को वेलफेयर स्कीम्स के दायरे में लाया गया है।आज वर्ल्ड बैंक जैसी बड़ी वैश्विक संस्थाएं भारत की प्रशंसा कर रही हैं।

रोजगार के लिए नई योजना की शुरूआत

पीएम मोदी ने कहा, 'आप सबको पता है कि 2 दिन पहले ही मैं 5 देशों की यात्रा से लौटा हूं। हर देश में भारत की युवाशक्ति की गूंज सुनाई दी। इस दौरान जितने भी समझौते हुए हैं, उनसे देश और विदेश, दोनों जगह भारत के नौजवानों को फायदा होना ही है।'

नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत सरकार का जोर प्राइवेट सेक्टर में रोजगार के नए अवसरों के निर्माण पर भी है। हाल ही में सरकार ने एक नई स्कीम को मंजूरी दी है- रोजगार से जुड़ी प्रोत्साहन योजना। इस योजना के तहत सरकार प्राइवेट सेक्टर में पहली बार रोजगार पाने वाले युवा को 15 हजार रुपए देगी, यानी पहली नौकरी की पहली सैलरी में सरकार अपना योगदान देगी।

आईआईटी दिल्ली में अत्याधुनिक एमआरआई अनुसंधान केंद्र की शुरूआत

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) दिल्ली ने मेडिकल इमेजिंग के क्षेत्र में शोध के लिए अपने परिसर में एक आधुनिक एमआरआई अनुसंधान सुविधा का शुभारंभ किया है। यह केंद्र इंस्टीट्यूट ऑफ एमिनेंस (आईओई) पहल के तहत स्थापित किया गया है। इसका उद्घाटन आईआईटी दिल्ली के निदेशक प्रो. रंगन बनर्जी ने किया। इस केंद्र में 1.5 टेस्ला क्षमता की क्लिनिकल-ग्रेड एमआरआई मशीन लगाई गई है।

यह सुविधा भारत के किसी भी प्रमुख इंजीनियरिंग संस्थान में अपनी तरह की पहली है जो पूरी तरह शोध और पढ़ाई के लिए समर्पित है। यह पारंपरिक अस्पताल-आधारित एमआरआई मशीनों से अलग है, और इसका उद्देश्य चिकित्सा छवियों (इमेजिंग) के क्षेत्र में नए प्रयोगों को बढ़ावा देना है।

प्रो. रंगन बनर्जी ने इस अवसर पर कहा कि यह नई सुविधा आईआईटी दिल्ली में मेडिकल इमेजिंग और हेल्थकेयर में विज्ञान, इंजीनियरिंग और चिकित्सा के संगम पर नया ज्ञान विकसित करने में सहायक होगी। यह सुविधा आईआईटी दिल्ली के सेंटर फॉर बायोमेडिकल इंजीनियरिंग में स्थित है। शुरूआती चरण में यहां नकली मॉडल (फैंटम्स) पर शोध किया जाएगा। नियामक मंजूरी मिलने के बाद, स्वयंसेवकों पर चिकित्सा अध्ययन भी किए जाएंगे। इसके अलावा, यह केंद्र मेडिकल इमेजिंग पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों के लिए प्रायोगिक प्रशिक्षण मंच के रूप में भी काम करेगा।

जलमग्न हुआ संगम विहार का शूटिंग रेंज और और रतिया मार्ग

नमिता चौहान

दक्षिणी दिल्ली के संगम विहार में बरसात के कारण शूटिंग रेंज मार्ग पर जलभराव की स्थिति मानसून के दौरान बार-बार उत्पन्न होती है। जलभराव की स्थिति का मुख्य कारण नालियों की कमी, व्यवस्था की न्यूनता और ड्रेनेज इंफ्रास्ट्रक्चर का अभाव है। बारिश के समय सड़कें कीचड़, गड्ढे, और ट्रैफिक जाम में बदल जाती हैं, जिससे स्थानीय व्यापार, राहगीरों और ट्रैफिक को काफी असुविधा होती है। इस समस्या को स्थायी रूप से हल करने के लिए गहरी ड्रेनेज योजनाएं और उचित जल निकासी इंफ्रास्ट्रक्चर की आवश्यकता है।

मुख्य कारण

प्राकृतिक ड्रेनेज अव्यवस्था: 90% से अधिक क्षेत्र कंक्रीट से ढका है, बारिश का पानी जमीन में नहीं समा पाता, इसलिए सड़क पर इकट्ठा होता है।

निर्माण और नालियों की कमी: निर्माण कार्यों के बाद भी ड्रेनेज सिस्टम तैयार नहीं किया गया, जिससे पानी कहीं से निकल ही नहीं पाता।

जलभराव की समस्या मानसून के हर दौर में होती है—स्थानीय लोग कहते हैं, बारिश होते ही पानी भर जाता है

स्थानीय व्यापार और ट्रैफिक प्रभावित

दुकानदारों की शिकायतें: स्थानीय निवासियों ने बताया कि नालियों का अभाव होने से गंदा पानी, किचन या बाथरूम का पानी सीधे सड़क पर बहता है, जिससे गंदगी और स्वास्थ्य संबंधी जोखिम बढ़ जाते हैं ।

रतिया मार्ग और शनि बाजार रोड पर हल्की बारिश में ही गड्ढे बन जाते हैं, जिसकी वजह से ट्रैफिक प्रभावित होता है और राहगीरों को परेशानी होती है

बिहार मतदाता विशेष गहन पुनरीक्षण

चुनाव आयोग ने याचिकाओं पर जताई आपत्ति

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में गुरुवार को बिहार में जारी मतदाता विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के मामले में सुनवाई हुई। कांग्रेस, टीएमसी, राजद, सीपीआई (एम) समेत कई विपक्षी पार्टियों ने बिहार में मतदाता गहन पुनरीक्षण पर रोक लगाने की मांग की। हालांकि, चुनाव आयोग ने याचिकाओं पर आपत्ति जताई और कहा कि चुनाव आयोग का सीधे मतदाताओं से रिलेशन है।

जस्टिस सुधांशु धूलिया और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच ने बिहार में मतदाता गहन पुनरीक्षण के खिलाफ दायर याचिकाओं पर सुनवाई की। पूर्व अटॉर्नी जनरल केके वेणुगोपाल ने चुनाव आयोग की तरफ से पक्ष रखा, जबकि कपिल सिब्बल और गोपाल शंकर नारायण ने याचिकाकताओं की ओर से दलील दी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि बिहार में चुनाव आयोग के मतदाता सूची को संशोधित करने के फैसले को चुनौती देने वाली याचिकाएं एक ऐसे मुद्दे को उठाती हैं, जो लोकतंत्र की जड़ों को प्रभावित करता है, जिसमें वोट देने का अधिकार शामिल है।

याचिकाकताओं के वकीलों की दलीलें सुनने के बाद, जस्टिस सुधांशु धूलिया और जॉयमाल्या बागची की बेंच ने कहा, इसमें कोई शक नहीं कि यह मुद्दा लोकतंत्र की जड़ों से जुड़ा है, वोट का अधिकार। उन्होंने कहा कि याचिकाकर्ता न केवल चुनाव आयोग के विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) की शक्ति को चुनौती दे रहे हैं, बल्कि इसकी प्रक्रिया और समय पर भी सवाल उठा रहे हैं। हालांकि, चुनाव आयोग का पक्ष रख रहे वरिष्ठ वकील राकेश द्विवेदी ने कोर्ट से इस स्तर पर एसआईआर प्रक्रिया में हस्तक्षेप न करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, संशोधन प्रक्रिया पूरी होने दें, फिर पूरी तस्वीर देखी जा सकती है। इस पर बेंच ने कहा कि एक बार मतदाता सूची संशोधित होकर विधानसभा चुनाव की अधिसूचना जारी हो जाएगी, तो कोई भी कोर्ट इसे नहीं छुएगा।

याचिका पर सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हम सभी याचिकाओं पर नहीं जाएंगे। हम मूल कानूनी सवालों पर बात करेंगे। सबसे पहले एडीआर की तरफ से वकील गोपाल शंकर नारायण ने दलील रखी।

याचिकाकर्ता की तरफ से वरिष्ठ अधिवक्ता गोपाल शंकर नारायण ने कहा कि मतदाता गहन पुनरीक्षण में 11 दस्तावेजों को अनिवार्य किया गया है। यह पूरी तरह से पक्षपातपूर्ण है। एसआईआर का फैसला न तो आरपी एक्ट में है और न ही इलेक्शन रूल में है।

खानपुर गांव के पक्के मकानों पर चला बुलडोजर, नहीं मिला उचित मुआवजा

नमिता चौहान

दक्षिणी दिल्ली के खानपुर में दिल्ली मेट्रो के गोल्डन लाइन के विस्तार को लेकर करीब 1700 मीटर के क्षेत्र में बने सभी पक्के मकानों पर उ्टफ्छ ने बुलडोजर कार्रवाई की। मेट्रो के गोल्डन लाइन कॉरिडोर को लेकर एरो सिटी से तुगलकाबाद तक खानपुर के 250 मीटर के हिस्से में जल्द ही काम शुरू किया जाएगा। प्रशासन ने वीरवार को 43 दुकानों के साथ साथ 11 मकानों पर भी बुलडोजर कार्रवाई की।

LAC ने कार्रवाई पूरी होने के बाद वहां की जमीन उ्टफ्छ को सौंप दी। मिली जानकारी के मुताबिक उ्टफ्छ ने 7 जुलाई, 2020 को एरोसिटी से तुगलकाबाद कॉरिडोर तक मेट्रो निर्माण के लिए खानपुर गांव की 1509.13 वर्गमीटर जमीन पर कार्रवाई के लिए निवेदन किया था।

इस मामले में 2021-22 में मूल्यांकन के बाद लोगों की शिकायतें सुनी गईं। उसके बाद कोर्ट के आर्डर के मुताबिक 43 दुकानों और 11 मकानों को तोड़ा गया। इसके बाद खानपुर गांव की जमीन उ्टफ्छ को दे दी गई।

स्थानीय पीड़ित लोगों का कहना है कि, DMRC ने कोर्ट के छुट्टियों का फायदा उठाते हुए कार्रवाई की है। उन्हें बड़े ही शार्ट नोटिश पर खली करने को कहा गया। पहले हुई बातचीत के मुताबिक उनके जमीन का मुआवजा 3.70 लाख प्रति गज के हिसाब से मिलना तय हुआ था जो कि, 2 हजार रुपए प्रति गज पर आकर खत्म हुआ है। आरोप यह भी लगाया जा रहा है कि, यह उनके जमीन और घर का उचित मुआवजा नहीं है। मुआवजे की राशि अभी तक जमीन मालिकों को नहीं दी गई है, उसके लिए भी 45 दिनों के बाद प्रोसेस शुरू किया जाएगा।

संगम विहार बीजेपी विधायक कार्यालय पर हुआ हमला

कार्रवाई में लापरवाही करने पर थाना अध्यक्ष पर हुई कार्रवाई

नमिता चौहान

दक्षिणी दिल्ली के संगम विहार में बीते हफ्ते पानी के बोर को लेकर काफी हंगामा हुआ। विधायक चन्दन कुमार चौधरी ने बताया कि, संगम विहार के एफ-2 क्षेत्र में अवैध पानी के बोर पर कार्रवाई की गई, जिसके बाद स्थानीय जनता ने मौजूदा भाजपा विधायक चन्दन चौधरी पर पैसे न मिलने पर पानी के कनेक्शन को काटने का आरोप लगाया और विधायक कार्यालय पर हमला बोल दिया, कुर्सियाँ और अंडे फेंके, और कार्यलय प्रभारी पर हमला किया।

विधायक चंदन कुमार चौधरी ने बातचीत में बताया कि, इस मामले में जब उचित कार्रवाई में संगम विहार थाना अध्यक्ष कुमार संतोष ने लापरवाही दिखाई तो विधायक ने कानूनी करवाई करते हुए थाना अध्यक्ष को लाइन हाजिर करवा दिया।

सोमवार को दोपहर करीब 2 बजे जब विधायक अपने दफ्तर पर मौजूद नहीं थे उस वक्त, जनता ने विधायक कार्यालय पर हमला किया, जिस दौरान अंडे और पत्थर फेंके गए, साथ ही कुर्सियां उठाकर फेकी गई, कार्यकताओं से मारपीट भी की गई। जैसे ही हमले की सूचना विधायक को मिली, फौरन उन्होंने पुलिस को सूचना दी। हंगामे और हमले के दौरान ही पुलिस फोर्स वहां पहुंची साथ ही संगम विहार थाने के रव्हड और अन्य पुलिस कर्मी भी मौके पर पहुंचे।

पुलिस प्रशासन ने मामले को शांत करवा दिया। कुछ देर बाद विधायक भी मौके पर पहुंचे। इस मामले में जब ठउफ समाचार की संवाददाता नमिता चौहान ने विधायक चन्दन चौधरी से बात की तो कई अन्य पहलू खुलकर सामने आए।

विधायक के आरोप

पानी के बोर के कनेक्शन से पानी का अवैध प्लांट चलाया जा रहा था।

सोनिया विहार के मुफ्त पानी के पैसे लेकर बेचने का गलत काम किया जा रहा था।

होशराम यादव नामक व्यक्ति बोर पर अवैध कब्जा कर के बैठा था।

विधायक कार्यालय पर हमला करने वाली जनता एक ही परिवार की थी।

महिलाओं ने हमला किसी के बहकाने पर किया था।

पानी का कनेक्शन काटा नहीं गया है बल्कि, सप्लाई को बढ़ाने के लिए उस पर विकास का काम किया जा रहा है।

विधायक ने यह भी कहा कि, इस मामले में उनका कोई हाथ नहीं है, जो भी कार्य पानी के बोर पर किया जा रहा है वो सब जल बोर्ड द्वारा किया जा रहा है। जनता द्वारा लगाए गए आरोप पूरी तरह से बेबुनियाद है। साथ ही विधायक ने यह भी कहा कि, इस मामले में सभी हमलावरों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई होगी और अपराधियों को सजा दिलवाई जाएगी।

स्थानीय लोगों का आरोप

स्थानीय लोगों का कहना है कि विधायक कार्यालय में जाकर शिकायत दर्ज करने का प्रयास किया गया, लेकिन स्थिति में कोई सुधार नहीं आया। लोग यह भी बता रहे हैं कि विधायक का नाम लेकर कुछ अनुज्ञाप्तिविहीन कर्मचारी या दलाल लोगों से अवैध शुल्क वसूल रहे हैं।

'हम मुफ्त पानी की सप्लाई पर निर्भर हैं, पर अचानक बिना कोई सूचना/समझौते के कनेक्शन काट दिए गए। विधायक ने स्पष्ट स्पष्टीकरण नहीं दिया।

वहीं, कुछ लोग यह भी कह रहे हैं कि विधायक का नाम केवल वसूली के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है, असली जिम्मेदार व्यक्ति अन्य हैं।

SHO हुए लाइन हाजिर

विधायक कार्यालय पर हुए हमले में FIR दर्ज होने के बाद भी जब कई दिन बीत जाने पर कार्रवाई नहीं हुई तो विधायक ने संगम विहार थाना अध्यक्ष कुमार संतोष के खिलाफ बड़े अधिकारियों से शिकायत की, जिसके बाद उन्हें लाइन हाजिर किया गया और अब संगम विहार में नए थाना अध्यक्ष को लाने की तैयारी की जा रही है।

एनसीआर समचार, साप्ताहिक समाचार पत्र में विज्ञापन के लिए संपर्क करें।

कार्यालय :
12/276, संगम विहार
नई दिल्ली- 62

फोन : 9210761111

एनसीआर समाचार पत्र के स्वामित्व/ प्रकाशन परिवर्तन के संबंध में आवश्यक सूचना

एनसीआर समाचार पत्र के समस्त पाठकों तथा समाचार पत्र के साथ जुड़े समस्त पत्रकारों, व्यावसायिक संयोजक, सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं/संस्थानों को यह सूचित किया जाता है कि गत वर्षों से श्री बलबीर सिंह के नेतृत्व व स्वामित्व में चले आ रहे वर्तमान एनसीआर समाचार पत्र का प्रकाशन व स्वामित्व मो. हनीफ, पुत्र श्री इस्माईल खान मास्टर जी, संगम विहार के स्वामित्व व नेतृव में हो रहा है।

अतः भविष्य में समस्त प्रकार की व्यावसायिक, कानूनी एवं सामाजिक गतिविधियों के संचालन हेतु मो. हनीफ/ङ्ग नए कार्यालय जी-12/276, संगम विहार, नई दिल्ली-110062, दूरभाष (मोबाईल) 9210761111 सम्पर्क करें।

मराठा काल के 12 किले वर्ल्ड हेरिटेज साइट में शामिल, सूची में सिंधु और शिवनेरी जैसे दुर्ग

रायगढ़ में छत्रपति शिवाजी का हुआ था राजतिलक

नई दिल्ली / एजेंसी।

यूनेस्को की वर्ल्ड हेरिटेज साइट की लिस्ट में महाराष्ट्र के 11 किलों और तमिलनाडु के एक किले को शामिल किया गया है। मराठा काल के 12 किलों को यूनेस्को की वर्ल्ड हेरिटेज साइट में शामिल किया गया है। इनमें महाराष्ट्र के 11 किले हैं। वहीं, तमिलनाडु का एक जिंजी किला भी सूची का हिस्सा है। सभी किले 17वीं से 19वीं सदी के बीच बने थे। महाराष्ट्र के 11 किलों में सिंधु और शिवनेरी जैसी किले शामिल हैं। रायगढ़ दुर्ग जहां

छत्रपति शिवाजी का राजतिलक हुआ था, भी इस सूची में है। इसके अलावा सालहेर, लोहगढ़, खंडेरी, राजगढ़, प्रतापगढ़, सुवर्णदुर्ग, पन्हाला, विजय दुर्ग किले शामिल हैं। पेरिस में यूनेस्को की 47वीं बैठक में इस लिस्ट का ऐलान किया गया। इससे मराठा इतिहास और विरासत को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिली है। अब भारत की कुल 44 धरोहर वर्ल्ड हेरिटेज लिस्ट में शामिल हो गई हैं।

वर्ल्ड हेरिटेज लिस्ट में शामिल नौ किलों की खास बातें

- **शिवनेरी किला:** शिवनेरी किला एक पहाड़ी पर बना हुआ है और इसे रणनीतिक रूप से मजबूत बनाया गया था। शिवनेरी किला महाराष्ट्र के पुणे जिले के जुन्नर शहर के पास स्थित है।
- **सालहेर किला:** सालहेर किले में 1672 में मराठों और मुगलों के बीच युद्ध हुआ था। इस युद्ध में शिवाजी महाराज की सेना ने मुगलों को हराया था। सालहेर किला महाराष्ट्र के नासिक जिले में स्थित है।
- **लोहगढ़ किला:** लोहगढ़ किला अपने विशाल दरवाजों, मजबूत दीवारों और खासतौर पर विनचुकाटा (बिच्छू की पूंछ) नामक पर्वताकार रचना के लिए जाना जाता है। यह किला महाराष्ट्र के पुणे जिले में स्थित एक प्रसिद्ध ऐतिहासिक किला है।
- **खंडेरी किला:** खंडेरी किला महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले में, अलीबाग के पास समुद्र के बीच एक द्वीप पर स्थित है। इसे 1660 में शिवाजी महाराज के आदेश पर बनवाया गया था।
- **रायगढ़ किला:** रायगढ़ किला महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले में स्थित एक ऐतिहासिक और भव्य किला है। यह किला छत्रपति शिवाजी महाराज की राजधानी था और यहीं पर उन्हें 1674 में मराठा साम्राज्य का छत्रपति घोषित किया गया था।
- **राजगढ़ किला:** राजगढ़ किला महाराष्ट्र के पुणे जिले में स्थित एक प्राचीन और ऐतिहासिक किला है। यह किला सह्याद्री पर्वत श्रृंखला में समुद्र तल से करीब 4,350 फीट की ऊंचाई पर है।
- **प्रतापगढ़ किला:** प्रतापगढ़ किला सतारा जिले में महाबलेश्वर के पास स्थित है। यह किला समुद्र तल से लगभग 3,500 फीट की ऊंचाई पर पहाड़ी पर बना हुआ है।
- **सुवर्णदुर्ग:** सुवर्णदुर्ग किला इतिहास प्रेमियों और पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र है। यह मराठा साम्राज्य की समुद्री शक्ति, रणनीति और गौरवशाली अतीत का प्रतीक है।
- **सिंधुदुर्ग:** सिंधुदुर्ग किला मराठा नौसेना की ताकत दिखाता है। सिंधुदुर्ग किला मालवण के पास, अरब सागर के बीच छोटे द्वीप पर स्थित है। यह किला छत्रपति शिवाजी महाराज ने 1664 में बनवाया था।

यूनेस्को की सूची में शामिल होना गौरवपूर्ण

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत के मराठा सैन्य धरोहरों को प्रतिष्ठित यूनेस्को विश्व धरोहर सूची में शामिल किए जाने पर अत्यधिक गर्व और खुशी व्यक्त की है। मोदी ने शनिवार को सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि इन धरोहरों में 12 भव्य किले शामिल हैं जिनमें से 11 महाराष्ट्र में और एक तमिलनाडु में है। प्रधानमंत्री ने मराठा साम्राज्य के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जब हम गौरवशाली मराठा साम्राज्य की बात करते हैं, तो हम इसे सुशासन, सैन्य शक्ति, सांस्कृतिक गौरव और सामाजिक कल्याण के साथ जोड़ते हैं। ये महान शासक हमें किसी भी अन्याय के आगे झुकने से मना करने के लिए प्रेरित करते हैं। उन्होंने नागरिकों से मराठा साम्राज्य के समृद्ध इतिहास के बारे में जानने के लिए इन किलों का भ्रमण करने का आग्रह किया।

प्रधानमंत्री ने 2014 में रायगढ़ किले की अपनी यात्रा की यादों का उल्लेख करते हुए एक तस्वीर भी साझा की जिसमें उन्होंने छत्रपति शिवाजी महाराज को श्रद्धांजलि अर्पित की। पीएम ने यूनेस्को की एक पोस्ट का उत्तर देते हुए कहा कि हर भारतीय इस सम्मान से उत्साहित है।

तियानजिन में एससीओ के विदेश मंत्रियों की बैठक 15 को

एस जयशंकर एससीओ बैठक में भाग लेने आज जाएंगे चीन

गलवान सैनिक संघर्ष के बाद विदेश मंत्री जयशंकर की यह पहली चीन यात्रा

नई दिल्ली / एजेंसी।

विदेश मंत्री एस जयशंकर अगले सप्ताह तियानजिन शहर में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के विदेश मंत्रियों की बैठक में भाग लेने के लिए चीन की यात्रा करेंगे। चीनी विदेश मंत्रालय ने यहां शनिवार को यह जानकारी दी। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने शनिवार को यहां एक बयान में कहा कि एससीओ के विदेश मंत्रियों की परिषद की बैठक 15 जुलाई को तियानजिन में होगी।

बयान में कहा गया है कि चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के राजनीतिक ब्यूरो के सदस्य और विदेश मंत्री वांग यी के निमंत्रण पर, एससीओ के अन्य सदस्य देशों के विदेश मंत्री

और संगठन के स्थायी निकायों के प्रमुख बैठक में भाग लेंगे। इसमें कहा गया है कि मंत्री विभिन्न क्षेत्रों में एससीओ सहयोग और प्रमुख अंतरराष्ट्रीय एवं क्षेत्रीय मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान करेंगे।

शंघाई सहयोग संगठन में शामिल हैं 10 सदस्य देश

चीन, रूस, भारत, ईरान, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, पाक, ताजिकिस्तान, उज्बेकिस्तान और बेलारूस। दोनों देशों के बीच संबंधों को सामान्य बनाने की प्रक्रिया, ऑटोमोबाइल सहित कई उत्पादों के निर्माण के लिए आवश्यक महत्वपूर्ण धातुओं पर चीन द्वारा रोक सहित कई मुद्दों पर बातचीत होने की उम्मीद है। इससे पहले, रिपोर्टों में कहा गया था कि जयशंकर वांग के साथ बातचीत के लिए 13 जुलाई को बीजिंग जाएंगे। जयशंकर की यह यात्रा रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार(एनएसए) अजीत डोभाल की हालिया चीन यात्राओं के बाद हो रही है। पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर 2020 के सैन्य गतिरोध के बाद दोनों देशों के बीच संबंधों के अत्यधिक तनावपूर्ण होने के बाद, जयशंकर की यह पहली चीन यात्रा होगी।

वांग यी भी इस महीने आ सकते हैं भारत

सूत्रों के अनुसार वांग यी भी इस महीने भारत का दौरा कर सकते हैं और एनएसए डोभाल के साथ विशेष प्रतिनिधि (एसआई) वार्ता तंत्र के तहत सीमा विवाद पर एक और दौर की वार्ता हो सकती है। बता दें कि अब तक दोनों देश इस तंत्र के तहत 23 दौर की वार्ता कर चुके हैं, लेकिन कोई ठोस हल नहीं निकल पाया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह पिछले महीने एससीओ के रक्षा मंत्रियों के सम्मेलन में भाग लेने के लिए चीनी शहर चिंगदाओ गए थे। चीन वर्तमान में एससीओ का अध्यक्ष है और इसी हैसियत से वह इस समूह की बैठकों की मेजबानी कर रहा है। चीनी रक्षा मंत्री जनरल डोंग जुन के साथ अपनी वार्ता के दौरान सिंह ने 26 जून को प्रस्ताव दिया था कि भारत और चीन को एक 'रोडमैप' के तहत 'जटिल मुद्दों' को हल करना चाहिए, जिसमें सीमाओं पर तनाव कम करने और सीमांकन के लिए मौजूदा तंत्र को फिर से सुचारु करने के लिए कदम उठाना शामिल हैं।

मानसरोवर यात्रा फिर शुरू

हाल के महीनों में भारत और चीन के बीच संबंध सुधारने की दिशा में कई कदम उठाए गए हैं। इनमें से एक अहम कदम कैलाश मानसरोवर यात्रा का फिर से शुरू होना है, जो करीब पांच साल के अंतराल के बाद हाल ही में शुरू की गई।

केरल में कार स्टार्ट करते ही हुआ ब्लास्ट

पलक्कड़, एजेंसी। केरल के पलक्कड़ जिले के पोलपुली इलाके में एक कार में अचानक हुए विस्फोट में दो मासूम बच्चों की जलकर मौत हो गई, जबकि उनकी मां गंभीर रूप से झुलस गई है।

घटना 11 जुलाई की शाम की है, जब एल्सी (39) अपने बच्चों अल्फ्रेड (6) और एमिलिना (4) के साथ घर के आंगन में खड़ी कार में बैठी थी। जैसे ही एल्सी ने कार स्टार्ट की, उसमें जोरदार ब्लास्ट हो गया।

दो बच्चों की मौत, मां गंभीर

तीनों को तुरंत अस्पताल ले जाया गया, लेकिन इलाज के दौरान दोनों बच्चों की मौत हो गई। एल्सी की हालत नाजुक बनी हुई है। पुलिस के अनुसार, कार पेट्रोल इंजन वाली थी। विस्फोट के कारणों की जांच की जा रही है।

भाई, कन्या वध हो गया- राधिका मर्डर केस में पिता दीपक यादव ने कबूला जुर्म

पिता ने बेटी को 4 गोलियां मारीं, कहा- मुझे फांसी दो

गुरुग्राम / एजेंसी।

टेनिस खिलाड़ी राधिका यादव की हत्या के आरोप में गिरफ्तार पिता दीपक यादव को अदालत ने 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। पूछताछ में दीपक ने जुर्म कबूल किया है। वहीं, राधिका के ताऊ विजय यादव ने मीडिया से बातचीत में चौंकाने वाले खुलासे किए – दीपक रोते हुए बोला, भाई, कन्या वध हो गया, मुझे फांसी दिलवाओ।

दीपक को लगता था कि राधिका उसे नीचा दिखा रही है, क्योंकि अब घर की कमाई उसकी टेनिस ट्रेनिंग से हो रही थी। बेटी की बढ़ती पहचान और सोशल मीडिया पर लोकप्रियता उसे बर्दाश्त नहीं थी। वह उसे रील्स और ट्रेनिंग बंद करने के लिए कहता रहता था, लेकिन राधिका नहीं मानी। 10 जुलाई को घर में बहस के बाद दीपक ने लाइसेंसी रिवॉल्वर से राधिका को 4 गोलियां मारीं। वारदात के वक्त घर में सिर्फ राधिका, मां मंजू और दीपक मौजूद थे। राधिका के चाचा कुलदीप यादव ने पुलिस में केस दर्ज कराया।

दोस्त हिमांशिका सिंह बोलीं– राधिका पर थीं बहुत पाबंदियां

राधिका की दोस्त हिमांशिका सिंह राजपूत ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट कर बताया– राधिका बहुत मासूम, आजाद सोच वाली और मेहनती लड़की थी। घर में उस पर भारी पाबंदियां थीं –शॉर्ट्स न पहनना, लड़कों से बात न करना, हर बात का हिसाब देना। उसे अपने ही घर में घुटन होती थी। हिमांशिका ने कहा, उसकी हत्या प्यार या लव जिहाद के लिए नहीं, उसकी आज़ादी से नफरत के कारण हुई।

ताऊ बोले–डर था कहीं खुद को न मार ले

विजय यादव ने बताया, जब मैं ऊपर पहुंचा, दीपक रो रहा था। कह रहा था कि मुझे फांसी दो। मैं पुलिस को बोलकर आया हूं कि उस पर निगरानी रखो, कहीं खुद को नुकसान न पहुंचा ले। राधिका का वजीराबाद गांव में अंतिम संस्कार हुआ। भाई धीरज ने मुखाग्नि दी।

मैक्सिको और ईयू से आयात पर 30 फीसदी टैरिफ

ट्रम्प का फैसला 1 अगस्त से होगा लागू

वाशिंगटन / एजेंसी।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने एक बार फिर दुनिया को चौंकाते हुए मैक्सिको और यूरोपीय संघ से आयातित वस्तुओं पर 30 प्रतिशत टैरिफ लगाया। यह टैरिफ 1 अगस्त से प्रभाव में लाया जाएगा। इस कदम से वैश्विक व्यापार संबंधों में तनाव और बढ़ने की आशंका जताई जा रही है। ये फैसला उन व्यापारिक चर्चाओं के असफल होने के बाद लिया गया है, जिनका उद्देश्य यूएस-ईयू के बीच जीरो टैरिफ

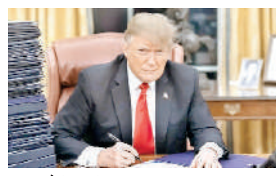

समझौते को लागू करना था। ट्रम्प ने शनिवार को इस फैसले की जानकारी सोशल मीडिया पर देते हुए ईयू और मैक्सिको को पत्र भी लिखा।

व्यापार वार्ता हुई विफल

यूरोपीय संघ ने शुरू में अमेरिका से औद्योगिक वस्तुओं पर शून्य टैरिफ की मांग की थी, लेकिन महीनों की बातचीत के बाद भी कोई समझौता नहीं हो पाया। जर्मनी जैसे देशों ने समझौते का समर्थन किया, जबकि फ्रांस जैसे देश अमेरिका के प्रस्ताव को एकतरफा मानते हुए इसका विरोध करते रहे। नतीजतन, यूरोपीय संघ अब आंतरिक मतभेदों के बीच एक अंतरिम समाधान की तलाश में है, जबकि अमेरिका ने टैरिफ लागू करने का रास्ता चुन लिया है।

पौधारोपण हम सब की सामाजिक व नैतिक जिम्मेदारी: जोराराम कुमावत

पशुपालन व डेयरी मंत्री के साथ ग्रामीणों ने लगाए हजारों पौधे

जयपुर/ पाली / एजेंसी।

मुख्यमंत्री पौधारोपण अभियान के अंतर्गत शनिवार को सुमेरपुर विधानसभा क्षेत्र के गांव हेमावास में सरस पशु आहार संयंत्र व ग्राम पंचायत हेमावास के संयुक्त तत्वावधान में 'हरियालो राजस्थान-एक पेड़ मां के नाम' के तहत पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें बतौर मुख्य अतिथि के रूप में राजस्थान सरकार के पशुपालन, गोपालन, देवस्थान व डेयरी मंत्री जोराराम कुमावत ने पौधा लगाकर अभियान का शुभारंभ

किया। इसके बाद ग्राम पंचायत मुख्यालय सहित गांव के अन्य हिस्सों में करीब दो हजार पौधे रोपित किए गए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जोराराम कुमावत ने कहा कि सीएम भजनलाल शर्मा के मार्गदर्शन में राजस्थान सरकार की ओर से वित्तीय वर्ष 2025-26 में प्रदेशभर में 10 करोड़ पेड़ लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया है।

उपराष्ट्रपति धनखड़ बोले, कोचिंग सेंटर का कल्चर है खतरनाक

ये बच्चों के विकास में पैदा करते हैं रुकावट

कोटा / एजेंसी।

कोटा में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा- कोचिंग सेंटर कल्चर राष्ट्रीय एजुकेशन पॉलिसी के बिल्कुल खिलाफ है। यह कल्चर बहुत ज्यादा खतरनाक है। कोचिंग सेंटर राष्ट्रीय शिक्षा नीति को फॉलो नहीं कर रहे। ये उच्च दबाव के क्षेत्र में है, जो बच्चों के विकास में रुकावट पैदा करते हैं।

रानपुर स्थित ट्रिपल आईटी के चौथे दीक्षांत समारोह में शनिवार को उपराष्ट्रपति ने कहा- मैं आश्वस्त हूं कि यह हमेशा के लिए नहीं है। समय बदलेगा और बड़ी संख्या में लोगों के माइंडसेट को बदलने का काम करेगा।

शिक्षा को फैक्ट्री की तरह संचालन करने का विरोध

उपराष्ट्रपति बोले, राजस्थान के शिक्षा मंत्री मदन दिलावर से कहना चाहूंगा कि स्कूल-कॉलेज में स्टूडेंट्स की संख्या ज्यादा बढ़े, ऐसी पॉलिसी पर विचार करना चाहिए। धनखड़ ने शिक्षा को फैक्ट्री की तरह संचालित करने की प्रवृत्ति का विरोध करते हुए कहा- हमें इस असेंबली-लाइन संस्कृति को समाप्त करना होगा, क्योंकि यह हमारी शिक्षा के लिए खतरनाक है। यह विकास और प्रगति में बाधा उत्पन्न करता है। कोचिंग सेंटरों की ओर से एड पर भारी खर्च की आलोचना करते हुए कहा- एड, होर्डिंग्स पर भारी पैसा बहाया जाता है।

संविधान संशोधन जरूरी नहीं: पूर्व मंत्री नचियप्पन

नई दिल्ली / एजेंसी।

लोकसभा-विधानसभा चुनाव एक साथ कराने के लिए संविधान में संशोधन की जरूरत नहीं है, बल्कि जनप्रतिनिधित्व अधिनियम में बदलाव ही पर्याप्त है। यह बात पूर्व केंद्रीय मंत्री और वरिष्ठ वकील ईएमएस नचियप्पन ने संसद की संयुक्त समिति के सामने रखी।

वन नेशन वन इलेक्शन पर अगली बैठक 30 को संभव

उन्होंने कहा कि सरकार चाहे तो मौजूदा लोकसभा कार्यकाल में ही इस प्रस्ताव को लागू कर सकती है। संविधान एक साथ चुनाव का विरोध नहीं करता और चुनाव आयोग को इस दिशा में अधिकार भी दिए जा सकते हैं। जेपीसी की अगली बैठक 30 जुलाई को संभावित है। भाजपा सांसद पीपी चौधरी की अध्यक्षता वाली इस समिति में पूर्व सीजेआई चंद्रचूड़ समेत कई विशेषज्ञों से सुझाव लिए जा चुके हैं।

पन्नू ने कपिल को दी धमकी

टोरंटो, एजेंसी। खालिस्तान आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू ने कॉमेडियन कपिल शर्मा को कनाडा में कैफे खोलने पर धमकी दी है। पन्नू ने वीडियो जारी करके कहा कि कपिल खुद को हिंदूवादी बताता है। उसके कैफे पर फिर गोलियां चलाई जा सकती हैं और खालिस्तानी समर्थकों पर आरोप लगाए जा सकते हैं। पन्नू ने कहा- भारत के लोग कनाडा के सर्रे शहर में निवेश कर रहे हैं। क्या कपिल का कैफे सिर्फ एक कॉमेडी कैफे है या हिंदुत्व का वैश्विक विस्तार करने की एक रणनीति का हिस्सा है? ये कनाडा में बिजनेस कर रहे हैं, भारत में क्यों नहीं? जब वो कनाडा के कानून को नहीं मानते तो यहां क्यों आ रहे हैं, ये कोई खेल का मैदान नहीं है।

आज का इतिहास

- **1534:** ऑटोमन सेना ने उत्तर पश्चिमी फारस में ताबरिज पर कब्जा किया।
- **1645:** अलेक्सेई रोमानोव अपने पिता माइकल की जगह रूस के शासक बने।
- **1830:** राजा राम मोहन राय और अलेक्जेंडर डफ ने कलकत्ता में स्कॉटिश चर्च कॉलेज की स्थापना की।
- **1882:** रूस में ट्रेन के पटरी से उतर जाने के कारण 200 लोगों की मौत।
- **1929:** क्रांतिकारी जतिंद्रनाथ ने अपनी ऐतिहासिक भूख हड़ताल शुरू की।
- **1931:** डोगरा सैनिकों ने श्रीनगर में अदालत के बाहर इकट्ठा हुए प्रदर्शनकारियों पर गोलीबारी की जिसमें 22 कश्मीरी मारे गए। इसे जम्मू-कश्मीर में शहीद दिवस के रूप में मनाया जाता है।
- **1974:** भारत ने अपना पहला एकदिवसीय अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट मैच इंग्लैंड के खिलाफ हेडिंग्ले में खेला।

सफलता | 350 सेकेंड के लिए एसएमपीएस का पूर्ण अवधि का हॉट टेस्ट किया गया

इसरो के गगनयान मिशन के लिए एसएमपीएस विकसित

चेन्नई / एजेंसी।

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने योग्यता परीक्षण कार्यक्रम के पूरा होने के साथ ही गगनयान मिशन के लिए सर्विस मॉड्यूल प्रोपल्शन सिस्टम (एसएमपीएस) का विकास सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। एसएम आधारित मिशन निरस्तीकरण की उड़ान ऑफ-नॉमिनल मिशन प्रोफ़ाइल के लिए एसएमपीएस के एकीकृत प्रदर्शन को मान्य करने के लिए 350 सेकंड के लिए एसएमपीएस का पूर्ण अवधि का हॉट टेस्ट 11 जुलाई को किया गया। इसरो ने शनिवार को बताया कि हॉट टेस्ट के दौरान प्रणोदन प्रणाली का समग्र प्रदर्शन पूर्व-परीक्षण पूर्वानुमानों के अनुसार सामान्य था। गगनयान का सर्विस मॉड्यूल (एसएम) एक विनियमित द्वि-प्रणोदक आधारित प्रणोदन प्रणाली है जो आरोहण चरण के दौरान कक्षा वृत्ताकारीकरण, ऑन-ऑर्बिट नियंत्रण, डी-बूस्ट पैंतरेबाज़ी और सर्विस मॉड्यूल आधारित निरस्तीकरण के लिए कक्षीय मॉड्यूल की आवश्यकताओं को पूरा करता है। द्रव अपोजी मोटर (एलएएम) इंजन कक्षा वृत्ताकारीकरण और डी-बूस्ट चरणों के दौरान मुख्य प्रणोदक बल प्रदान करते हैं, जबकि प्रतिक्रिया नियंत्रण प्रणाली (आरसीएस) थ्रस्टर्स सटीक रवैया नियंत्रण सुनिश्चित करते हैं।

सर्विस मॉड्यूल प्रोपल्शन सिस्टम के द्रव परिपथ का अनुकरण करते हुए एक सिस्टम प्रदर्शन मॉडल (एसडीएम) परीक्षण केंद्र तैयार किया गया, जिसमें प्रणोदक टैंक फीड सिस्टम, हीलियम दाब प्रणाली, उड़ान-योग्य थ्रस्टर्स और नियंत्रण घटक शामिल हैं।सर्विस मॉड्यूल प्रोपल्शन सिस्टम के लिए एसडीएम का विभिन्न गगनयान मिशन परिदृश्यों और मानव रेटिंग आवश्यकताओं के लिए 14,331 सेकंड की संचयी अवधि के लिए नाममात्र और गैर-नाममात्र स्थितियों में 25 परीक्षण किए हैं।

15 को धरती पर लौटेंगे शुभांशु

नई दिल्ली, भारत के पहले अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन जाने वाले पायलट ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला 14 जुलाई को स्पेस स्टेशन से रवाना होंगे और 15 जुलाई को कैलिफोर्निया तट के पास प्रशांत महासागर में ड्रैगन कैप्सूल ग्रेस के जरिए लैंड करेंगे। आकाश गंगा मिशन के तहत शुभांशु ने अमेरिका, पोलैंड और हंगरी के अंतरिक्ष यात्रियों के साथ 26 जून को आईएसएस पर पहुंचकर कई वैज्ञानिक प्रयोगों को अंजाम दिया। लौटने के बाद वे 7 दिन के रीहैब कार्यक्रम से गुजरेंगे। ड्रैगन स्पेसक्राफ्ट करीब 580 पाउंड वैज्ञानिक सामग्री और डेटा लेकर लौटेगा। यह डेटा भविष्य की तकनीक और दवा निर्माण में उपयोगी होगा। लाइव कवरेज नासा+, स्पेसएक्स और एक्सिओम स्पेस के प्लेटफॉर्म पर 14 जुलाई को रात 1.30 बजे (भारतीय समयानुसार) से शुरू होगा।

कार में महिला के साथ पकड़ाया भाजपा नेता

बुलंदशहर / एजेंसी।

गोंडा के बाद अब बुलंदशहर में भाजपा नेता महिला के साथ आपत्तिजनक हालत में पकड़ा गया। अनुसूचित जाति मोर्चा के जिला मंत्री राहुल वाल्मीकि को लोगों ने कार में एक महिला के साथ पकड़ लिया। भीड़ देखकर अंडर गारमेंट पहने राहुल कार से बाहर निकला।

बोला–वीडियो मत बनाओ, मुझे यहां से जाने दो

मोबाइल कैमरा ऑन देख लोगों के पैर पकड़कर माफी मांगने लगा। कहा- वीडियो मत बनाओ, मुझे यहां से जाने दो। साथ में मौजूद शादीशुदा महिला दुपट्टे से अपना चेहरा छिपाती रही। मामला शुक्रवार शाम शिकारपुर कोतवाली क्षेत्र के गांव कैलावन स्थित श्मशान का है। इसका वीडियो आज सामने आया है। मामला सामने आने के बाद पार्टी ने राहुल वाल्मीकि को पार्टी से निष्कासित कर दिया। वीडियो वायरल होने के बाद से राहुल बाल्मीकि फरार हो गया। शुक्रवार शाम गांव केलावन स्थित श्मशान के पास लोगों ने एक कार खड़ी देखी।

दिल्ली में आधार के लिए हों सख्त नियम : उपराज्यपाल

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्य सचिव ने उपराज्यपाल वीके सक्सेना को एक चिट्ठी लिखकर आधार कार्ड जारी करने की प्रक्रिया में सख्त नियम लागू करने की मांग की है। यह कदम अवैध प्रवासियों द्वारा फर्जी दस्तावेजों के जरिए आधार कार्ड हासिल करने की बढ़ती घटनाओं को देखते हुए उठाया गया है। चिट्ठी में कहा है कि कई अवैध अप्रवासी नागरिक गलत करीके से आधार कार्ड हासिल कर रहे हैं।

चिट्ठी में लिखा है कि सुरक्षा समीक्षा बैठकों में यह बात सामने आई है कि कई अवैध प्रवासी फर्जी दस्तावेजों या गलत जानकारी के आधार पर आधार कार्ड हासिल कर रहे हैं।

इसका असर केवल आधार तक सीमित नहीं है, बल्कि ये लोग पासपोर्ट और वोटर आईडी जैसे महत्वपूर्ण दस्तावेज भी बना रहे हैं। इतना ही नहीं, वे सरकारी कल्याण योजनाओं का लाभ उठाने के साथ-साथ स्थानीय नौकरियों पर भी कब्जा जमा रहे हैं, जिससे दिल्ली के स्थानीय श्रम बाजार पर बुरा असर पड़ रहा है। यह स्थिति राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए भी एक बड़ा खतरा बन रही है।

सख्त हों आधार के नियम

मुख्य सचिव ने आधार (नामांकन और अपडेट) विनियम, 2016 के तहत रजिस्ट्रारों की जिम्मेदारियों पर फिर से विचार करने की बात कही है। खासतौर पर फील्ड-लेवल कार्यान्वयन, निगरानी और सत्यापन प्रक्रियाओं को और मजबूत करने की जरूरत है। उपराज्यपाल ने इस मामले में गहरी चिंता जताई है और सभी रजिस्ट्रारों को दो महीने के भीतर आधार नामांकन को पूरी तरह इन-हाउस मॉडल में बदलने का निर्देश दिया है।

यूआईडीएआई का पुराना आदेश अब तक क्यों नहीं हुआ लागू?

यूआईडीएआई ने 14 अक्टूबर, 2022 को एक कार्यालय ज्ञापन जारी कर सभी राज्य सरकारों को निर्देश दिया था कि वे 31 मार्च, 2023 तक आधार नामांकन को आउटसोर्स से इन-हाउस मॉडल में शिफ्ट करें। लेकिन दिल्ली में यह व्यवस्था अभी तक लागू नहीं हो सकी है। कई रजिस्ट्रार अभी भी नामांकन एजेंसियों पर निर्भर हैं और कुछ ने मशीनें खरीदने के लिए टेंडर भी जारी किए हैं। इस असमानता को दूर करने के लिए उपराज्यपाल ने सख्त कदम उठाने का आदेश दिया है।

15 जुलाई तक मांगी गई पूरी जानकारी

उपराज्यपाल ने दिल्ली सरकार और नगर निगमों द्वारा संचालित सभी आधार नामांकन केंद्रों की विस्तृत जानकारी 15 जुलाई, 2025 तक जमा करने का निर्देश दिया है। इसमें केंद्रों के संचालन के तरीके और वर्तमान स्थिति की जानकारी शामिल होगी। साथ ही, यह भी स्पष्ट करने को कहा गया है कि मशीनें और ऑपरेटर रजिस्ट्रार के रोल पर हैं या किसी मैनपावर हायरिंग एजेंसी से लिए गए हैं।

दिल्ली का गौरव उसके ऐतिहासिक धरोहरों में समाहित: रेखा

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि राजधानी का गौरव उसके ऐतिहासिक धरोहरों, जीवंत संस्कृति और आधुनिक मूल्यों में समाहित है। श्रीमती गुप्ता ने शुक्रवार को यहाँ दिल्ली सरकार के पर्यटन विभाग द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम के बाद पत्रकारों से कहा, 'राजधानी के छवि को पुनर्निर्माण करने की जरूरत है। दिल्ली में वह सब कुछ है जो विश्व के पर्यटकों को चाहिए, वह इतिहास, संस्कृति, कला और विरासत है। केवल एक प्लेटफार्म देने की जरूरत है।'

मुख्यमंत्री ने कहा आज दिल्ली सरकार के पर्यटन विभाग द्वारा आयोजित 'डिलाइट फॉर दिल्ली' समिट में सहभागिता करते हुए यह विश्वास और भी दृढ़ हुआ कि दिल्ली अब केवल एक राजधानी नहीं, बल्कि वैश्विक पर्यटन, सांस्कृतिक समृद्धि और नवाचार का आकर्षण केंद्र बन रही है।

उन्होंने कहा कि यह समिट केवल पर्यटन विस्तार का एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि दिल्ली को वैश्विक निवेश, नवाचार और सांस्कृतिक नेतृत्व की नई ऊँचाइयों से जोड़ने का एक रणनीतिक मंच है। राजधानी का गौरव उसके ऐतिहासिक धरोहरों, जीवंत संस्कृति और आधुनिक मूल्यों में समाहित है, जहाँ एक ओर लाल किले और कुतुब मीनार की भव्यता है, तो दूसरी ओर स्मार्ट इंफ्रास्ट्रक्चर और वैश्विक इवेंट्स को होस्ट करने की क्षमता भी है। जी 20 शिखर सम्मेलन ने विश्व को दिल्ली की गरिमा, दक्षता और सामर्थ्य का परिचय दिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में आज दिल्ली परंपरा और प्रगति का संगम बनकर 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की भावना को सशक्त रूप में दर्शा रही है। दिल्ली सरकार निवेशकों के लिए भरोसेमंद भागीदार है। हम सुझावों को योजनाओं में, और योजनाओं को धरातल पर उतारने के लिए पूरी प्रतिबद्धता और पारदर्शिता के साथ कार्य करते हैं। उन्होंने कहा, 'आइए, हम सब मिलकर एक ऐसी दिल्ली का निर्माण करें जो विश्व पटल पर संस्कृति, समृद्धि और सतत विकास का प्रतीक बने।'

अंतरराष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं वेलनेस एक्सपो का दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष ने किया उद्घाटन

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने शुक्रवार को आठवें अंतरराष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं वेलनेस एक्सपो और 15वीं आरोग्य संगोष्ठी का उद्घाटन किया। नमो गंगे ट्रस्ट द्वारा प्रगति मैदान पर आयोजित यह तीन दिवसीय आयोजन 11 से 13 जुलाई तक चलेगा। यह आयोजन स्वास्थ्य, आयुष, योग, पोषण, फिटनेस, जैविक कृषि, जीवनशैली और समग्र स्वास्थ्य से जुड़े विशेषज्ञों, संस्थानों, शोधकर्ताओं और उद्यमियों को एक साझा मंच प्रदान कर रहा है। विजेंद्र गुप्ता ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि भारत के पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों और आधुनिक वैज्ञानिक दृष्टिकोण के समन्वय से ही एक स्वस्थ, आत्मनिर्भर और सशक्त समाज का निर्माण संभव है। उन्होंने कहा कि आयुर्वेद, प्राकृतिक चिकित्सा और योग जैसी भारतीय विधाएं केवल रोगों का उपचार नहीं, बल्कि जीवन को पूर्णता, आनंद, ऊर्जा और उत्साह से भरने की विधियां हैं। उन्होंने प्राकृतिक जीवनशैली और संतुलित

आहार के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि जो व्यक्ति वास्तव में ईश्वर को देखना चाहता है, उसे सबसे पहले प्रकृति को अपनाना चाहिए।

विजेंद्र गुप्ता ने योग की गहराई को रेखांकित करते हुए कहा कि 'योग मात्र शरीर को मोड़ने की कला नहीं, बल्कि चेतना को विस्तार देने की संस्कृति है। उद्घाटन समारोह के बाद उन्होंने प्रदर्शनी का अवलोकन किया, जिसमें आयुष पद्धतियों, पोषण, जैविक खेती, हर्बल उत्पाद, वेलनेस सेवाएं, स्वास्थ्य उपकरण, मेडिसिनल प्लांट्स, इको-फ्रेंडली जीवनशैली वस्तुएं, स्पिरिचुअल हीलिंग, अकादमिक एवं अनुसंधान संस्थान, अस्पताल एवं डायग्नोस्टिक तकनीकें प्रमुख रूप से प्रदर्शित की गई हैं।

आईपी यूनिवर्सिटी और सीईएमसीए के बीच एमओयू

नई दिल्ली, एजेंसी। गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय (जीजीएसआईपीयू) और कॉमनवेल्थ एजुकेशनल मीडिया सेंटर फॉर एशिया (सीईएमसीए) के बीच शुक्रवार को एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। इस साझेदारी को सीईएमसीएआईपीयू नाम दिया गया है, जो शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार, समावेशिता और गुणवत्ता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से की गई एक ऐतिहासिक पहल मानी जा रही है। यह एमओयू सीईएमसीए के निदेशक डॉ. बशीर अहमद शद्रच और जीजीएसआईपीयू के रजिस्ट्रार डॉ. कमल पाठक द्वारा हस्ताक्षरित किया गया। समारोह के दौरान, आईपी यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो. महेश वर्मा ने इस समझौते को शिक्षा के क्षेत्र में एक सकारात्मक परिवर्तन की दिशा में अहम कदम बताया। उन्होंने कहा, 'हम मानते हैं कि शिक्षा सभी के लिए अर्थपूर्ण और सुलभ होनी चाहिए। यह साझेदारी हमारे शैक्षिक समुदाय को उच्च प्रभाव वाली, समावेशी और नवाचारी शिक्षा प्रदान करने में मदद करेगी। सीईएमसीए के निदेशक डॉ. बशीर अहमद शद्रच ने अपने वक्तव्य में कहा कि सीईएमसीए मीडिया और प्रौद्योगिकी के माध्यम से शिक्षा को अधिक न्यायसंगत और सुलभ बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत रहा है। उन्होंने कहा, 'जीजीएसआईपीयू जैसे बहु-विषयक विश्वविद्यालय के साथ यह गठबंधन हमारे प्रयासों को व्यापक शैक्षिक समुदाय तक पहुंचाने में सहायक होगा।'

सीपीडब्ल्यूडी पर निर्भरता खत्म, स्वतंत्र पीडब्ल्यूडी कैडर के लिए कैबिनेट की मंजूरी जल्द

- दिल्ली पीडब्ल्यूडी के इतिहास का सबसे बड़ा सुधारः विभाग बनाएगा अपना इंजीनियरिंग कैडर

नई दिल्ली। दिल्ली के बुनियादी ढांचे की दिशा और दशा बदलने वाला एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए दिल्ली के लोक निर्माण विभाग (PWD) ने अपना स्वतंत्र इंजीनियरिंग कैडर बनाने का निर्णय लिया है। यह विभाग के इतिहास का सबसे बड़ा प्रशासनिक सुधार माना जा रहा है, जिससे केंद्रीय लोक निर्माण विभाग (CPWD) पर दशकों से चली आ रही निर्भरता समाप्त हो जाएगी।

अब तक पीडब्ल्यूडी में कार्यरत अधिकांश अभियंता, कार्यपालक अभियंता (एए), अधीक्षण अभियंता (रए) और कनिष्ठ अभियंता (खए) सीपीडब्ल्यूडी या अन्य केंद्रीय एजेंसियों से प्रतिनियुक्ति पर आते थे। लेकिन स्वतंत्र इंजीनियरिंग कैडर के गठन के बाद, दिल्ली को अपना स्थायी, समर्पित और पूरी तरह से जवाबदेह तकनीकी स्टाफ मिलेगा–जो दिल्ली सरकार की अपनी सेवा शर्तों और निगरानी व्यवस्था के अंतर्गत चयनित, प्रशिक्षित और पदोन्नत होंगे।

यह सिर्फ पीडब्ल्यूडी के लिए नहीं, बल्कि पूरी दिल्ली के लिए एक टर्निंग पॉइंट है। जब अभियंता केवल दिल्ली के लोगों के प्रति जवाबदेह होंगे, तो उनकी कार्यशैली और प्रतिबद्धता अपने आप बढ़ेगी। हम एक मजबूत, स्वच्छ और तेज दिल्ली बना रहे हैं–और इसके लिए हमें अपनी खुद की टीम चाहिए,ह्व

– पीडब्ल्यूडी मंत्री प्रवेश साहिब सिंह वर्मा ने कहा।

कैबिनेट की मंजूरी जल्द

स्वतंत्र इंजीनियरिंग कैडर के गठन का प्रस्ताव तैयार हो चुका है और आगामी दिनों में इसे दिल्ली कैबिनेट के सामने रखा जाएगा। मंजूरी मिलते ही, विभाग भर्ती प्रक्रिया और संगठनात्मक पुनर्गठन की दिशा में आगे बढ़ेगा–जिससे जूनियर इंजीनियर से लेकर मुख्य अभियंता तक हर स्तर पर ऐसे अधिकारी नियुक्त किए जाएंगे जो सिर्फ दिल्ली पीडब्ल्यूडी के अधीन होंगे। मौजूदा समय में जो सीपीडब्ल्यूडी अधिकारी पीडब्ल्यूडी दिल्ली में कार्यरत हैं, उन्हें यह विकल्प दिया जाएगा कि वे या तो अपने मूल कैडर में लौट जाएं या विभागीय नियमों और शर्तों के अनुरूप दिल्ली पीडब्ल्यूडी के नए कैडर में स्थायी रूप से शामिल हो जाएं। यह ऐतिहासिक बदलाव विभाग की कार्यक्षमता, जवाबदेही और नेतृत्व में स्थायित्व को मजबूत करेगा–जो अक्सर सीपीडब्ल्यूडी के ट्रांसफर और डेपुटेशन सिस्टम के कारण बाधित होता रहा है।

कांवड़ यात्रा को लेकर ट्रैफिक अलर्ट, दिल्ली से गुजरेंगे 20 लाख श्रद्धालु

नई दिल्ली, एजेंसी। श्रावण माह की शुरूआत के साथ ही दिल्ली सहित उत्तर भारत में कांवड़ यात्रा का सिलसिला शुरू हो गया है। इस दौरान हर वर्ष की तरह लाखों श्रद्धालु 'गंगाजल' लेकर उत्तराखंड के गंगोत्री धाम, हरिद्वार एवं गौमुख से विभिन्न शिवालयों की ओर पैदल यात्रा पर निकलते हैं। इस वर्ष यात्रा 11 जुलाई से शुरू होकर 23 जुलाई तक चलेगी। इस दौरान 15 से 20 लाख कांवड़िये दिल्ली के विभिन्न मार्गों से गुजर सकते हैं, जिनमें से कई हरियाणा और राजस्थान की ओर जाएंगे। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने इस यात्रा के दौरान शहर में यातायात प्रभावित होने की आशंका को देखते हुए ट्रैफिक एडवाइजरी जारी की है।

आमतौर पर नजफगढ़ फिरनी, रोहतक रोड, पंखा रोड, देव प्रकाश शास्त्री मार्ग, नांगलोई-नजफगढ़ रोड, आउटर रिंग रोड, रानी झांसी रोड पर बरफ खाना चौक से फायर स्टेशन तक, बुलेवार्ड रोड और आजाद मार्केट चौक, गोकुल पुरी फ्लाई ओवर, 66 फुटा रोड, मौजपुर चौक, बदरपुर टी पॉइंट, मथुरा रोड पर भारी यातायात जाम रहता है। इसी तरह, धौला कुआं मेट्रो स्टेशन से रजोकरी बॉर्डर तक एनएच-08 पर भी यातायात जाम रहता है।उत्तर प्रदेश पुलिस द्वारा अप्सरा बॉर्डर और महाराजपुर बॉर्डर से गाजीपुर की ओर जाने वाले वाहनों के मार्ग को डायवर्ट किए जाने के कारण एनएच-24 पर भी जाम की स्थिति रहेगी।जल लेकर आने वाले कांवड़िये दिल्ली में विभिन्न मार्गों से गुजरेंगे। इनमें अप्सरा बॉर्डर - शाहदरा फ्लाईओवर, सीलमपुर 'टी' पॉइंट - आईएसबीटी फ्लाईओवर, बुलेवार्ड रोड - रानी झांसी रोड, फैज रोड, अपर रिज रोड, धौला कुआं - एनएच-8 और रजोकरी बॉर्डर से हरियाणा के लिए प्रस्थान।

भोपुरा बॉर्डर - वजीराबाद रोड, लोनी फ्लाईओवर, गोकुलपुरी 'टी' पॉइंट - 66 फुटा रोड - सीलमपुर 'टी' पॉइंट - एनएच 1 और आगे नए आईएसबीटी पुल की ओर। उत्तर प्रदेश के लोनी बॉर्डर से लोनी फ्लाईओवर तक प्रवेश व निकास। वजीराबाद ब्रिज बाहरी रिंग रोड मुकरबा चौक - एनएच 1 और सिंघु बॉर्डर या मुकरबा चौक से निकास व प्रवेश - एनएच 1 बवाना रोड और औचंदी बॉर्डर या मधुबन चौक पीरागढ़ी से निकास व प्रवेश और हरियाणा के लिए टिकरी बॉर्डर से निकास व प्रवेश। महाराजपुर बॉर्डर, रोड नंबर 56, गाजीपुर बॉर्डर - एनएच 24 रिंगरोड मथुरा रोड और हरियाणा के लिए बदरपुर बॉर्डर से निकास। कालिंदी कुंज - मथुरा रोड - बदरपुर बॉर्डर। कालिंदी कुंज - मथुरा रोड - मोदी मिल - मां आनंद माई मार्ग - एम.बी. सड़क। न्यू रोहतक रोड (कमल टी-प्वाइंट से टिकरी बॉर्डर तक)। नजफगढ़ रोड (जखीरा से नजफगढ़ तक)।

पुलिस के अनुसार, कुछ मार्गों पर कांवड़ शिविरों की स्थापना और श्रद्धालुओं की भारी उपस्थिति के चलते सड़कों पर अस्थायी अवरोध और जाम की स्थिति बन सकती है। इसी को ध्यान में रखते हुए यह विशेष योजना बनाई गई है। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने यात्रियों और नागरिकों से अपील की है कि वे यात्रा से पहले ट्रैफिक अपडेट देखें और पुलिस द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करें। कांवड़ यात्रा के दौरान ट्रैफिक नियमों के उल्लंघन पर फोटोग्राफी व वीडियोग्राफी के माध्यम से कार्रवाई की जाएगी।

सदर बाजार इलाके में गिरी तीन इमारतों को पहले ही असुरक्षित घोषित कर दिया था : दिल्ली मेट्रो

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली मेट्रो ने सदर बाजार के मिठाईपुल इलाके में उसके सुरंग निर्माण कार्य के निकट शुक्रवार तड़के तीन इमारतों के ढहने के मामले में स्पष्ट किया है कि इन्हें 12 जून को असुरक्षित घोषित करते हुए खाली करने का नोटिस दे दिया गया था।

दिल्ली मेट्रो रेल निगम(डीएमआरसी) ने शुक्रवार को एक विज्ञप्ति जारी कर कहा कि इन इमारतों के मालिकों को नोटिस भेजकर स्पष्ट बता दिया गया था कि ये इमारतें बेहद जर्जर हालत में हैं और एहतियात के तौर पर इन्हें खाली कराना जरूरी है।

गौरतलब है कि राजधानी दिल्ली के सदर बाजार के मिठाईपुल इलाके में शुक्रवार तड़के तीन इमारतें (दुकानें/कार्यालय) ढह गयी। यह दिल्ली मेट्रो के जनकपुरी पश्चिम-आर.के. आश्रम मार्ग कॉरिडोर के लिए जारी सुरंग निर्माण कार्य क्षेत्र में आता है।

इसके अतिरिक्त इन इमारतों को सहारा देने और सुरंग निर्माण के कारण होने वाले किसी भी जोखिम को कम करने के लिए साइट पर आवश्यक सबसॉइल ग्राउटिंग और बाहरी सहारा उपलब्ध कराया गया था। सबसॉइल ग्राउटिंग का अर्थ है मिट्टी के नीचे की परतों में ग्राउट (एक प्रकार का तरल पदार्थ) डालना ताकि मिट्टी को मजबूत कर उसकी पानी सोखने की क्षमता कम की जा सके, या मिट्टी में दरारें और छेद भरे जा सकें। इसका उपयोग आमतौर पर निर्माण परियोजनाओं, सुरंगों, बांधों, और नींवों को मजबूत करने के लिए किया जाता है।

राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) और दिल्ली पुलिस के साथ मिलकर मलबा हटाने का काम तुरंत शुरू कर दिया गया है। एहतियात के तौर पर इलाके में उचित बैरिकेडिंग भी कर दी गई है। इस अभियान के दौरान दुर्भाग्य से एक व्यक्ति की मौत हो गई। डीएमआरसी ने मृतक के परिजनों को पांच लाख रूपए अनुग्रह राशि की घोषणा की है।

एक नजर

अंकुश नारंग ने दिल्ली में जलभराव की समस्या पर सरकार पर साधा निशाना

नई दिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी (आआपा) के नगर निगम में नेता प्रतिपक्ष अंकुश नारंग ने शुक्रवार को दिल्ली में जलभराव की स्थिति पर दिल्ली सरकार की आलोचना की। उन्होंने कहा कि सरकार ने दावा किया था कि इस बार मानसून में जलभराव की समस्या नही होगी। दिल्ली में जलभराव की समस्या पर नारंग ने आज सिविक सेंटर में पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा के नेतृत्व वाली दिल्ली सरकार ने चुनाव के समय दावा किया था कि इस बार जलभराव नहीं होगा। लेकिन दिल्ली में सभी जगहों पर पानी भरा पड़ा है। उन्होंने दिल्ली में जगह-जगह हुए जलभराव की फोटो पत्रकारों के साथ साझा करते हुए कहा कि सरकार ने इसके निपटारे की बात की थी, लेकिन दिल्ली की सड़कों पर बच्चे नाव चला रहे है। नारंग ने कटाक्ष करते हुए कहा कि पीडब्ल्यूडी मंत्री प्रवेश वर्मा ने दावा किया था कि दिल्ली में हमने 400 जलभराव वाले पॉइंट चिन्हित किए हैं, हर पॉइंट पर अफसर तैनात हैं, जलभराव हुआ तो अफसर सस्पेंड होंगे। लेकिन अभी तक किसी भी अफसर की सस्पेंड की खबर सामने नहीं आई। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि महापौर ने वादा किया था कि दिल्ली इस बार मानसून का मजा लेगी। जलभराव नहीं होगा। लेकिन दिल्ली की सड़क स्विमिंग पूल बन गई है। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार के अनुसार एंजॉयमेंट की परिभाषा में बसों का डूबना और लोगों का सड़कों पर तैरना शामिल है। उन्होंने कहा कि भाजपा की चार इंजन वाली सरकार दिल्ली की जनता को जलभराव की समस्या से निकाल नही पा रही है।

लूटपाट में शामिल मां-बेटे की जोड़ी गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। बाप नंबरी, बेटा दस नंबरी फिल्म में दिखाया गया था किस तरह चोर बाप-बेटे की जोड़ी वारदात को अंजाम देती है। पूर्वी जिले के स्पेशल स्टाफ ने इसी तरह की सब्जी बेचने वाले मां-बेटे की जोड़ी को उनके साथियों के साथ गिरफ्तार किया है। एक युवक अपने साथी के साथ बाइक से लूटपाट करता था। लूट का सामान लाकर मां को दे देता था। उस उस सामान को महिला बेच देती थी। पकड़े गए आरोपितों की पहचान आकाश, इसकी मां बेबी, इसका दोस्त सुरेश उर्फ गोलू और लूट व चोरी को माल खरीदने वाले ज्वेलर विनोद सोनी के रूप में हुई है। पुलिस ने इनके पास से दो बाइक, 47 हजार रुपये और सोना पिघलाने का सामान बरामद किया है। सुरेश पर हत्या, हत्या के प्रयास समेत 30 और आकाश पर लूट, झपटमारी के 16 केस दर्ज हैं। जिला पुलिस उपायुक्त अभिषेक धानिया ने बताया कि प्रीत विहार इलाके में सात जुलाई को 62 साल की बुजुर्ग महिला से बाइक सवार दो बदमाशों ने सोने की चेन झपटी थी। एसीपी पवन कुमार के नेतृत्व में स्पेशल स्टाफ के इंचार्ज जितेंद्र मलिक व अन्य की टीम बनाई गई। टीम ने प्रीत विहार व उसके आसपास के क्षेत्र में लगे 100 से अधिक सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले। जांच के दौरान पता चला कि बाइक पांडव नगर थाना क्षेत्र से चोरी की गई थी। पुलिस ने वहां के कैमरे खंगाले। फुटेज से एक बदमाश की पहचान त्रिलोकपुरी निवासी सुरेश उर्फ गोलू के रूप में हुई। पुलिस ने उसे त्रिलोकपुरी से गिरफ्तार कर लिया। उसकी निशानदेही पर पुलिस ने आकाश, उसकी मां और ज्वेलर को भी गिरफ्तार कर लिया। आकाश व उसकी मां त्रिलोकपुरी में सब्जी बेचने का काम करते हैं। सुरेश पेशे से बाइक मैकेनिक है। आकाश ने पुलिस को बताया कि बुजुर्ग से चेन झपटने के बाद उसने अपनी मां को दे दी थी। मां ने वह चेन त्रिलोकपुरी के ज्वेलर को 70 हजार रुपये में बेच दी थी। ज्वेलर ने उस चेन के सोने का पिघला दिया था।

कारोबारी के कर्मचारी से हुई ढ़ाई लाख की लूट में एक गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। मध्य जिला स्पेशल स्टाफ ने 2 घंटे के भीतर लूट के मामले को सुलझाते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पकड़ा गया आरोपी योगेश कुमार है। पुलिस ने इसके पा से लूटी गई राशि में से 2 लाख रुपए बरामद किए है। पुलिस पकड़े गए आरोपी से पूछताछ कर मामले की जांच कर रही है। मध्य जिला डीसीपी निधिन वल्सन ने बताया कि स्पेशल स्टाफ प्रभारी इंस्पेक्टर रोहित कुमार की देखरेख में गठित टीम ने शिकायत के बाद स्थानीय पूछताछ की सीसीटीवी कैमरों की जांच की और मैन्युअल जानकारी एकत्र कर। सूचना के माध्यम से, टीम ने दिल्ली के बसई धारापुर अस्पताल के पास आरोपी का पता लगाया। 10 जुलाई की घटना के मात्र 2 घंटे के भीतर, टीम ने बसई धारापुर अस्पताल के पास योगेश कुमार को धर दबोचा। उसकी निशानदेही पर लूटी गई रकम में से 2 लाख रुपए नकद और अपराध के दौरान पहने हुए कपड़े बरामद किए। पूछताछ के दौरान आरोपी ने खुलास किया की उसने 50 हजार रुपए कर्ज व अन्य जगह खर्च कर दी। उसने दिल्ली में कई झपटमारी और चोरी की घटनाओं में अपनी संलिप्तता स्वीकार की। वह पहले भी झपटमारी, चोरी और अन्य अवैध गतिविधियों के 11 से अधिक मामलों में शामिल रहा है और सदर बाजार, दिल्ली पुलिस थाने का हिस्ट्रीशीटर है। पुलिस को 9 जुलाई को पहाडगंज थाने में लूट की एक घटना दर्ज की गई। शिकायतकर्ता ने बताया कि वह अपनी दुकान से प्रताप गली, पहाडगंज, दिल्ली स्थित अपने मालिक के घर स्कूटी से जा रहा था और उसके पास 5 लाख से भरा एक बैग था। जब वह एक होटल के पास पहुंचा, तो ट्रैफिक जाम के कारण उसने अपनी गति धीमी कर दी। उसी समय, एक लडका उसके पास आया, उसे धक्का दिया और उसके बैग से 2,50,000 रुपए से भरा एक बंडल छीन लिया। आरोपी ने खुद को छुड़ाकर और पहचान से बचने के लिए अपनी काली टी-शर्ट उतारकर भाग निकला।

सीएम जन सेवा सदन में हर बुधवार होगी जन सुनवाई

नई दिल्ली, एजेंसी। सीएम जन सेवा सदन में हर बुधवार को सुबह 8 से 10 बजे तक जन सुनवाई होगी। इसके लिए दो कल्याण अधिकारियों को नोडल अधिकारी बनाया गया है, जो सीएम जन सेवा सदन (सीएम पब्लिक सर्विस कैंप ऑफिस) में रोज सुबह 8 से दोपहर 4 बजे तक उपलब्ध रहेंगे। दिल्ली सरकार ने आम लोगों की शिकायतों को तेजी से हल करने के लिए यह कदम उठाया है। नोडल अधिकारी सुनिश्चित करेंगे कि कोई भी शिकायत लंबित न रहे। इस व्यवस्था को सक्षम प्राधिकारी की मंजूरी से लागू कर दिया गया है। दिल्ली सरकार की ओर से कहा गया है कि इस पहल से दिल्लीवासियों को अपनी समस्याओं के लिए सीधे सरकार तक पहुंचने का मौका मिलेगा, जिससे प्रशासन और जनता के बीच दूरी कम होगी। यह कदम न केवल पारदर्शिता को बढ़ावा देगा, बल्कि लोगों का भरोसा भी मजबूत करेगा।

वांछित बदमाश को पुलिस ने दबोचा

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने मादक पदार्थों की तस्करी से जुड़े एक हाई-प्रोफाइल मामले में वांछित आरोपित भोले शंकर उर्फ शंकर को गिरफ्तार किया है। आरोपित दिल्ली के बाहरी उत्तर जिला क्षेत्र में नशे की अवैध आपूर्ति का मुख्य कड़ी था और लंबे समय से फरार चल रहा था। क्राइम ब्रांच के डीसीपी विक्रम सिंह के अनुसार क्राइम ब्रांच की टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर आरोपित को श्रीनगर कॉलोनी, पीतमपुरा से दबोचा। जांच में पता चला है कि आरोपित शाहबाद डेरी थाने में दर्ज मादक पदार्थों मामले में फरार था। उसे कोर्ट ने भगोड़ा घोषित किया हुआ था।

जेल से बाहर आते ही शेर अली जाफरी ने फिर फेंका लालच का जाल आधी फीस मे अब दे रहे हैं छात्र-छात्राओं को एडमिशन

राजू, उत्तर प्रदेशः शहर के कुख्यात फर्जी डिग्री घोटाले में जेल जा चुके शेर अली जाफरी और उनका बेटा फिरोज जाफरी एक बार फिर से विवादों में हैं। करीब 9 महीने तक सलाखों के पीछे रहने के बाद हाल ही में जमानत पर रिहा हुए शेर अली ने एक बार फिर वही पुराना खेल शुरू कर दिया है। बताया जा रहा है कि डी.फार्मा और बी.फार्मा में दाखिले के नाम पर छात्र-छात्राओं को लुभाने के लिए अब वे आधी फीस के आकर्षक विज्ञापन अखबारों में प्रकाशित करा रहे हैं। यह वही शेर अली जाफरी है, जिस पर फर्जी डिग्री देने, फजीर्वाड़ा करने और करोड़ों की ठगी का गंभीर आरोप है। उनके खिलाफ प्रॉपर्टी जब्तीकरण की

कार्रवाई तक चल रही है, मगर हैरानी की बात ये है कि जेल से बाहर आने के कुछ ही दिनों में उन्होंने फिर से ठगी के अपने पुराने हथकंडे अपनाने शुरू कर दिए हैं।

आधी फीस में एडमिशन बन रहा नया जाल

सूत्रों के अनुसार, जाफरी द्वारा निकाले गए विज्ञापन में वादा किया गया है कि नामी संस्थान में छात्र-छात्राओं को आधी फीस पर प्रवेश दिया जाएगा, वह भी सीमित सीटों के नाम पर जल्दबाजी का माहौल बनाकर। यह वही पुरानी चाल है जो पहले भी कई मासूम युवाओं के करियर बर्बाद कर चुकी है। पहले से ही ठगी का शिकार हो चुके कई छात्र अब सोशल मीडिया और अन्य माध्यमों से दूसरों को चेतावनी दे रहे हैं कि वे इस जाल में न फंसें।

अब नहीं चलने वाला जाफरी मॉडल

इस बार स्थिति पहले जैसी नहीं है। बरेली और आसपास के इलाके के छात्र-छात्राएं अब जागरूक हो चुके हैं। पहले की तरह वे झूठे वादों और आकर्षक ऑफर्स के जाल में नहीं फंस रहे हैं। सोशल मीडिया पर छात्रों ने अभियान शुरू कर दिया है और जाफरी की सच्चाई उजागर कर रहे हैं। शहरवासियो का कहना है कि अगर प्रशासन सख्त कदम न उठाए, तो ऐसे जालसाज फिर से निर्दोष युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ करेंगे।

शिक्षा विभाग और पुलिस प्रशासन से मांग की जा रही है कि शेर अली जाफरी और उनके गिरोह की गतिविधियों पर कड़ी निगरानी रखी जाए।

प्रशासन पर उठ रहे सवाल

यह गंभीर सवाल है कि जिस व्यक्ति पर पहले से ही कई मुकदमे दर्ज हैं और जिसकी संपत्ति जब्त की जा रही है, वह खुलेआम अखबारों में विज्ञापन कैसे दे पा रहा है? क्या प्रशासन अब भी सो रहा है या फिर कोई अंदरूनी सांठगांठ इस खेल को चालू रखे हुए है? शेर अली जाफरी की वापसी ने एक बार फिर बरेली में शिक्षा जगत को शर्मसार कर दिया है। मगर अब वक्त बदल गया है, छात्र अब जागरूक हैं और जनता को चाहिए कि ऐसे फर्जी संस्थानों और उनके संचालकों से दूर रहें और दूसरों को भी सावधान करें।

एक नजर

कैबिनेट मंत्री निर्मला भूरिया के प्रयासों से सर्किट हाउस निर्माण को मिली मंजूरी

रियाज मोहम्मद खान

मध्य प्रदेशः पेटलावद में सर्किट हाउस निर्माण की प्रशासकीय स्वीकृति कैबिनेट मंत्री निर्मला भूरिया के प्रयासों से मिलीं मंजूरी महिला एवं बाल विकास विभाग की कैबिनेट मंत्री सुश्री भूरिया के सतत प्रयासों से पेटलावद क्षेत्र में सर्किट हाउस निर्माण की लंबें समय से चली आ रही मांग को आखिरकार मंजूरी मिल गई है लोक निर्माण विभाग की स्थायी व्यय समिति की 289 वीं बैठक में 407ङ्82 लाख रुपये की लागत से सर्किट हाउस निर्माण के लिए प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की गई है मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया ने बताया कि पेटलावद क्षेत्र में सर्किट हाउस की आवश्यकता लंबे समय से महसूस की जा रही थी शासन स्तर पर इस संबंध में मांग रखी गई थी जिसे स्वीकृति मिलना क्षेत्रवासियों के लिए प्रसन्नता का विषय है उन्होंने कहा कि अब शीघ्र ही तकनीकी स्वीकृति प्राप्त कर टेंडर प्रक्रिया पूरी कर निमार्ण कार्य प्रारंभ किया जाएगा इस अवसर पर सुश्री ने मुख्यमंत्री डॉ,मोहन यादव एवं लोक निर्माण विभाग मंत्री श्री राकेश सिंह का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके सहयोग से ही यह स्वीकृति संभव हो पाई है

थाना दिवस पर कुल 22 प्रार्थना पत्र फरियाद के लिए आए

अनूप कुमार

उत्तर प्रदेशः अहरौरा मिजार्पुर में शनिवार को थाना परिसर में थाना प्रभारी अजय सेठ की अध्यक्षता में थाना दिवस का आयोजन किया गया। जिसमें शासन की ओर से नायब तहसीलदार गरिमा सिंह को फरियादियों के फरियाद सुनने के लिए लगाया गया था। तीन प्रार्थना पत्र एसपी कार्यालय से थाना में प्रेषित किया गया था तथा 19 प्रार्थना पत्र क्षेत्रीय फरियादियों द्वारा लाया गया। जिसमें एक प्रार्थना पत्र का निस्तारण तुरंत कर दिया गया तथा अन्य प्रार्थना पत्रों का निस्तारण हेतु नायब तहसीलदार ने सक्षम विभाग के कर्मियों को देते हुए त्वरित निस्तारण हेतु आदेश भी दिया। इस दौरान क्षेत्रीय राजस्वकर्मी एवं फरियादी उपस्थित रहे।

जाटवास मोड़ से कैंची मोड़ तक 61 पौधरोपण कार्यक्रम किया गया

मेनपाल, हरियाणाः शनिवार सुबह जाटवास मोड़ से कैंची मोड़ तक 148बी डिवाइडर पर 61 पौधरोपण कार्यक्रम किया गया ।ग्राम जाटवास के पूर्व सरपंच रामनिवास ने अपने माता-पिता की पुण्य स्मृति में पौधों की व्यवस्था की और इनकी देखभाल स्वयं करेंगे। पौधों में 13 बोटल पाम, 17 अशोक, 21 कनेर एवं 10 कोनोकारपस के पौधे शामिल हैं ।पौधरोपण कार्यक्रम में विधायक कंवर सिंह यादव मौजूद रहे ।विधायक कंवर सिंह यादव ने बताया कि बारिश के दौरान हर इंसान को एक पेड़ अवश्य लगाना चाहिए ।इसके साथ साथ देखभाल भी होनी चाहिए ।समाज के प्रत्येक वर्ग की भागीदारी से ही स्वच्छ, सुंदर एवं हरित महेंद्रगढ़ का निर्माण संभव है ।स्वस्थ जीवन के लिए हरियाली जरूरी है।

विधायक ने न केवल पौधरोपण को बढ़ावा दिया बल्कि स्थानीय समुदाय की भागीदारी और पर्यावरण के प्रति जागरूकता का संदेश भी फैलाया है ।एक स्वस्थ एवं सुरक्षित पर्यावरण के बिना मानव समाज की कल्पना अधूरी है। पृथ्वी ग्रह पर ही मानव जीवन संभव है इसलिए इसे जीने लायक बनाए रखना हमारी जिम्मेदारी है ।पेड़- पौधे हमारे जीवन के लिए अति आवश्यक है ।सरकार द्वारा चलाए जा रहे एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत अपनी भागीदारी भी सुनिश्चित करे ।राष्ट्रीय सेवा योजना संयोजक प्रो. सोमवीर सिवाच ने बताया कि पौधरोपण कार्यक्रम में एसडीएम महेंद्रगढ़ अनिल कुमार एवं राजकीय महाविद्यालय महेंद्रगढ़ की प्राचार्य डॉ. पूर्णप्रभा के मार्गदर्शन में भी करवाए जा रहे है ।ग्रामीणों से आग्रह किया कि वे पौधों को बच्चों की तरह पालें ताकि वे स्वस्थ पेड़ों में परिवर्तित होकर अधिक से अधिक ऑक्सीजन प्रदान कर सकें।

इस अवसर पर ग्राम जाटवास सरपंच राजकुमार, वयोवृद्ध मानसिंह सिवाच,अमन समाज सेवी,नंबरदार मनफूल सिंह, नंबरदार धर्मपाल सिंह जोशी, पूर्व पंचायत समिति सदस्य नरेश शर्मा, कैप्टन सुरेंद्र सिंह, मास्टर भूप सिंह, सतपाल सिंह, महेंद्र सिंह पहलवान, चरण सिंह, बलजीत फौजी, रमेश शर्मा, अतर सिंह फौजी, रघुवीर सिंह, मनोज कुमार, जे.ई. आशुतोष, पवित्र सिवाच, परमजीत सिवाच, सूबेदार महिपाल सिंह, इंदर सिंह पंच, सुनील सिवाच, राहुल सिवाच, दीपू, हनुमान सैनी, महेंद्र सैनी, ताराचंद सैनी, राकेश फौजी, मिस्त्री कैलाश सैनी, विक्रम सैनी सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

कोचिंग सेंटर्स पर एसडीओपी व पुलिस का निरीक्षण,छात्रों की सुरक्षा को लेकर दी सख्त हिदायतें

अजय सिंह तोमर/मध्य प्रदेशः पोरसा शहर में कोचिंग संस्थानों में पढ़ने वाले छात्रों की लगातार मिल रही शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए एसडीओपी अंबाह रवि सिंह भदौरिया व थाना प्रभारी पोरसा रामनरेश सिंह यादव ने शुक्रवार को पोरसा पुलिस बल के साथ शहर के विभिन्न कोचिंग सेंटर्स का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कोचिंग संचालकों को सीसीटीवी कैमरे अनिवार्य रूप से लगाने, छात्रों के आई-कार्ड बनवाने एवं हाजिरी रजिस्टर में नियमित उपस्थिति दर्ज कराने के निर्देश दिए गए। साथ ही, कोचिंग के आसपास अनावश्यक रूप से घूम रहे युवाओं को समझाइश देकर क्षेत्र से हटाया गया और भविष्य में अनुशासन बनाए रखने की चेतावनी दी गई।

निरीक्षण आरबीएस स्कूल वाली गली, मंडी रोड, पुत्तू राम स्कूल गली, संजय स्कूल गली सहित एक दर्जन से अधिक कोचिंग संस्थानों में किया गया। इस दौरान दुर्गेश सिंह भदौरिया, नाथूराम शर्मा, किशन सिंह, शिवम यादव, पुष्पेंद्र सिंह तोमर, मनोज सिंह, धीरज सिंह और आर.डी. इंदौरिया सहित पुलिस टीम मौजूद रही। एसडीओपी भदौरिया ने कहा कि, "छात्रों की सुरक्षा सर्वोपरि है, कोचिंग संस्थानों को नियमों का पालन करना होगा, अन्यथा सख्त कार्रवाई की जाएगी।"

अविनाश कुमार की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में खाद्य एवं रसद विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित की गई

रामकेश विश्वकर्मा

उत्तर प्रदेशः बैठक में वित्तीय वर्ष 2025-26 के अन्नपूर्णा भवनों हेतु वरीयता सूची निर्धारण एवं भूमि चिन्हांकन की स्थिति की विस्तार से समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने स्पष्ट - निर्देश दिए कि चिन्हांकन का कार्य एक सप्ताह के भीतर पूर्ण कर लिया जाए। साथ ही, पूर्ति निरीक्षकों को आदेश दिया गया कि वे तीन दिनों के भीतर चिन्हित स्थलों का स्थलीय सत्यापन कर आख्या प्रस्तुत करें। उन्होंने कहा कि प्राथमिकता सूची की सभी 479 स्थलों पर भूमि चिन्हित कर सुरक्षित की जाए। बैठक में वित्तीय वर्ष 2024-25 के लक्ष्य के सापेक्ष अन्नपूर्णा भवनों के निर्माण कार्यों की प्रगति की भी समीक्षा की गई।

ज्ञात हो कि वर्तमान में प्रदेश सरकार एफसीआई के गोदामों से सीधे उचित दर दुकानों तक खाद्यान्न पहुंचाने की व्यवस्था को लागू कर रही है। लेकिन संकरी गलियों में स्थित दुकानों तक भारी वाहनों से खाद्यात्र पहुंचाना चुनौतीपूर्ण होता है। इसी को देखते हुए शासन द्वारा अन्नपूर्णा भवनों का निर्माण

चरणबद्ध रूप से सरकारी खर्चे पर कराया जा रहा है, जिससे उचित दर की दुकानों को मुख्य सड़कों के पास स्थानांतरित किया जा सके और राशनकार्डधारकों को अधिक सुविधा मिल सके। गाजीपुर जनपद में वित्तीय वर्ष 2023-24 के अंतर्गत निर्धारित 75 अन्नपूर्णा भवनों में से 68 भवनों का निर्माण पूर्ण हो चुका है, जबकि 2024 25 के लक्ष्य के तहत 31 भवनों का निर्माण कार्य प्रगति पर है। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने राशनकार्ड सत्यापन कार्य की भी समीक्षा की। उन्होंने कहा कि अपात्र परिवारों को खाद्य सुरक्षा योजना से हटाकर पात्र परिवारों को जोड़ना अति आवश्यक है, जिससे योजनाओं का वास्तविक लाभ जरूरतमंदों तक पहुंचे।

इस दिशा में सभी खंड विकास अधिकारियों (इ‌ऊ‌ड) को निर्देश दिए गए कि वे सत्यापन कार्य में तेजी लाएं और निर्धारित समयसीमा में इसे पूर्ण करें। जिलाधिकारी ने स्पष्ट रूप से कहा कि सरकारी योजनाओं की गुणवत्ता, पारदर्शिता और लाभ वितरण सुनिश्चित करने के लिए भूमि चिन्हांकन, भवन निर्माण और राशन सत्यापन जैसे कार्यों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

शाक्य समाज की मांगो को लेकर मुख्यमंत्री से मिले रमेश शाक्य

रमेश कुमार

हरियाणाः शाक्य सेवा समिति फतेहाबाद के अध्यक्ष रमेश शाक्य गतदिवस हरियाणा के मुख्यमंत्री माननीय नायब सैनी से उनके निवास स्थान चंडीगढ़ में मिलकर शाक्य समाज की मुख्य मांगे रखी` रमेश शाक्य ने बताया कि शाक्य समाज पिछड़ा हुआ है इसलिए उन्होंने जिला फतेहाबाद के लिए कई प्रकार की समाजहित की मांगे रखी ! इसके अलावा हरियाणा स्तर के लिए भी शाक्य समाज को उनके हको के लिए लिखा ! रमेश शाक्य ने कहा कि नायब सैनी एक मिलसार मुख्यमंत्री है और सब की पूरे ध्यान ओर अच्छे से बात सुनते है और मांगो को पूरा करवाते है ! रमेश शाक्य ने बताया कि बहुत जल्द शाक्य समाज का प्रतिनिधित्व मुख्यमंत्री से मुलाकात करेगा ताकि समाज की मांगो को मुख्यमत्री के समक्ष रखा जा सके ! इस मौके पर अन्य समाज बंधु मौजूद रहे !

व्यक्ति द्वारा अपने दोस्त की हत्या के मामले में न्यायालय ने सुनाया अपना फैसला

- एडीजे प्रथम की अदालत ने सुनाई सज
- वर्ष 2014 में भांवरकोल थाना क्षेत्र का मामला
- आरोपी ने कुल्हाड़ी से मारकर की थी दोस्त की हत्या

रामकेश विश्वकर्मा/उत्तर प्रदेशः अपर सत्र न्यायाधीश प्रथम शक्ति सिंह की अदालत ने आरोपी धनंजय उर्फ करिया को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। साथ ही 30 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया। मामला 7 दिसंबर 2014 का है। शेरपुर कला गांव के कवींद्र नाथ राय ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि गांव के पप्पू चौधरी और धनंजय उर्फ करिया अच्छे दोस्त थे। दोनों साथ रहते और खाते-पीते थे। किसी बात एडीजे प्रथम की अदालत ने सुनाई सजा वर्ष 2014 में भांवरकोल थाना क्षेत्र का मामला

आरोपी ने कुल्हाड़ी से मारकर की थी दोस्त की हत्याको लेकर दोनों में विवाद हो गया। इसी दौरान धनंजय ने कुल्हाड़ी से पप्पू चौधरी पर हमला कर उनकी हत्या कर दी। जब कवींद्र नाथ राय बचाने गए तो आरोपी ने उन पर भी हमला किया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धारा 302, 323 भादवि और 4/25 आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया। जांच के बाद न्यायालय में आरोप पत्र दाखिल किया गया। अभियोजन पक्ष की ओर से 11 गवाहों को पेश किया गया। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद न्यायालय ने धारा 302 में आजीवन कारावास और 25,000..

महाराष्ट्र प्रदेश मंसूरी पिंजारी नदाफ पसमांदा समाज की एक अहम बैठक महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष आरिफ अली मंसूरी के नेतृत्व में पुणे जिले में सफलता पूर्वक हुई

विजय देवेंद्रभाई मकवाना

महाराष्ट्रः इस बैठक में पुणे जिले में मंसूरी पिंजारी नदाफ समाज की एकजुटता और उन्नती के लिए शिक्षा, (तालीम) कारोबार,राजनीतिक हिस्सेदारी जैसे मसलों पर गंभीरता से चर्चा हुई,वहीँ पर पुणे जिला अध्यक्षअनीस पिंजारी ने पूरे साल बिरादरी के भलाई और तरक्की के लिए किए गए कामों के बारे में बताया महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष ने पुणे जिला मंसूरी पिंजारी नदाफ समाज के जानिब से बिरादरी के लिए किए गए कामों की सराहना की। इस बैठक में महाराष्ट्र प्रदेश सह सचिव बशीर सैयद पिंजारी ने भी पुणे जिला जमात के जानिब से किए गए कामों की जमकर तारीफ की वहीँ पर पुणे शहर के सीनियर लीडर सत्तार मंसूरी साहब और पुणे जिला मंसूरी पिंजारी नदाफ समाज के सभी पदाधिकारी और जिम्मेदार साथी मौजूद रहे। वहीँ पर पुणे जिला अध्यक्ष अनीस पिंजारी और सभी जिम्मेदारों ने महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष आरिफ अली मंसूरी का जोरदार स्वागत किया।

उपद्रवियों ने जलन में पेंड को सुखाने के लिए उसकी जड़ों में डाला जहरीला केमिकल

नसीम सादिक उस्मानी

महाराष्ट्रः

सेवा में,

श्रीमान पुलिस अधीक्षक, थेरगाँव पुलिस चौकी, थेरगाँव, पुणे 411033.

विषयः

नफीस शब्बीर उस्मानी का सर्वेक्षण क्रमांक 7/2/1, गहिनीनाथ डेयरी के सामने 7 पेड़ों के तनों के पास कुछ बदमाशों द्वारा एसिड और अन्य रसायन डालकर पेड़ों को नुकसान पहुँचाने के प्रयास के संबंध में।

आवेदकः नदीम सादिक उस्मानी, (मो. क्रमांक 9860205943)

महोदय,

मैं निवेदन करता हूँ कि नफीस शब्बीर उस्मानी पिछले 35 वर्षों से उक्त स्थान पर रह रहे हैं और उक्त संपत्ति में कुल 7 पेड़ लगाए गए थे और 5 वर्ष पूर्व पिंपरी चिंचवड़ नगर निगम के उदयन विभाग द्वारा भी लगाए गए थे। वे उक्त पेड़ों की देखभाल अपने बेटे की तरह करते आ रहे हैं।

नफीस शब्बीर उस्मानी ने दिनांक 06/07/2025 को पेड़ों को हमेशा की तरह पानी देते समय देखा कि कुछ बदमाशों, उपद्रवियों ने बिना किसी कारण के विषय संपत्ति के अंदर और सामने वृक्षों की जड़ों के पास जहरीला एसिड और रसायन डाल दिया था, जिससे वृक्षों को नुकसान पहुंचा, जिससे वे सूख गए और मर गए। इसके लिए जब सीसीटीवी की जाँच की गई, तो पाया गया कि 06/07/2025 को दोपहर 12.55 बजे, 3 बदमाश पेड़ों के तने के पास एक गड्ढा खोद रहे थे और कुछ जहरीला रसायन/एसिड डाल रहे थे। इसके बाद, 11/07/2025 को दोपहर 1.35 बजे, सीसीटीवी की जाँच करने पर नफीस शब्बीर उस्मानी ने देखा कि उपरोक्त घटना फिर से हुई थी।

उक्त संपत्ति और संपत्ति के सामने का पेड़ रहाटाणी फाटा के मुख्य चौक में और कालेवाड़ी पिंपरी के मुख्य मार्ग पर हैं। इस स्थान पर बड़ी संख्या में नागरिक रहते हैं। इस जगह पर बच्चों की संख्या बहुत ज्यादा है। हमने देखा है कि इन लोगों ने यहाँ जहरीला केमिकल फेंका है, लेकिन हम इस बात से इनकार नहीं कर सकते कि इन मासूम पेड़ों/वृक्षों या बच्चों की जान खतरे में पड़ी है।

अतः, समय रहते ऐसे सामाजिक कुकर्मियों और लोगों को पकड़कर उनके विरुद्ध कड़ी आपराधिक कार्रवाई करना जरूरी है, इसलिए हमारे माध्यम से संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध उचित कार्रवाई की जाए, अन्यथा हमें प्रकृति प्रेमी संगठनों के माध्यम से विरोध प्रदर्शन करने के लिए मजबूर होना पड़ेगा।

नसीम सादिक उस्मानी

राज्य अधिकारी (लोक कल्याण)

गला का हिस्ट्रीशीटर आम शांति भंग में गिरफ्तार 12 बोर के 19 कारतूस बरामद

उदय लाल पुष्करणा (जोशी)

राजस्थानः चित्तौड़गढ़ डूंगला पुलिस द्वारा थाना क्षेत्र में आम शांति भंग करने एवं आर्म्स एक्ट में थाना डूंगला के हिस्ट्रीशीटर को गिरफ्तार कर 12 बोर बंदूक के 19 जिंदा कारतूस एवं एक तलवार बरामद की। जिला पुलिस अधीक्षक सुधीर जोशी ने बताया कि एसपी सरीता सिंह के निर्देशन में एवं डीएपी बड़ी सादड़ी देशराज कुलदीप के प्रवेक्षयन में थाना अधिकारी डूंगला अमृतलाल उपनिरीक्षक व टीम द्वारा 7 जुलाई को रात्रि को थाना क्षेत्र के कस्बा डूंगला में भाना खेड़ी जाने वाले रोड स्थित निमार्णाधीन रामेश्वर महादेव मंदिर के क्षतिग्रस्त मामले की घटना के बाद थाना क्षेत्र में धारा 163 की पालना में नाकाबंदी की जा रहे थी। नाकाबंदी के दौरान डूंगला निवासी 48 वर्षीय कालू खान पुत्र दौलत खान को बिना अनुज्ञापत्र के कुल 19 नंग 12 बोर बंदूक के राउंड एवं धारदार नंगी छूरी सहित गिरफ्तार कर हथियार व एम्युनिशन जबरन किया जाकर प्रकरण पंजीबद्ध किया गया। गिरफ्तार आरोपीय न्यायालय में पेश कर पीसी रिमांड प्राप्त किया जाकर प्रकरण अग्रिम अनुसंधान जारी है।

कपड़े पर लिखी गई पवित्र कुरआन शरीफ को भारत की ओर से सऊदी अरब को आधिकारिक भेंट के रूप में देने का प्रस्ताव

मोहम्मद नवाज खान

राजस्थानः अजमेर शरीफ, 12 जुलाई 2025 बेंगलुरु की दो समर्पित बहनों सुरैया कुरैशी और बीबी तबस्सुम ने मिलकर पवित्र कुरआन शरीफ को कपड़े पर सुंदर और सजीव तरीके से लिखा है। यह अनोखा और आध्यात्मिक रूप से विशेष तोहफा हाल ही में अजमेर शरीफ की पाक दरगाह हजरत ख्वाजा मुईनुद्दीन हसन चिश्ती की दरगाह में बड़े आदर और श्रद्धा के साथ पेश किया गया। इस ऐतिहासिक अवसर पर हाजी सैयद सलमान चिश्ती, गद्दीनशीन दरगाह अजमेर शरीफ और चेयरमैन चिश्ती फाउंडेशन, के साथ सैयद जहूर बाबा,सैयद मेहराज चिश्ती,अंजुमन सदस्य सैयद असलम चिश्ती, सैयद दानिश अली चिश्ती, सैयद सरहान चिश्ती, सैयदा समर चिश्ती और समुदाय के कई अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।

छह वर्षों की मेहनत और इबादत से लिखी गई यह पवित्र कुरआन शरीफ पाँच जिल्दों (किताबों) में है, जिसमें कुल 604 पृष्ठ हैं। यह पूरी तरह से खास कपड़े पर सुंदर हस्तलिपि में लिखी गई है। इसे जब अजमेर शरीफ दरगाह में पेश किया गया तो दर्शन करने वालों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी, और लोगों ने दुआएं मांगी और इसे बड़े अदब से देखा। हाजी सैयद सलमान चिश्ती ने इस कार्य से प्रेरित होकर यह बताया की है कि आने वाले समय में यह पवित्र कुरआन शरीफ भारत सरकार की ओर से प्रधानमंत्री कार्यालय (PMO), नई दिल्ली के माध्यम से सऊदी अरब की सरकार को आधिकारिक भेंट के रूप में देने का प्रस्ताव रखा जाएगा। इस पवित्र ग्रंथ को मदीना मुनव्वरा में पवित्र कुरआन म्यूज़ियम (Al-Maktabah al-Qur'aniyyah) में रखा जाने का सुझाव है, जो हजरत पैगम्बर मुहम्मद (स.अ.) की मस्जिद के पास स्थित है।

यह पवित्र कुरान जो भारत की दो नेक बहनों ने बहुत प्रेम और श्रद्धा से तैयार की है, हमारी धरती की आध्यात्मिक विरासत और मक्का, मदीना शरीफ, सऊदी अरेबिया की पाक जमीन से हमारे ऐतिहासिक रिश्तों का प्रतीक है। हमारी दिली ख्वाहिश है कि यह तोहफा भारत की ओर से शांति, सूफी भक्ति और भारत-सऊदी अरब के आत्मिक रिश्तों को मजबूत करने के लिए दिया जाए, हाजी सैयद सलमान चिश्ती ने कहा आने वाले हफ्तों में प्रधानमंत्री कार्यालय और विदेश मंत्रालय के साथ बातचीत शुरू की जाएगी ताकि यह भेंट एक आधिकारिक, गरिमामय और सम्मानजनक तरीके से सऊदी अरब के दो पवित्र मस्जिदों के संरक्षक को पेश की जा सके। यह प्रयास दोनों देशों के बीच आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल होगा। यह पहल भारत की धार्मिक सहिष्णुता, आध्यात्मिक संवाद और पवित्र कुरआन की कलात्मक और आध्यात्मिक सेवा की समृद्ध परंपरा को भी दुनिया के सामने दर्शाती है।

आरोपियों ने प्रशाशन के नाक के नीचे से की बड़ी वारदात, अपराध करके आरोपी हुए फरार

रामकेश विश्वकर्मा

उत्तर प्रदेशः 23 जून को रात संगम राजभर नमक उवक ने प्रेम में बिफल होने के बाद उसने बिनय यादव व उसकी पत्नी कबिता यादव की कुल्हाड़ी से जान लेवा हमला कर दिया। जिसे घटना में प्रयुक्त कुरवाड़ी के साथ निरन्तर किया गया है। इस बात की पुष्टि गोभो भएका सुधाकर पाण्डेय ने की है। इस गार शुक्रवार की सम उन्नोंने बताया कि पटना के वक्त विनय यादव अपनी पानी के साथ सो रहे थे तभी आरोपीने वा कर दिया। किता ने जब बीच बधाव किया से आरोपी ने उसे भी धावत कर दिया भीके से फरार हो गया। को तुरंत जखनिया के एक निजी अगवा में भती भराया गया। ओलीपसिह मौके पर पहुंचकर पहुंचकर जांच जांच शुरू शुरू की की और तहरीर के आधार पर अत आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया पुलिस जांच में भने पता हुआ। सुधाकर पाण्डेय पुलिस उपाधीक्षक ढापुर राजभर, दुलपुर क्षेत्र के गांव का निवास है, इस्ड के जरिए कतिय दिया कि उसने जानते हमला कर डाला। तुलाई को नियागांव में प्राथ स्थान के पास स्थित स्थित एक एकरार से डिकेनुमा मंदिर के स में बाबा कर ली गई में बत ट्रेन से शिल्ली भागने की फिराक में था। फिलहाल पुलिस ने संगम राजधा को गिरफ्ता भर भारतीय दंड संहिता की धारा 115(2) 118(1), 109(1), 333 के तहत जेल भेज दिया है।

सड़क दुर्घटना में स्कूल बस व टूरिस्ट बस में हुई भिड़ंत, एक छात्र की मौत, चालक सहित चार अन्य घायल

राजेश शर्मा

राजस्थानः राष्ट्रीय राजमार्ग 48 पर संजय नगर रोड़ विजयनगर पर सुबह संजीवनी विद्यालय की बस करीब 35 छात्र छात्राओं को बागथला, सांगरिया, अरवड़ तथा बीच रास्ते से बच्चों को लेते हुए जा रही थी जो हाईवे पर ट्रेवल एजेंसी की बस से टकरा जाने से 5 छात्र-छात्राओं सहित स्कूल बस चालक घायल हो गया। मौके पर भीड़ जमा हो गई। सभी घायलों को पुलिस व ग्रामीणों की मदद से राजकीय उपजिला चिकित्सालय विजयनगर पहुंचाया। घायलों में एक छात्र माधवराज सिंह को बिजयनगर अस्पताल में डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर चिकित्सक परीक्षण के बाद एक छात्र को मृत घोषित किया। वहीं अन्य घायलों का उपचार जारी है। मिली जानकारी के अनुसार मृतक अपने रिश्ते दार के यहां अध्ययन करने हेतु बागथला आकर संजीवनी विद्यालय में प्रवेश लिया था। मृतक मंदसौर जिले के पकंलवाड ग्राम

लामगरा हाल बागथला निवासी 14 वर्षीय माधवराज सिंह था। इसके अलावा घायलों में अरवड़ नाड़ी की आयशा (13), कायमपुरा के आमरीन (18), पुरानी अरवड़ लक्की पाराशर (17), चालक बागथला निवासी समरथ सिंह का उपजिला चिकित्सालय में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ अरविन्द उदय की देखरेख में उपचार जारी है। बताया जा रहा है कि मृतक चालक का रिश्तेदार था। विधालय में अध्ययन हेतु हाल ही में उसे मध्यप्रदेश से बागथला लेकर आए थे। विजयनगर ब्यावर रोड स्थित संजीवनी सीनियर हायर सेकंडरी स्कूल की बस प्रतिदिन बागथला ग्राम से सांगरिया होते हुए अन्य गांवों से छात्र छात्राओं को अध्ययन हेतु संजयनगर होकर विधालय पहुंचती है।

बस में बैठे अन्य सभी बच्चे दुर्घटना के बाद डर से सहम गए। वहीं मृतक के रिश्तेदारों का राजकीय उप जिला चिकित्सालय में रो रो कर बुरा हाल था। घटनाक्रम की जानकारी मिलते ही भाजपा मंडल अध्यक्ष अमित मोदी, पालिका पार्षद महेश जैन, थाना पुलिस सहित अन्य लोगों की भारी भीड़ जुटी रही। विजयनगर के समीप संजयनगर रोड़ पर हुई दुर्घटना के बाद ग्रामीणों का जमावड़ा लग गया। बरल- 2 (सेकंड) के ग्रामीणों ने ओवरब्रिज की मांग करने लगे।

स्पेशल अभियान चलाकर लापरवाही से गलत लेन में वाहन चलाने पर हांसी पुलिस ने की 7 एफआईआर दर्ज

राम मूरत यादव

हरियाणाः पुलिस अधीक्षक हांसी अमित यशवर्ध भा.पु.से. के दिशा-निदेर्शानुसार सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करने व हादसो से बचाने हेतु लेन चेंज ड्राईविंग के नियमों की उल्लघंन करने वाले 7 वाहन चालको के खिलाफ राष्ट्रीय राजमार्ग-9 सुसंगत धाराओं में अभियोग अंकित किए गए। पुलिस अधीक्षक महोदय ने कहा है कि सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली जान व माल की हानि को रोकने के उद्देश्य से लेन ड्राइविंग व गलत दिशा में ड्राइविंग करने वाले 7 वाहन चालकों के खिलाफ हांसी पुलिस द्वारा कानुनी कार्रवाई की गई।

अभियान के दौरान हांसी पुलिस ने लेन ड्राइविंग के नियमों की अवहेलना कर लापरवाही से गलत लेन में वाहन चलाने के मामलो में 7 वाहन चालकों के खिलाफ सुसंगत धाराओं में अभियोग अंकित किए गए है। उन्होंने बताया कि पुलिस टीमों ने लापरवाही से गलत लेन में वाहन चला आमजन की जान को खतरे में डालने, लोक मार्ग में बाधा उत्पन करने के बारे में 7 बड़े चालको के खिलाफ थाना बास,थाना सदर हांसी और थाना शहर हांसी में सुसंगत धाराओं में अभियोग अंकित किए गए है। पुलिस अधीक्षक हांसी अमित यशवर्धन ने कहा है कि पुलिस जिला द्वारा समय समय पर सड़क सुरक्षा व सुरक्षित सफर के लिए लेन ड्राइविंग से संबंधित विशेष जागरूकता अभियान चला आमजन को जागरूक किया जाता है।

लेन ड्राइविंग के दौरान धीमी गति से चलने वाले भारी वाहन जैसे ट्रक, बस आदि को बाई लेन में रखना चाहिए। तेज गति से चलने वाले वाहनों को दाई लेन में रखना चाहिए। जब भी वाहन चालक लेन बदले तो हमेशा टर्न इंडिकेटर का इस्तेमाल करे। उन्होंने बताया कि सभी वाहन चालक लेन ड्राइविंग और ट्रैफिक नियमो का पालन करे। भविष्य में भी पुलिस द्वारा भारी वाहनों के संबंध में लेन ड्राइविंग तथा गलत दिशा में ड्राइविंग करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ अभियोग अंकित कर नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जायेगी।

आकाशवाणी केंद्र में हुआ पौधारोपण कार्यक्रम का हुआ आयोजन

मनोज कुमार चोरडिया

राजस्थानः आज बासनी रोड़ स्थित आकाशवाणी नागौर के परिसर में सघन वृक्षारोपण का कार्यक्रम आयोजित किया गया। केन्द्र के कार्यक्रम प्रमुख एवं केन्द्र प्रभारी अशोक कुमार गोयल के नेतृत्व में केन्द्र के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने केन्द्र परिसर में रातरानी, दिन का राजा, बेगनबोलिया, मोगरा, चमेली, हारश्रृंगार, नीम, जामुन, आम, चीकू, शहतूत, केला आदि विभिन्न छायादार एवं फलदार पौधे लगाकर उनकी देखभाल करने एवं हरियालो राजस्थान अभियान को सफल बनाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर संजय दत्त, सीमा गोस्वामी, रामसिंह, ओमप्रकाश भींवाराम पूनिया, शिवरतन, शशिकांत, रेहान खान आदि कर्मचारी उपस्थित थे।

विधायक अनिल यादव का धन्यवादी दौरा व जनसुनवाई कार्यक्रम

सोनीश राय साहिल

हरियाणाः विधायक अनिल यादव 11 जुलाई शुक्रवार को सुबह 8:30 बजे श्याम नगर स्थित बंगला में जन शिकायतों की सुनवाई करेंगे और लोगों का चुनाव में समर्थन देने के लिए आभार व्यक्त करेंगें।

प्राप्त जानकारी के अनुसार विधायक अनिल यादव सुबह 8 बजकर 30 मिनट पर श्याम नगर, साढ़े 9 बजे सहादत नगर बाबा दुल्ला मंदिर में जन शिकायतों की सुनवाई करेंगें। सुबह 10 बजकर 15 मिनट पर कोसली रेलवे स्टेशन के नजदीक फ्लाईओवर के चल रहे कार्य का निरीक्षण करेंगें। तदोपरांत 10 बजकर 45 मिनट पर गांव लुखी के आर्य समाज मंदिर दोपहर 11:30 बजे गांव गुजरवास तथा 12 से 2 बजे तक कोसली कार्यालय में जन शिकायतों की सुनवाई करेंगें। इस दौरान विधायक विकास परियोजनाओं का उद्घाटन भी करेंगें।

गाजीपुर में पुलिस अधीक्षक डॉ. ईरज राजा की अध्यक्षता में सैनिक सम्मेलन का आयोजन किया गया

रामकेश विश्वकर्मा

उत्तर प्रदेशः सम्मेलन में एसपी ने पुलिसकर्मियों और प्रशिक्षणरत नवचयनित आरक्षियों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और उनके त्वरित समाधान हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया। सम्मेलन के पश्चात अपराध समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें सभी सर्किल अधिकारियों एवं थाना प्रभारियों/थानाध्यक्षों की उपस्थिति रही। बैठक के दौरान पुलिस अधीक्षक ने थाना क्षेत्रों में घटित हो रहे विभिन्न अपराधों की प्रकृति, अपराधियों की गतिविधियों तथा महिला संबंधी अपराध, टॉप-10 अपराधी, गुंडा, माफिया एवं अन्य असामाजिक तत्वों की स्थिति की गहन समीक्षा की।

सख्त कार्रवाई के निर्देशः एसपी डॉ. राजा ने सभी को स्पष्ट रूप से निर्देशित किया कि महिला अपराधों और संगठित अपराधों पर कठोर कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि कैमरों की संख्या बढ़ाई जाए, उन्हें कंट्रोल रूम से लिंक किया जाए तथा सुरक्षा और साक्ष्य संकलन को प्रभावी बनाया जाए। पुलिस व्यवस्था सुदृढ़ बनाने पर जोरः पुलिस बीट प्रणाली के सुदृढ़ीकरण जनसुनवाई प्रार्थना पत्रों, आईजीआरएस, ऑपरेशन दृष्टि/त्रिनेत्र जैसी योजनाओं की विस्तृत समीक्षा कंट्रोल रूम की स्थापना अपराधियों के विरुद्ध अभियान को तेज करने जैसे महत्वपूर्ण निर्देश दिए गए। इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक नगर, अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण, समस्त सर्किल के क्षेत्राधिकारी, थाना प्रभारी व अन्य पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। एसपी डॉ. ईरज राजा ने कहा कि पुलिस की प्राथमिकता जनसुरक्षा, कानून व्यवस्था की मजबूती और अपराधों पर पूर्ण नियंत्रण है। उन्होंने सभी अधिकारियों से अपेक्षा जताई कि वे जनहित में पारदर्शी और संवेदनशील पुलिसिंग को धरातल पर उतारने में कोई कसर न छोड़ें।

एक नजर

जमुना राजभर के घर में देर रात लगी आग, आग से मची अफरा तफरी

रामकेश विश्वकर्मा/उत्तर प्रदेशः जनपद गाजीपुर के जलालाबाद दुल्लहपुर थाना क्षेत्र के हरदासपुर खुर्द गांव में बीती रात उस समय अफरा-तफरी मच गई जब जमुना राजभर के कच्चे मकान में अचानक आग भड़क उठी। यह हादसा रात करीब 11 बजे हुआ। आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका है, लेकिन समय रहते परिवार के लोगों की नींद खुल जाने से बड़ी जनहानि टल गई। धुएं का गुबार उठते ही जमुना राजभर, उनकी पत्नी और परिवार के अन्य सदस्य जागे और शोर मचाते हुए घर से बाहर भागे। उनकी आवाज सुनकर अगल-बगल के ग्रामीण भी मौके पर पहुंच गए। सभी ने मिलकर बाल्टी से पानी डालकर किसी तरह आग पर काबू पाया। हालांकि तब तक जमुना राजभर का कड़ा परिश्रम से संजोया गया गृहस्थी का सामान, लगभग 5000 रुपये नकद और एक साइकिल जलकर राख हो चुकी थी। घटना की सूचना पर तत्काल ग्राम प्रधान प्रतिनिधि श्यामपत राजभर और क्षेत्रीय लेखपाल मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। श्यामपत राजभर ने पीड़ित परिवार को हर संभव मदद का भरोसा दिलाया और शासन स्तर से सहायता दिलवाने की बात कही। उन्होंने बताया कि जमुना राजभर मेहनत-मजदूरी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करते हैं। यह आग उनके लिए भारी क्षति लेकर आई है। गनीमत रही कि परिवार के लोग समय रहते जाग गए, जिससे एक बड़ी जानमाल की त्रासदी टल गई। गांववासियों की तत्परता और हिम्मत की बदौलत आग विकराल रूप नहीं ले सकी।

तालाब रोड पर मोटरसाइकिलो से शिक्षा विभाग परेशान

अजय सिंह तोमर/मध्य प्रदेशः तालाब रोड पर तीन बैंक के विद्दमान हैं लोग अक्सर बैंक में आते हैं अपने बाहनो को भी सड़क पर खड़ा कर देते हैं जिससे शिक्षा विभाग को तथा दुकानदारों को बेहद परेशानी का सामना करना पड़ता है इस घोषित अतिक्रमण की शिकायत नगर पालिका पोरसा तथा पुलिस थाना पोरसा में की जा चुकी है इस पर कोई अमली जामा नहीं पहनाया गया`

तालाब रोड पर भारतीय स्टेट बैंक जिला सहकारी बैंक तथा पंजाब नेशनल बैंक एवं बीआरसी कार्यालय बीईओ कार्यालय स्थित है बैंकों के उपभोक्ता अपने साथ वाहनों को लेकर आते हैं जिससे दुकानदारों को तथा अन्य विभागों के ऑफिस को बेहद परेशानी का सामना करना पड़ता है बीआरसी शैलेंद्र सिंह तोमर व बीईओ नरेंद्र सिंह तोमर के द्वारा इस समस्या की लिखित शिकायत पुलिस थाना पोरसा तथा नगर पालिका पोरसा को की जा चुकी है मगर अभी तक इस पर कोई अमली जामा नहीं पहनाया गया है इससे पूर्व दुकानदारों ने भी इस समस्या के लिए आवेदन दिए थे किसी भी बैंक के पास पार्किंग की व्यवस्था नहीं है` आए दिन बैंक मे आने वाले लोग अपने वाहन ्रिङ्ग ु१ ङ्घ्री के गेट के सामने रख देते हैं ऐसी स्थिति मे ऑफिस आने जाने वाले कर्मचारियों को दिक्कत होती है कई बार इस कारण से झगड़े भी हो जाते हैं बीआरसीसी शैलेन्द्र सिंह तोमर एवं बीईओ नरेन्द्र सिंह तोमर ने इसकी लिखित शिकायत थाने मे भी कर दी है

डीसीपी द्वारा दिए गए जलभराव की समस्या को दूर करने के निर्देश

सोनीश राय साहिल/हरियाणाः लघु सचिवालय परिसर में आज डीएसपी विद्यानंद की अध्यक्षता में समाधान शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें विभिन्न विभागों से आए अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे। शिविर के दौरान गांव कोसली निवासी दुलीचंद ने बताया कि कोसली के राजकीय विद्यालय में सीवरेज लाइन टूटने की वजह से स्कूल के मैदान में दूषित पानी भर गया है। जिससे बच्चों में बीमारियां फैलने का खतरा बना हुआ है।

इसलिए इस पानी की निकासी करवाई जाए तथा सीवरेज लाइन को नए सिरे से लगाया जाए। इसी तरह मठ मंदिर के सामने सीवर ओवरफ्लो की समस्या बनी हुई है। डीएसपी विद्यानंद ने जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के अधिकारी को दोनों समस्याओं का निवारण किए जाने के निर्देश दिए। इस अवसर पर बीडीपीओ अनिल यादव, उप अधीक्षक राजेश कुमार, बिजली विभाग के जेई मंदीप, जनस्वास्थ्य विभाग से जेई स्वतंत्र कुमार, फूड सप्लाई से इंस्पेक्टर विनोद कुमार, दलसिंह आर्य, कृषि अधिकारी संजीत इत्यादि मौजूद रहे।

अम्बाह ग्राम पंचाय चांद का पुरा मैं ग्राम सभा की बैठक हुई संपन्न

अजय सिंह तोमर/मध्य प्रदेशः 11.7.2025 को सामाजिक अंकेक्षण की विशेष ग्राम सभा का आयोजन ग्राम पंचायत चांद का पुरा अम्बाह में किया गया जिसकी अध्यक्षता वासुदेव शर्मा ने की जिसमें बीएसए दल के द्वारा वित्तीय वर्ष 2024 - 25 में कर गए निर्माण कार्यों की रिपोर्ट प्रस्तुत की गई एवं आयुष्मान कार्ड के द्वारा जिन मरीज ने इलाज कराया उनका भी भौतिक सत्यापन बीएसए राघवेंद्र सिंह तोमर एवं भोलाराम सिंह तोमर के द्वारा किया गया विशेष ग्राम सभा में ग्राम पंचायत सरपंच मुन्नी देवी राठौर सचिव मनोज कुमार गहलोत सहायक सचिव सुरेंद्र सिंह नोडल श्री चंद माहौर एवं करवाई लेखन रामकरण राठौर उपस्थित रहे।

ग्राम सभा में ग्रामीणों ने नल जन योजना के संबंध में बताया की ग्राम पंचायत की नल जल योजना की पाइपलाइन टूटी फटी पड़ी है जिसमें ग्रामीणजनो गंदा पानी पीने के लिए मजबूर हैं ग्राम पंचायत के सरपंच द्वारा बताया गया हमने कई बार आवेदन जिला कलेक्टर एवं संबंधित पीएचसी विभाग को आवेदन दिया लेकिन आज तक कोई कार्रवाई नहीं हुई ग्राम सभा की बैठक में उपस्थित वासुदेव शर्मा मुन्ना सिंह तोमर जगदीश शर्मा रामवीर शर्मा सरोमन सखवार एवं ग्रामीण जन उपस्थित रहे।

संपादकीय

सत्ता की खातिर हिंदी विरोध की राजनीति

देश में गरीबी, भुखमरी, रोजगार और बुनियादी सुविधाएं तथा चहुंमुखी विकास जैसे मुद्दों पर राजनीति करने के बजाय धर्म, जाति, संप्रदाय और भाषा के आधार पर सत्ता पाने के सस्ते प्रयासों को देश के मतदाताओं ने कई बार नकार दिया है। चूंकि देशहित और विकास से जुड़े मुद्दों पर राजनीति करने के लिए समझ और योजना चाहिए, इसके विपरीत भावनात्मक मुद्दे को कुरेद कर समाज को बांटने में जोर नहीं पड़ता, इसलिए नेताओं का प्रयास यही रहता है कि सत्ता की खातिर ऐसे मुद्दों को भुनाया जाए। महाराष्ट्र में हिंदी को मुद्दा बना कर ऐसे ही प्रयास किए गए हैं। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अंग्रेजी को पूरे अमरीका में अनिवार्य किया है। इस आदेश में कहा गया कि राष्ट्रीय स्तर पर निर्दिष्ट भाषा एकीकृत और सामंजस्यपूर्ण समाज का मूल है। इससे संयुक्त राज्य अमरीका ऐसे नागरिकों से मजबूत होता है जो एक साझा भाषा में विचारों का स्वतंत्र रूप से आदान-प्रदान कर सकते हैं। इसके विपरीत हिंदी को लेकर महाराष्ट्र में शिवसेना के दोनों गुट राजनीति चमकाने में जुटे हुए हैं। इसके लिए उन्हें हिंसा से भी परहेज नहीं है। केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार का प्रयास है कि अमरीका में अंग्रेजी की तरह भारत में भी एक ऐसी भाषा होनी चाहिए, जिसे देश की एक सर्वमान्य भाषा बनाया जा सके। इसी प्रयास के तहत मौजूदा शिक्षा प्रणाली में हिंदी को अनिवार्य किया गया है।

महाराष्ट्र में भाजपा से सत्ता हासिल करने के लिए शिव सेना के दोनों गुटों ने हिंदी विरोध को हथियार बना लिया है। महाराष्ट्र में ठाकरे बंधुओं यानी उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे का लगभग 20 साल बाद ऐतिहासिक पुनर्मिलन हुआ। उद्धव और राज ठाकरे, जो 2005 में मालवन विधानसभा उपचुनाव के बाद से एक साथ मंच पर नहीं दिखे, उन्होंने मराठी भाषा और अस्मिता के लिए एकजुट होकर भाजपा नीत महायुति सरकार पर जमकर निशाना साधा। उद्धव ठाकरे ने कहा कि हम एक साथ आए हैं और अब एक साथ रहेंगे। राज ठाकरे ने सरकार पर मुंबई को महाराष्ट्र से अलग करने की कोशिश का भी आरोप लगाया और मराठी अस्मिता को कमजोर करने की साजिश का भी जिक्र किया तथा यह तक कह दिया कि यदि कोई मराठी का विरोध करे तो कान के नीचे बजा दो। यानी थप्पड़ वाली राजनीति महाराष्ट्र में एक बार फिर से जोर पकड़ सकती है। यह रैली मूल रूप से 16 अप्रैल 2025 को जारी सरकारी आदेश (जीआर) के खिलाफ विरोध के रूप में प्रस्तावित थी, जिसमें हिंदी को कक्षा 1 से 5 तक अनिवार्य तीसरी भाषा बनाया गया था।

टैरिफ युद्ध अमेरिका पर ही भारी पड़ सकता है

> पूर्व में अमेरिका द्वारा चीन से आयात होने वाले उत्पादों पर भारी भरकम टैरिफ की घोषणा की गई थी। चीन ने भी अमेरिका से होने वाली आयातित वस्तुओं पर लगभग उसी दर पर टैरिफ लागू करने की घोषणा कर दी थी। साथ ही, चीन ने विभिन्न देशों को दुर्लभ खनिज पदार्थों (रेयर अर्थ मिनरल) के निर्यात पर रोक लगा दी थी। अमेरिका में चीन के इस निर्णय का बहुत गहरा प्रभाव पड़ा था। जिसके दबाव में अमेरिका ने चीन के साथ व्यापार समझौता करते हुए चीन से आयात होने वाली विभिन्न वस्तुओं पर टैरिफ की दरों को तुरंत कम कर दिया।

-प्रहलाद सबनानी-

अमेरिका में श्री डानल्ड ट्रम्प के दूसरी बार राष्ट्रपति बनने के साथ ही दुनिया के लगभग समस्त देशों के साथ ट्रम्प प्रशासन द्वारा टैरिफ युद्ध की घोषणा कर दी गई है। अमेरिका में विभिन्न देशों से होने वाले आयात पर भारी भरकम टैरिफ लगाकर एवं टैरिफ की दरों में बार बार परिवर्तन कर तथा इन टैरिफ की दरों को लागू करने की तिथि में परिवर्तन कर ट्रम्प प्रशासन टैरिफ युद्ध को किस दिशा में ले जाना चाह रहा है, इस सम्बंध में अब स्पष्टता का पूर्णतः अभाव दिखाई देने लगा है। अब तो विभिन्न देशों को ऐसा आभास होने लगा है कि अमेरिकी प्रशासन विभिन्न देशों पर टैरिफ की दरों के माध्यम से अपना दबाव बनाने का प्रयास कर रहा है ताकि ये देश अमेरिका के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौते को अमेरिकी शर्तों पर शीघ्रता के साथ सम्पन्न करें।

श्री ट्रम्प द्वारा कई बार यह घोषणा की गई है कि भारत के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौता शीघ्र ही सम्पन्न किया जा रहा है। अमेरिका एवं भारत के बीच द्विपक्षीय व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के उद्देश्य से भारतीय प्रतिनिधि मंडल अमेरिका में गया था तथा निर्धारित समय सीमा से अधिक समय तक वहां रहा एवं ऐसा कहा जा रहा है कि द्विपक्षीय समझौते के अंतिम रूप को अमेरिकी राष्ट्रपति के समक्ष प्रस्तुत किया जा चुका है परंतु अभी तक अमेरिका द्वारा अमेरिका एवं भारत के बीच द्विपक्षीय व्यापार समझौते की घोषणा नहीं की जा रही है। हालांकि, इस बीच अमेरिका द्वारा कई देशों के विरुद्ध टैरिफ की दरों को बढ़ा दिया गया है। विशेष रूप से जापान एवं दक्षिणी कोरिया से अमेरिका को आयात होने वाली वस्तुओं पर 1 अगस्त 2025 से 25 प्रतिशत की दर से टैरिफ लगाया जाएगा। इसी प्रकार, 12 अन्य देशों से अमेरिका में होने वाले आयात पर भी टैरिफ की बढ़ी हुई नई दरें लागू किये जाने का प्रस्ताव किया गया है। इस सम्बंध में अमेरिकी राष्ट्रपति ने इन 14 देशों के राष्ट्राध्यक्षों को पत्र भी लिखा है। इस सूची में भारत का नाम शामिल नहीं है।

पूर्व में अमेरिका द्वारा चीन से आयात होने वाले उत्पादों पर भारी भरकम टैरिफ की घोषणा की गई थी। चीन ने भी अमेरिका से होने वाली आयातित वस्तुओं पर लगभग उसी दर पर टैरिफ लागू करने की घोषणा कर दी थी। साथ ही, चीन ने विभिन्न देशों को दुर्लभ खनिज पदार्थों (रेयर अर्थ मिनरल) के निर्यात पर रोक लगा दी थी। अमेरिका में चीन के इस निर्णय का बहुत गहरा प्रभाव पड़ा था। जिसके दबाव में अमेरिका ने चीन के साथ व्यापार समझौता करते हुए चीन से आयात होने वाली विभिन्न वस्तुओं पर टैरिफ की दरों को तुरंत कम कर दिया। अमेरिका द्वारा इसी प्रकार का एक द्विपक्षीय व्यापार समझौता ब्रिटेन के साथ भी सम्पन्न किया जा चुका है। पूर्व में, ट्रम्प प्रशासन ने 90 दिवस की अवधि में 90 देशों के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौते करने की बात कही थी तथा 90 दिवस की समयावधि 9 जुलाई को समाप्त होने के पश्चात भी केवल दो देशों ब्रिटेन एवं चीन के साथ ही द्विपक्षीय व्यापार समझौता सम्पन्न हो सका है। भारत के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौते को अंतिम रूप दिया जा चुका है परंतु इसकी अभी तक घोषणा नहीं की गई है। द्विपक्षीय समझौते के लिए शेष देशों पर दबाव बनाने की दृष्टि से ही इन देशों से अमेरिका को होने वाले आयात पर टैरिफ की दरों को एक बार पुनः बढ़ाये जाने का प्रस्ताव है और इन बढ़ी हुई दरों को 1 अगस्त 2025 से लागू करने की योजना बनाई गई है।

वैश्विक स्तर पर अमेरिका द्वारा छेड़े गए इस टैरिफ युद्ध से निपटने के लिए भारत एक विशेष रणनीति के अंतर्गत कार्य करता हुआ दिखाई दे रहा है। भारत ने वैश्विक मंच पर न तो अमेरिका के टैरिफ की दरों में वृद्धि सम्बंधी निर्णयों की आलोचना की है और न ही भारत में अमेरिका से आयातित वस्तुओं पर टैरिफ बढ़ाने की धमकी दी है। बल्कि, भारत ने तो अमेरिका से आयात होने वाली कुछ विशेष वस्तुओं पर टैरिफ को कम कर दिया है। दरअसल, भारत इस समय विकास के उस चक्र में पहुंच गया है जहां पर भारत को अपना पूरा ध्यान आर्थिक क्षेत्र को आगे बढ़ाने पर केंद्रित करने की आवश्यकता है। भारत को यदि वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्रों की श्रेणी में शामिल करना है तो आगे आने वाले लगभग 20 वर्षों तक लगातार लगभग 8 प्रतिशत की आर्थिक विकास दर को बनाए रखना अति आवश्यक है। इसलिए भारत एक विशेष रणनीति के अंतर्गत अपने आर्थिक विकास पर अपना ध्यान केंद्रित करता हुआ दिखाई दे रहा है। भारत के रूस के साथ भी अच्छे सम्बंध हैं तो अमेरिका से भी अपने सम्बन्धों को सामान्य बनाए रखने के लिए प्रयत्नशील है। भारत के इजराईल के साथ भी अच्छे सम्बंध हैं तो ईरान के साथ भी भारत के व्यापारिक सम्बंध हैं। रूस एवं यूक्रेन युद्ध के बीच भी भारत ने दोनों देशों के साथ अपना संतुलित व्यवहार बनाए रखा है। इसी कड़ी में, चीन के साथ भी आवश्यकता अनुसार बातचीत का दौर जारी रखा जा रहा है, बावजूद इसके कि कई बार अंतरराष्ट्रीय मंचों पर चीन अप्रत्यक्ष रूप से भारत के विरुद्ध कार्य करता हुआ दिखाई देता है।

अभी हाल ही में चीन ने भारत को दुर्लभ खनिज पदार्थों (रेयर अर्थ मिनरल) की आपूर्ति पूर्णतः रोक दी है। साथ ही, मानसून का मौसम भारत में प्रारम्भ हो चुका है एवं भारत में कृषि क्षेत्र में गतिविधियां अपने चरम स्तर पर पहुंच गई हैं, ऐसे अत्यंत महत्वपूर्ण समय पर चीन द्वारा भारत को उर्वरकों की आपूर्ति पर परेशनियां खड़ी की जा रही हैं। चीन द्वारा समय समय पर भारत के लिए खड़ी की जा रही विभिन्न समस्याओं के हल हेतु भारत ने विश्व के पूर्वी देशों एवं विश्व के दक्षिणी भाग में स्थित देशों की ओर रूख किया है। अभी हाल ही में भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने घाना, नामीबिया, अर्जेंटीना, ब्राजील, त्रिनिदाद एवं टोबैगो जैसे देशों की यात्रा इस उद्देश्य से सम्पन्न की है ताकि दुर्लभ खनिज पदार्थों की आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके। इन देशों में दुर्लभ खनिज पदार्थ पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है।

भारत में 140 करोड़ नागरिकों का विशाल बाजार उपलब्ध है, जिसे अमेरिका एवं चीन सहित विश्व का कोई भी देश नजर अन्दाज नहीं कर सकता है। यदि अमेरिका एवं चीन भारत के साथ अपने सम्बन्धों को किसी भी कारण से बिगाड़ने का प्रयास करते हैं तो लम्बी अवधि में इसका नुक्सान इन्हीं देशों को अधिक होने जा रहा है है क्योंकि ऐसी स्थिति में वे भारत के विशाल बाजार से वंचित हो जाने वाले हैं। भारत तो वैसे भी पिछले लम्बे समय से आत्मनिर्भर होने का लगातार प्रयास कर रहा है एवं कई क्षेत्रों में भारत आज आत्मनिर्भर बन भी गया है। अतः भारत की निर्भरता अन्य देशों पर अब कम ही होती जा रही है। भारत आज फार्मा, ऑटो, कृषि, इंजीनीयरिंग, टेक्नॉलोजी, स्पेस तकनीकी, सूचना प्रौद्योगिकी, आदि क्षेत्रों में बहुत आगे निकल चुका है। आज भारत विकास के उस पड़ाव पर पहुंच चुका है, जिसकी अनदेखी विश्व का कोई भी देश नहीं कर सकता है। भारत को हाल ही में अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह में कच्चे तेल के अपार भंडार होने का भी पता लगा है। एक अनुमान के अनुसार, यह भंडार इतने विशाल हैं कि आगामी 70 वर्षों तक भारत को कच्चे तेल की आपूर्ति होती रहेगी। इसी प्रकार, भारत में कर्नाटक स्थित कोलार स्वर्ण खदानों में भी एक बार पुनः खुदाई का कार्य प्रारम्भ

मतदाता सूची में सुधार पर सुप्रीम सहमति सराहनीय

-ललित गर्ग-

बिहार में मतदाता सूची सुधार पर सुप्रीम कोर्ट की हरी झंडी सिर्फ एक न्यायिक फैसला नहीं, बल्कि लोकतंत्र के मूल्य को पुष्ट करने वाला ऐतिहासिक एवं प्रासंगिक निर्णय है। सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग को बिहार में मतदाता सूची की समीक्षा के लिए आधार, राशन और वोटर कार्ड को भी मान्यता देने का सुझाव देकर आम लोगों की मुश्किल हल करने की कोशिश की है। इससे प्रक्रिया आसान होगी और आशंकाओं को कम करने में मदद मिलेगी। बेशक, फर्जी नाम मतदाता सूची में नहीं होने चाहिए लेकिन ऐसे अभियानों के दौरान आयोग का जोर ज्यादा से ज्यादा नाम वोटर लिस्ट से निकालने के बजाय, इस पर होना चाहिए कि एक भी नागरिक चुनावी प्रक्रिया में शामिल होने से वंचित न रह जाए। विपक्ष को चाहिए कि वह इस फैसले को राजनीतिक हार न माने, बल्कि इसे एक अवसर माने, जनविश्वास अर्जित करने का, लोकतंत्र में आस्था बढ़ाने का और सबसे जरूरी, राष्ट्रहित को राजनीति से ऊपर रखने का। मतदाता सूची में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का कार्य केवल बिहार ही नहीं, देश के अन्य राज्यों में प्राथमिकता के आधार पर प्रारंभ करना चाहिए।

भारतीय लोकतंत्र में सुप्रीम कोर्ट का निर्णय सर्वोपरि होता है। चुनाव आयोग यदि चुनाव कराने को तैयार है, और इसकी जुड़ी किन्हीं प्रक्रियाओं में कोई त्रुटि या खामी है तो उसका सुधार करना संविधान सम्मत है, तो फिर इस पर प्रश्नचिन्ह लगाने का अधिकार किसी भी राजनीतिक दल को नहीं होना चाहिए। लेकिन जो प्रश्न जनता के मानस को उद्वेलित करता है, वह यह है कि विपक्ष बार-बार चुनावी प्रक्रियाओं, राष्ट्रीय हितों या सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर भी एकमत होकर विरोध करता है, आखिर क्यों? बिहार में एसआईआर को लेकर जो याचिकाएं और बहसें सामने आईं, उनमें एक प्रमुख तर्क यह था कि समय उपयुक्त नहीं है, सरकार अस्थिर है, या सामाजिक समीकरण तैयार नहीं हैं। लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि जनता को प्रतिनिधित्व देने का अधिकार सर्वोपरि है। लेकिन त्रुटिपूर्ण या फर्जी मतदाता सूची से चुनाव कराना भी लोकतंत्र का अपमान है। अदालत ने यह भी संकेत दिया कि देर-सवेर नहीं, संवैधानिक कर्तव्य को समय पर निभाना जरूरी है।

अदालत ने एसआईआर पर कोई आदेश नहीं दिया है, लेकिन अपने इरादे की ओर इशारा तो कर ही दिया है। अदालत ने टाइमिंग को लेकर जो सवाल उठाया, वह उचित प्रतीत होता है। बिहार में इसी साल के आखिर तक विधानसभा चुनाव होने हैं। ऐसे में इतनी विस्तृत कवायद के लिए शायद उतना वक्त न मिल पाए, जितना मिलना चाहिए। बिहार में एसआईआर को लेकर जो असमंजस है, उसकी एक वजह निश्चित ही टाइमिंग है। जिनके पास जरूरी डॉक्युमेंट नहीं हैं, वे इतनी जल्दी उनका इंतजाम नहीं कर पाएंगे। हालांकि आयोग ने भरोसा दिलाया है कि किसी भी व्यक्ति को भी अपनी बात रखने का मौका दिए बिना मतदाता सूची से बाहर नहीं किया जाएगा। वैसे बिहार में चुनाव को देखते हुए ही फर्जी मतदाताओं की संख्या बढ़ी या तथाकथित राजनीतिक दलों ने इन फर्जी मतदाताओं को बढ़ाया है। ऐसे में इन फर्जी मतदाताओं पर कार्रवाई अपेक्षित है। यह मामला केवल बिहार तक सीमित नहीं रहना चाहिए। दूसरे राज्यों में मतदाता सूचियों की समीक्षा किस तरह होगी, यह बिहार में अपनाई जाने वाली प्रक्रिया पर निर्भर करेगा। ऐसे में स्वाभाविक ही नजरें इस बात पर टिकी हैं कि सुप्रीम कोर्ट में आखिरकार इस प्रक्रिया का कैसा स्वरूप तय होता है?

भारतीय राजनीति में विपक्ष का कार्य सरकार की नीतियों पर निगरानी रखना है, आलोचना करना है, लेकिन वह आलोचना रचनात्मक होनी चाहिए, राष्ट्र-विरोधी नहीं। आज हम देख रहे हैं कि आर्टिकल 370 हटाना हो, नागरिकता संशोधन अधिनियम-सीएए, राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर-एनआरसी जैसे कानून हों, अग्निपथ योजना हो, या राम मंदिर निर्माण-लगभग हर मुद्दे पर विपक्ष ने एकमत होकर विरोध किया है। चाहे चीन या पाकिस्तान से जुड़ी संवेदनशील मसले हों, या फिर राष्ट्रीय सुरक्षा के निर्णय, विपक्ष अक्सर उन बिंदुओं पर एक सुर में सरकार का विरोध करता है, जबकि ऐसे राष्ट्रीयता के मुद्दों पर विपक्ष को सरकार एवं देश के साथ एकजुटता दिखानी चाहिए। यह संयोग नहीं, एक दूषित राजनीतिक रणनीति बनती जा रही है कि ह्यजो सरकार करे, उसका विरोध करोह्ण, चाहे मुद्दा देशहित का ही क्यों न हो। इन स्थितियों में आम जनता का एक बड़ा सवाल है कि विपक्ष देश के साथ है या सिर्फ सत्ता की भूख के साथ? क्या चुनाव प्रक्रिया पर विरोध करना लोकतंत्र का मजाक नहीं है? क्या न्यायपालिका के निर्णयों को चुनौती देना सिर्फ स्वार्थ की राजनीति नहीं? क्या राष्ट्रीय मुद्दों पर सरकार के साथ खड़े होने से विपक्ष की राजनीति कमजोर हो जाएगी? जब विपक्ष सिर्फ विरोध करने के लिए विरोध करता है, तो उसका नैतिक बल कमजोर होता है, और जनता का विश्वास टूटता है।

भारतीय राजनीति को अब रचनात्मक विपक्ष की जरूरत है, ऐसा विपक्ष जो सत्ता में नहीं है, फिर भी राष्ट्र के लिए सत्ता के साथ खड़ा हो सकता है। जो यह समझ सके कि लोकतंत्र सरकार और विपक्ष दोनों से चलता है, लेकिन राष्ट्र सबसे ऊपर है। बिहार में चुनाव आयोग को सुप्रीम कोर्ट की अनुमति इस बात का प्रतीक है कि संस्थाएं अभी भी न्याय और संवैधानिकता की रक्षा कर रही हैं। लेकिन विपक्ष यदि इस निर्णय पर भी नकारात्मक रवैया अपनाता है, तो यह जनता की आकांक्षाओं, लोकतांत्रिक मूल्यों और विकासशील भारत की दिशा के विरुद्ध होगा। विपक्ष को चाहिए कि वह अपनी राजनीति को जनहित से जोड़े, जनविरोध से नहीं। विपक्ष यदि राष्ट्रहित में सोचने की दिशा में खुद को परिवर्तित नहीं करता, तो वह धीरे-धीरे प्रासंगिकता खो देगा।

समावेशी शासन की प्राथमिकता

-डॉ.बालमुकुंद पांडेय-

समावेशी शासन के लिए सरकार ने ह्यसेवा, सुशासन एवं गरीब कल्याणह्ण के 11 वर्ष पूरे कर लिए हैं। यह 11 वर्ष गरीबों का कल्याण करने, मध्यम वर्ग को सुविधानुकूल वातावरण प्रदान करने, महिलाओं को सशक्त बनाने, किसानसमर्थक नीतियों को क्रियान्वित करने, देश के युवाओं को शैक्षणिक एवं रोजगारनुमुख माहौल देने, पड़ोसी देशों के साथ शांति, सहयोग, स्थिरता एवं सौहार्द की नीति को क्रियान्वित करने, वैश्विक पटल पर भारत को सम्मान दिलाने, देश के भीतर उपद्रव उत्पन्न करने वालों को त्वरित दंड की प्रक्रिया को उपलब्ध करवाने एवं सौहार्दपूर्ण माहौल में अव्वल रहने के द्वारा सरकार ने पूरे किये हैं। 11 सालों के समग्र मूल्यांकन से यह पता चलता है कि वैश्विक स्तर पर भारत का सम्मान एवं गौरव उन्नयन हुआ है। प्रत्येक भारतीय का जीवन सुखमय, बेहतर और सुरक्षित हुआ है।

विगत 11 वर्षों में सार्वजनिक सेवा वितरण प्रणाली उत्कृष्टता के शिखर पर पहुंची हैं, साथ ही सरकारी योजनाओं एवं आधारभूत संरचना परियोजनाओं के कार्यान्वयन में एक आदर्श परिवर्तन देखा गया हैं कि दशकों से विलंबित आधारभूत परियोजनाओं के पूरा होने से लेकर बुनियादी मौलिक सुविधाएं मुहैया कराने तक, जो पहले की सरकार प्रदान करने में असफल रहे हैं परंतु वर्तमान सरकार के तहत भारत सरकार एवं शासन में बदलाव आया है। सरकार ने विभिन्न उपेक्षित समूहों के लिए अपरिवर्तनीय सशक्तिकरण सुनिश्चित किया हैं जिससे उन्हें सामाजिक सुरक्षा कवच प्रदान करके आत्मनिर्भर बनने में मदद मिली हैं। सरकार ने हमेशा यह सुनिश्चित करने पर विशेष ध्यान दिया हैं कि बुनियादी सुविधाओं से कोई वंचित न हों। विगत 11 वर्षों में लोक कल्याणकारी पहुंच बृहद पैमाने पर विस्तार ने भारत को अंततः शत झ्र प्रतिशत परिपूर्णता को प्राप्त करने पर जोर दिया है।

बैंकिंग, शौचालय, एलपीजी सिलेंडर, नल से जल, विद्युत उपभोक्ताओं की संख्या एवं स्वास्थ्य जैसी बुनियादी मौलिक सुविधाएं सभी को प्राप्त हो रहे हैं। सरकार की मजबूत इच्छा शक्ति एवं अथक प्रयासों से अब 21वीं सदी में यह मूलभूत सुविधाएं सभी भारतीयों तक आसानी से पहुंच रही हैं। सरकार ने 2014 में प्रारंभ की गई सभी कल्याणकारी योजनाओं का लाभ सभी भारतीयों तक व्यापक स्तर पर पहुंच रहा हैं। सरकार ने यह सुनिश्चित किया है कि लोगों को यह बुनियादी सुविधाएं लोगों का चुनाव, धर्म, जाति, लिंग, क्षेत्र, आर्थिक स्थिति एवं राजनीतिक पसंद के आधार पर करने के बजाय प्रत्येक हकदार को योजनाओं का पूरा लाभ मिले। अब योजनाओं की परिपूर्णता शत झ्र प्रतिशत लक्ष्य की तरफ बढ़ने पर केंद्रित हो रही हैं। इससे सभी भारतीयों की बुनियादी मौलिक सुविधाओं तक सभी भारतीयों तक परिपूर्णता की प्राप्ति सरकार के अथक प्रयासों की देन है। सरकार ने सार्वजनिक सेवाओं का लाभ लोगों तक पहुंचने में होने वाले रिसाव (लीकेज) को रोकने में सफलता प्राप्त की है। सरकार के कल्याणकारी योजनाओं के सरकारी उपायों एवं गरीबी उन्मूलन के प्रयासों पर वैश्विक स्तर के संस्थानों ने स्वीकृति प्रदान की हैं। अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के एक हालिया शोध पत्र में भारत से अत्यधिक गरीबी को खत्म करने का श्रेय वर्तमान सरकार को दिया गया है।

समावेशी शासन के अथक प्रयासों एवं सद इच्छा से सभी भारतीयों में प्रसन्नता की भावना आ रही हैं। 81.75 करोड़ लोगों को पीएम गरीब कल्याण अन्न योजना के जरिए मुफ्त अनाज प्रदान किया गया हैं। 15 करोड़ परिवारों को नल से जल कनेक्शन प्रदान किया गया हैं जिससे उनके जीवन में गुणात्मक परिवर्तन एवं संतुष्टि प्राप्त हो रही है। सरकार ने रेहड़ी झ्र पटरी वालों को पीएम स्वनिधि से लोन प्रदान किया हैं, जो उनके जीवन में भौतिक सुख, संतुष्टि एवं जीवन में गुणात्मक सुख प्रदान कर रहा हैं।

गरीबों एवं वंचितों के जीवन में गुणात्मक एवं भौतिक सुखों की प्राप्ति के लिए चार करोड़ पक्के मकानों को प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत स्वीकृति प्रदान की गई हैं जिससे उनके जीवन में गुणात्मक संतुष्टि प्राप्त हो। सरकार की जनहित हितैषी अनगिनत योजनाएं वर्तमान में प्रत्येक गरीब का मान, सम्मान एवं स्वाभिमान बढ़ा रही हैं। यह भौतिक चेतना की उत्क्रांती ही वास्तविक विकास है। वर्तमान में भारत के 64 % आबादी यानी 95 करोड़ लोगों को किसी झ्र ना झ्र किसी सामाजिक सुरक्षा योजना का लाभ मिल रहा है। सरकार ने 2014 में ह्य सबका साथ, सबका विकास और सब का विश्वास ह्ण के मूल मंत्र से अपने शासन का श्री गणेश किया। यह समावेशी शासन का नवीन स्वरूप हैं। समाज के सभी वर्गों विशेषकर पिछड़ों एवं दलितों को सत्ता में सहभागिता दिया जा रहा है। सरकार की शासकीय स्थिरता सभी वर्गों की सहभागिता से होती हैं।

देश के सेना और वैज्ञानिक को सम्मान करना चाहिए

-संजय गोस्वामी-

आज सब अपना देखते हैं यही खर्ज है आज महंगाई में मिडिल क्लास का जीना हराम हो गया है सैलरी लगता खुब मिलता है लेकिन खर्च भी बढ़ता जा रहा है 100 रुपए का आज क्या वैल्यू है उसपर सब्जी का फल का रेट देखिए अब वो जमाना गया कि कैसे भी एडजस्ट करते थे और पढ़ाई भी सस्ती थी सब्जियाँ फल तो घर में ही उगा लेते थे और काम भी चल जाता था अब बिगबास्केट, जेप्टो, ग्रोफर जैसी तमाम ग्रोसरी से लेकर फल सब्जियाँ देती है घर पर ही जो ताजी नहीं मिलती और बापस करने पर तमाम तरह के फोटो रिटर्न्स नहीं होगा और ठगा ठगा महसूस करता है बिगबास्केट तो बिल्कुल खराब समान दे रहा है कितनी बार फंगस लगा हुआ मिला और बार बार ऐसा होने पर अकाउंट ही लॉक कर दिया दरअसल मैं ऑनलाइन के चक्कर में नहीं रहता हूँ लेकिन ऐ आज फॅमिली की पसंद बन गई है पहले सब्जी खरीदने बाजार निकलते थे उससे कई गुना सस्ता समान आज भी आप सब्जियाँ बाजार से खरीद कर देंखे इससे आपके दो फायदा होगा आपका घूमना भी होगा और वहाँ भी जो अच्छा होगा आप चुन कर लेंगे और इसी बहाने फल भी खरीद लेंगे आप एक बार आजमाने की कोशिश करें हाँ किराना का सामान हो सकता है सस्ता ना मिले लेकिन घुन या फंगस लगा हुआ सामान नहीं मिलेगा क्योंकि वहाँ किराना स्टोर उसे फेंक देती है जबकी बिगबास्केट आदि यही सामान को बिल्कुल एक्सपायरी डेट के करीब का देती है जो एक तरह से रोड पर मारा मारा फिरता है और कई तो उसे एक्सपायरी डेट को ही रीप्रिंट कर देते है पहले सामान दिखा कर उसी के हिसाब से रेट मिलता था और सस्ता था उसे भी बेचना है आप दादर का भाजी मार्केट देखिए वहाँ कुछ समय सुबह तक खुब भाजी मिलता है जिसे जोमाटो और अन्य ऑनलाइन जो खाने का सामान देते है यहाँ तक की होटल भी निकला खुब लेते है सुबह में सुन्दर दीखता है और जैसे ही मुंबई महानगर के लोग सफाई के लिए आते है वो रोड पर मारा मारा फिरता है और कोई उसे भी लें जाता है शायद होटल के लिए अतः खाने पर बाहर का खाना ऑनलाइन खरीदने से बचें और जहाँ तक हो पैसे बचाने की कोशिश करें बहुत दुःख होता है जब अंग्रेजो की लड़ाई सब मिलकर लड़े फिर भी गुलामी सा महसूस क्यों होता है अमेरिका एक बार नहीं सौ बार कहता है कि हम भारत और पाकिस्तान का सीजफायर कराई अमीर लोग अमीर बनते जा रहे हैं और मध्यम वर्ग पीस रहा है कुछ दिन पहले किसी मरीज की हालत खराब थी एम्बुलेंस समय पर नहीं रहा और अपनी गाड़ी थोड़ी सी इधर से उधर हुई और चलाना कट गया और ऐ कोई मामूली रकम नहीं होता है जबकी रोडो का इतना गहरा गढ़ा टुटा फूटा कहीं कहीं लाइट नहीं है इसका कौन जिम्मेदार है एक तरफ चलान काटा गया लेकिन रोड की हालत भी देखिए आम आदमी हर जगह मारा जा रहा है क्या खाएगा क्या कमायेगा महंगाई का मतलब है वस्तुओं और सेवाओं की कीमतों में सामान्य वृद्धि। इसे मुद्रास्फीति भी कहा जाता है। इसका मतलब है कि एक ही राशि में अब कम सामान और सेवाएं खरीदी जा सकती हैं, क्योंकि कीमतें बढ़ गई हैं। ::सरकार द्वारा अधिक पैसा छापना या खर्च करना भी महंगाई का कारण बन सकता है। युद्ध और प्राकृतिक आपदाएं:युद्ध या प्राकृतिक आपदाओं के कारण आपूर्ति बाधित होने से कीमतें बढ़ सकती हैं। महंगाई का प्रभावःखरीद शक्ति में कमीःमहंगाई से लोगों की खरीद शक्ति कम हो जाती है, क्योंकि वे अब एक ही राशि में कम सामान खरीद पाते हैं। बचत पर प्रभावःमहंगाई से बचत का मूल्य कम हो जाता है, क्योंकि मुद्रा का मूल्य गिर जाता है। महंगाई गरीबों पर अधिक प्रभाव डालती है, क्योंकि उनके पास अपनी आय बढ़ाने के सीमित विकल्प होते हैं। ःकेंद्रीय बैंक ब्याज दरों को बढ़ाकर और पैसे की आपूर्ति को कम करके महंगाई को नियंत्रित कर सकता है। ःसरकार खर्च को कम कर-के और करों को बढ़ाकर महंगाई को नियंत्रित कर सकती है। ःसरकार कुछ वस्तुओं और सेवाओं की कीमतों को नियंत्रित कर सकती है और सब्सिडी प्रदान कर सकती है पेनाल्टी कम करे जो गलती से हुआ हो.उच्च महंगाई आर्थिक विकास को धीमा कर सकती है, क्योंकि यह निवेश और खपत को कम करती है। आर्थिक विकास पर जोड़ देना जरुरी है और हमेशा दूसरे देश की निर्भरता को कम करना छोटे उद्योग को बढ़ावा देना सेना को यदि फ्री हैंड दिया है तो करने दीजिये उसे जो करना है जब मेरा सेना में सेकेंड लेफ्टिनेंट पर सिलेक्शन हेतु एस एस बी में गया तो इंटरव्यू लेने वाले ने साफ कह दिया था कम्युनिकेशन स्किल बहुत जरुरी है जो मुझमें कमी थी।

अतः उन्होंने बताया वहाँ इतना सोचने का टाइम नहीं होता है तुरंत ही दुश्मन पर हमला किया जाता है और कुछ भी मिस अंडरस्टैंडिंग हुई तो दुश्मन तुरन्त हमला कर देगा और अब सेना के प्रवक्ता से ही ऐ बात निकल कर आ रही है कि पाकिस्तानी सेना को टारगेट ना करने व आतंकवादी को टारगेट करने पर कुछ राफेल नस्ट हुए जबकी वहाँ की सेना ही आतंकवादी के लिए ही बनी है अतः सेना को कभी इसप्रकार की आदेश देने की जरुरत नहीं है और उनके साथ हमेशा विश्वास करना चाहिए देश सर्वोपरि है उससे किसी भी कीमत पर समझौता नहीं करनी चाहिए चाहे जंग कितनी लम्बी क्यों ना हो ःसप्लाई चेन मॅनॅग्मेंट का सही आकलन और तकनिकी पर फोकस करना चाहिए ब्रिक देशों के सम्मेलन में जाने के बाद भी अमेरिका का डॉलर ही चलने वाला है और अमेरिका की तकनिकी को अपने वैज्ञानिक द्वारा हासिल करना आखिर हम क्यों नहीं बना पा रहें है अपनी लड़ाकू विमान इसमें बीते सालों में अच्छा कार्य हुआ जैसे तेजस बना लेकिन इंजन कावेरी अमेरिका से आयात करना पड़ता है और यही सब कमजोरी का अमेरिका फायदा उठा लेता है और उधर चीन जो भारत का सबसे बड़ा दुश्मन है जब किसी वस्तु या सेवा की मांग, उसकी आपूर्ति से अधिक हो जाती है, तो कीमतें बढ़ जाती हैं। ःकच्चे माल, श्रम या परिवहन की लागत में वृद्धि से भी कीमतें बढ़ सकती हैं।

NCR समाचार
संपादकीय कार्यालय
जी-12/276, संगम विहार, नई दिल्ली-110062. सोमवार से शनिवार
प्रात: 9:00 से सायं 9:00
फोन: 8888883968, 9811111715

आवश्यक सूचना

एनसीआर समाचार के समस्त पाठकों तथा पत्र के साथ जुड़े समस्त पत्रकारों, व्यावसायिक संयोजक, सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं/संस्थानों को यह सूचित किया जाता है कि गत वर्षों से श्री बलबीर सिंह के नेतृत्व व स्वामित्व में चले आ रहे वर्तमान एनसीआर समाचार पत्र का प्रकाशन व स्वामित्व मो. हनीफ, पुत्र श्री इस्माईल खान मास्टरजी, संगम विहार के स्वामित्व व नेतृत्व में हो रहा हैं। अतः भविष्य में समस्त प्रकार की व्यावसायिक, कानूनी एवं सामाजिक गतिविधियों के संचालन हेतु मो. हनीफ/ नये कार्यालय जी 12/276, संगम विहार, नई दिल्ली - 110062, दूरभाष (मोबाईल) 8888883968, 9811111715 से सम्पर्क करें

हीरापुरा बस स्टैंड बनेगा नया ट्रांसपोर्ट हब, अजमेर रूट की 500 से अधिक बसें होंगी शिफ्ट

जयपुर। परिवहन सचिव शुचि त्यागी के निर्देश पर हीरापुरा बस स्टैंड के संचालन को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक आरटीओ प्रथम राजेंद्र सिंह शेखावत की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में एडीसीपी ट्रैफिक राजेंद्र कुमार, जेसीटीसीएल, बीएसआरटीसी, स्टेज कैरिज, कॉन्ट्रैक्ट कैरिज और बस यूनियन के पदाधिकारी शामिल हुए। इसमें सभी निजी बस संचालकों ने रोडवेज के साथ मिलकर अजमेर रूट की बसों को हीरापुरा शिफ्ट करने पर सहमति जताई।

अब हीरापुरा बस स्टैंड से लगभग 500 से अधिक बसों का संचालन होगा, जिनमें 160 रोडवेज, 30 लोक परिवहन, 20 स्टेज कैरिज और लगभग 300 कॉन्ट्रैक्ट कैरिज बसें शामिल होंगी। यात्रियों की सुविधा के लिए रात्रि विश्राम करने वाली सभी बसों के लिए पार्किंग की व्यवस्था की गई है। सभी श्रेणियों की बसों के लिए टिकट आरक्षण विंडो भी लगाई जाएगी।

शहर से बस स्टैंड तक यात्रियों को लाने-ले जाने के लिए जेसीटीसीएल की चार मार्गों पर 17 सिटी बसें चलाई जाएंगी। इसके अलावा, 100 से अधिक मिनी बसें और 500 मैजिक टेम्पो शहर में सुगम आवागमन सुनिश्चित करेंगे। जेडीए द्वारा आवश्यक तैयारियां अंतिम चरण में हैं।

हीरापुरा बस स्टैंड को ट्रांसपोर्ट हब के रूप में विकसित किया जा रहा है, जिससे न केवल लाखों यात्रियों को सुविधा मिलेगी, बल्कि शहर को ट्रैफिक जाम से भी राहत मिलेगी।

गहलोत का राज्य सरकार पर निशाना : विश्वविद्यालयों में खाली पद और शिक्षकों को नहीं मिल रही पेंशन

जयपुर। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राज्य सरकार का प्रदेश की यूनिवर्सिटीज में कमियों को लेकर ध्यान आकर्षित किया है। गहलोत ने कहा है कि राजस्थान के लगभग सभी सरकारी विश्वविद्यालय दो कमियों से जूझ रहे हैं। पहली, पढ़ाने के लिए रिक्त शैक्षिक पद एवं दूसरी, रिटायर्ड हो चुके शिक्षकों की पेंशन। अधिकांश विश्वविद्यालयों में शैक्षिक पद रिक्त हैं जिसके कारण विद्यार्थियों की पढ़ाई पर असर पड़ रहा है परन्तु इस ओर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। जिन शिक्षकों ने अपना पूरा समय विद्यार्थियों को ज्ञान देकर उनका जीवन संवारने में लगा दिया, उन्हें पेंशन नहीं मिल पा रही है।

इससे वृद्धावस्था में वो अपना खर्च चलाने तक के लिए दूसरों के भरोसे हैं। जोधपुर के जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय के पेंशनर्स कई महीने से धरना दे रहे हैं। राज्य सरकार को इन दोनों पर विषयों पर गंभीरता से ध्यान देकर समाधान निकालना चाहिए।

मुस्लिम बालिकाओं की शिक्षा को भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा चलाएगा विशेष अभियान

जयपुर। भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष हमीद खान मेवाती ने बताया कि भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा द्वारा मुस्लिम बालिकाओं की शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए एक विशेष अभियान चलायेगा। इस अभियान के माध्यम से उन परिवारों को जागरूक किया जाएगा, जिनकी बेटियाँ किसी कारणवश विद्यालय नहीं जा रही हैं। मोर्चा का उद्देश्य बालिकाओं का विद्यालयों में नामांकन बढ़ाना और उन्हें शिक्षा के प्रति प्रेरित करना है।

साथ ही यह प्रयास किया जाएगा कि उन सामाजिक, आर्थिक या पारिवारिक कारणों की पहचान की जाए, जिनकी वजह से बालिकाएं शिक्षा से वंचित हैं और उन बाधाओं को दूर करने के लिए समुचित कदम उठाए जाएं। मोर्चा का यह अभियान समाज में शिक्षा की अलख जगाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है, जिससे मुस्लिम समाज की बेटियों को एक उज्ज्वल भविष्य की ओर अग्रसर किया जा सकेगा।

4 बीघा भूमि पर बसाई जा रही अवैध कॉलोनी ध्वस्त, पांच बीघा सरकारी जमीन को कराया अतिक्रमण मुक्त

जयपुर। जेडीए के प्रवर्तन दस्ते ने जामडोली मे करीब चार बीघा कृषि भूमि पर अवैध रूप से बसाई जा रही कॉलोनी को ध्वस्त किया। इसके साथ ही मालपुरा डूंगर सुमेल में करीब पांच बीघा सरकारी जमीन को अतिक्रमण मुक्त कराया। महानिरीक्षक पुलिस कैलाश चन्द्र विश्नोई ने बताया को जोन 10 स्थित ग्राम जामडोली में करीब चार बीघा कृषि भूमि पर जेडीए की बिना स्वीकृति के शिव वाटिका नाम से बसाई जा रही अवैध कॉलोनी को ध्वस्त किया गया। इसी प्रकार मालपुरा डूंगर सुमेल के खसरा नं. 69 जेडीए स्वामित्व की करीब पांच बीघा सरकारी भूमि पर बनाई गई बाउण्ड्री वालों को ध्वस्त किया गया। जोन पीआरएन साउथ स्थित गणपति एनक्लेव और पत्रकार रोड विनायक सरोवर की रोड सीमा में करीब 12 स्थानों पर चबूतरे, सीढ़ियां, दीवार इत्यादि के अतिक्रमण को ध्वस्त किया। जोन 13 स्थित ग्राम अन्तपुरा में तेजाजी मंदिर के पास व्यावसायिक प्रयोजनार्थ अवैध दो दुकानों का निर्माण किए जाने पर निर्माणकर्ता को नोटिस जारी कर निर्माण हटाने के लिए पाबंद किया गया था, लेकिन निर्माणकर्ता की ओर से अवैध निर्माण नहीं हटाने पर दोनों दुकानों को सील कर दिया।

अस्थायी अतिक्रमणों पर निगम की कार्रवाई - अतिक्रमण कर यातायात में बाधा उत्पन्न करने वालों के खिलाफ नगर निगम जयपुर ग्रेटर की सतर्कता शाखा ने शुक्रवार को कार्रवाई कर आठ कैंटर सामान जब्त करने के साथ ही 18 हजार रुपए कैरिंग चार्ज वसूल किया। उपायुक्त सतर्कता अजय शर्मा ने बताया कि निगम ग्रेटर क्षेत्राधिकार में एलबीएस कॉलेज, गोविन्द मार्ग, रविन्द्र मंच, अजमेरी गेट, कनक वृन्दावन 200 फीट बाईपास, लालपुरा, गांधीपथ जयपुर मॉल के पास, हल्दीघाटी डी मार्ट प्रताप नगर से अस्थाई अतिक्रमणों हटाया।

सौर व बैटरी स्टोरेज ऊर्जा परियोजनाओं के लिए बनाएं रोडमैप : मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

निवेशकों से रखें संवाद, प्रगति से कराएं अवगत

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के लक्ष्य के साथ कार्य कर रही है। इस लक्ष्य को पूरा करने में राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के तहत हुए ऊर्जा क्षेत्र से संबंधित निवेश एमओयू की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की ऊर्जा आवश्यकता को प्राथमिकता देते हुए इन निवेश एमओयू में शामिल सौर व बैटरी स्टोरेज आधारित परियोजनाओं के विकास के लिए विशेष रोडमैप तैयार किया जाए।

शर्मा शुक्रवार को मुख्यमंत्री निवास पर राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट-2024 के तहत हुए एमओयू के क्रियान्वयन की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि एमओयू के समयबद्ध क्रियान्वयन से प्रदेश के आर्थिक विकास को गति मिल रही है। उन्होंने अधिकारियों को निवेश समझौतों की प्रगति के लिए मिशन मोड पर काम करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि विकसित राजस्थान बनाने के लक्ष्य को साकार करने में निवेश का अहम योगदान है। राज्य सरकार निवेशकों को हर संभव सहायता उपलब्ध करवा रही है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि निवेशकों से निरंतर संवाद स्थापित रखें और मॉनिटरिंग करते हुए प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करें। साथ ही, उन्होंने कहा कि मुख्य सचिव स्तर पर नियमित रूप से अक्षय ऊर्जा से संबंधित एमओयू की नियमित समीक्षा की जाए।

एकीकृत पावर कॉरिडोर अपनाने के हो प्रयास

शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार अक्षय ऊर्जा आधारित परियोजनाओं पंप स्टोरेज तथा बैटरी स्टोरेज जैसे प्रोजेक्ट्स पर भी जोर दे रही है। प्रदेश में 6 हजार मेगावाट आवर की बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली विकसित की जा रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में विकसित की जाने वाली सौर व बैटरी स्टोरेज परियोजनाओं के संबंध में विस्तृत कार्ययोजना बनाई जाए तथा इसके लिए एकीकृत पावर कॉरिडोर सहित अन्य नवाचारों को अपनाए जाने के प्रयास किए जाएं। मुख्यमंत्री ने बैठक में सौर ऊर्जा, कॉम्प्रेस्ड बायो गैस व बायो फ्यूल प्रोजेक्ट्स की बिंदुवार विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने प्रगतिरत एमओयू के क्रियान्वयन में तेजी लाने एवं शेष रहे एमओयू के श्रेणीवार विभाजन के साथ तय समय सीमा में धरातल पर लागू करने के संबंध में निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री की प्रतिबद्धता से एमओयू क्रियान्वयन में उल्लेखनीय प्रगति

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल पर 'राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट' के दौरान हुए एमओयू की समीक्षा के लिए त्रि-स्तरीय व्यवस्था की गई है। जिसके तहत 1 हजार करोड़ रुपये से अधिक राशि वाले एमओयू की समीक्षा प्रतिमाह नियमित रूप से मुख्यमंत्री स्वयं कर रहे हैं। इसके परिणामस्वरूप राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के तहत हुए 35 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश समझौतों में से अब तक 4 लाख करोड़ रुपये से अधिक के एमओयू की ग्राउंड ब्रेकिंग हो चुकी है।

बैठक में मुख्य सचिव सुधांश पंत सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। वहीं संबंधित जिला कलक्टर्स वीसी के माध्यम से जुड़े।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल : राजस्थान की मां योजना देशभर में मिसाल बनी, 43 लाख मरीजों का निशुल्क उपचार

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की संवेदनशीलता से प्रदेश में गांव और गरीब तक स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच सुगम हुई है। जरूरतमंद परिवार इलाज खर्च की चिंता से मुक्त से मुक्त हुए हैं। उन्हें बुखार जैसी सामान्य बीमारियों से लेकर ट्रांसप्लांट और रोबोटिक सर्जरी जैसा महंगा उपचार निःशुल्क मिल रहा है। राजकीय अस्पतालों में ही नहीं, प्रदेश के नामी निजी अस्पतालों में भी उन्हें आसानी से निःशुल्क उपचार सुलभ हो रहा है। अब तक इस योजना से 43 लाख से अधिक रोगियों को 5 हजार करोड़ रुपए से अधिक का निःशुल्क उपचार प्राप्त हो चुका है।

इंटर स्टेट पोर्टेबिलिटी भी की लागू

मां योजना के दायरे को बढ़ाने के लिए इंटर स्टेट पोर्टेबिलिटी लागू कर दी गई है। फिलहाल योजना के तहत इन बाउण्ड पोर्टेबिलिटी प्रारंभ हो चुकी है और जल्द ही आउट बाउण्ड पोर्टेबिलिटी प्रारंभ होगी। इससे बाहर के मरीज राजस्थान आकर और राजस्थान के मरीज दूसरे राज्यों में जाकर इलाज ले सकेंगे। प्रथम चरण में इन बाउण्ड पोर्टेबिलिटी लागू कर दी गई है, जिससे बाहर के मरीज राजस्थान में आकर इलाज ले पा रहे हैं। इसमें सामान्य बीमारी से लेकर रोबोटिक सर्जरी, एलौपैथी से लेकर आयुष पद्धति तक और बच्चे से लेकर बुजुर्ग तक हर विधा से हर वर्ग के लिए उपचार के पैकेज शामिल हैं।

पहले 1800, अब 2300 पैकेज

पूर्ववर्ती सरकार में संचालित योजना में लगभग 1800 पैकेज थे, जिन्हें नई योजना में बढ़ाकर लगभग 2300 कर दिया गया है। योजना में कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों के लिए 73 डेकेयर पैकेज एवं 419 पीडियाट्रिक पैकेज शामिल किए हैं।

पर्यटन विभाग शुरू करेगा राज्य पर्यटन पुरस्कार - डिप्टी सीएम दिया कुमारी

जयपुर। प्रदेश की उप मुख्यमंत्री एवं पर्यटन मंत्री दिया कुमारी ने कहा है कि राजस्थान में पर्यटन विभाग की ओर से राज्य पर्यटन पुरस्कार शुरू किए जाएंगे। जिसमें पर्यटन के क्षेत्र में अच्छा काम करने वालों को पुरस्कृत किया जाएगा। उन्होंने कहा कि राजस्थान में टूरिज्म पॉलिसी, टूरिज्म यूनिट पॉलिसी, फिल्म पॉलिसी की तरह रेस्पॉन्सिबल टूरिज्म पॉलिसी बनाने की सम्भावना पर काम किया जाएगा। उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने राजस्थान पर्यटन विभाग के सहयोग से शुक्रवार को जयपुर के एक होटल में आउटलुक भारतीय जिम्मेदार पर्यटन राज्य पुरस्कार राजस्थान 2025 के तीसरे संस्करण के आयोजन के अवसर पर अपने सम्बोधन में उक्त विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि राज्य में पर्यावरण संरक्षण व पर्यटन विकास को लेकर सरकार की प्रतिबद्धता है। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण हमारी जिम्मेदारी है। पानी, बिजली और वृक्षों को बचाने के लिए अपनी दिनचर्या में छोटे-छोटे बदलाव लाने होंगे।

राजस्थान पर्यटन क्षेत्र में अग्रणी

दिया कुमारी ने कहा कि राजस्थान की पहचान पर्यटन से गहराई से जुड़ी हुई है। उन्होंने कहा कि हम इस जिम्मेदारी पर गर्व से सम्मान करते हैं। उन्होंने कहा कि 2024 में, राजस्थान ने 23 करोड़ से ज्यादा घरेलू यात्रियों और 21 लाख विदेशी पर्यटकों का राजस्थान आगमन हुआ। जिससे राजस्थान घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय पर्यटकों की संख्या के हिसाब से भारत में पाँचवाँ सबसे अधिक पर्यटकों द्वारा भ्रमण किया जाने वाला राज्य बन गया है। उन्होंने इस आयोजन का हिस्सा बनने पर खुशी जताते हुए कहा कि जिम्मेदार पर्यटन एक सशक्त विचार का जश्न मनाता है, समावेशिता और हमारे लोगों व हमारे पर्यावरण के प्रति सम्मान पर आधारित पर्यटन आज के समय की आवश्यकता है।

जिम्मेदार पर्यटन और ढांचागत सुविधाएं

दिया कुमारी ने कहा कि राजस्थान में हर किले का जीर्णोद्धार, हर सड़क का निर्माण और हर सांस्कृतिक स्थल का प्रचार-प्रसार करना लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि हमें राजस्थान में विश्वस्तरीय, पर्यावरण के प्रति संवेदनशील और सांस्कृतिक रूप से संरक्षित बुनियादी ढाँचा तैयार करना है। इस वर्ष के बजट में ₹5,000 करोड़ का पर्यटन अवसंरचना और क्षमता निर्माण कोष (RTICF) की व्यवस्था की है।

महिलाओं के नेतृत्व में विकास

महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास के प्रति हमारी प्रतिबद्धता है। जिसके अनुरूप, हम पर्यटन में महिलाओं की भूमिका का विस्तार कर रहे हैं, जिसमें होमस्टे का प्रबंधन भी शामिल है। तीज महोत्सव को लेकर भी बड़ी घोषणा,लहरिया पहनने पर उपमुख्यमंत्री का संदेश, कहा -"सावन और लहरिया हमारी संस्कृति की पहचान है।

अब स्पाइडर-2 रोबोट से कंधे की सर्जरी में आई नई क्रांति

जयपुर। पहले जहां सर्जन को कंधे या घुटने की सर्जरी के दौरान किसी असिस्टेंट की मदद से मरीज के अंग को एक तय स्थिति में पकड़कर रखना पड़ता था, जिससे स्थिरता बनाए रखना चुनौतीपूर्ण होता था। वहीं अब स्पाइडर-2 तकनीक से इस समस्या का हल निकल गया है। यह रोबोटिक पोजिशनर सर्जरी के दौरान अंग को सटीक एंगल पर बिना हिले-डुले स्थिर रखता है, जिससे ऑपरेशन अधिक सहज, सटीक और सुरक्षित हो गया है। शहर के निजी हॉस्पिटल में प्रदेश की पहली स्पाइडर-2 असिस्टेड शोल्डर सर्जरी हुई है, जिसे सीनियर जॉइंट रिप्लेसमेंट एंड आर्थेस्कोपिक सर्जन डॉ. राजीव गुप्ता ने किया है।

डॉ. गुप्ता ने बताया कि मरीज को रोटेटर कफ इंजरी थी जिसकी सर्जरी करना आवश्यक था। यह एक मशीन है, जो सर्जरी के दौरान मरीज की बाजू या पैर को अलग-अलग दिशा में मोड़कर, घुमाकर या खींचकर स्थिर रख सकती है। यह खासकर कंधे की सर्जरी में बेहद उपयोगी है, जहां छोटे कैमरे और औजारों के लिए शरीर के भीतर साफ रास्ता चाहिए होता है।

फतेहपुर शेखावाटी में चली नाव : अजमेर में चार इंच से ज्यादा तो सीकर में चार इंच बारिश

जयपुर। प्रदेश में मानसून की मेहरबानी लगातार बनी हुई है। कहीं हल्की तो कहीं भारी बारिश हो रही है। बीते 24 घंटों में अजमेर में भारी बारिश हुई। यहां 113 एमएम यानी चार इंच से ज्यादा बारिश हुई और जगह-जगह जलभराव की स्थिति हो गई। सीकर में गुरुवार को दिनभर चली बारिश के बीच देर रात तक करीब चार इंच पानी बरसा। सबसे ज्यादा बारिश सीकर के फतेहपुर में करीब चार इंच दर्ज हुई। भारी बारिश के बीच फतेहपुर में एक बस और कार पानी में फंस गई। इन्हें सुबह पुलिस की मदद से निकाला जा सका।

बस स्टैंड पर कई दुकानों में पानी घुस गया। फतेहपुर में पानी में बच्चों ने नाव चलाई। सवाईमाधोपुर के गंगापुर सिटी में गंभीर नदी में डूबने से युवक की मौत हो गई। पांचना बांध से पानी छोड़ने के बाद गंभीर नदी में जलस्तर बढ़ गया। कटकड़ के पास रपट पर गंभीर नदी के तेज बहाव को देखते हुए प्रशासन ने गंगापुर सिटी-हिंडौन मार्ग को बंद कर दिया है। चूरू, करौली, अलवर सहित अन्य जिलों में भी बारिश हुई। करौली के मंडरायल क्षेत्र के कैमकच्छ पुलिया पर बरसाती नाले के तेज बहाव में एक महिला बह गई, जिसे देर रात तक तलाशा जा रहा था। झुंझुनूं और भरतपुर के भी कई स्थानों पर तीन इंच तक बारिश हुई।

जयपुर के सांगानेर इलाके में एक इंच से ज्यादा बारिश

राजधानी जयपुर में भी गुरुवार दोपहर बाद मौसम बदला और शहर के अलग-अलग इलाकों में छितराई बारिश हुई। सबसे ज्यादा बारिश सांगानेर इलाके में हुई। यहां एक इंच से ज्यादा बारिश हुई और सड़कों तथा निचले इलाकों में पानी भर गया। जयपुर में अधिकतम 33.3 डिग्री और न्यूनतम तापमान 26 डिग्री रिकॉर्ड किया। प्रदेश में सबसे अधिक तापमान जैसलमेर में 38.2 डिग्री दर्ज किया।

बीसलपुर में पानी की आवक धीमी

बीसलपुर बांध में पिछले 24 घंटे में महज एक सेमी पानी की आवक हुई है। बांध का जलस्तर अब बढ़कर 313.89 आरएल मीटर पर पहुंच गया।

आज कोटा, भरतपुर संभाग में भारी बारिश के आसार

मौसम विभाग केंद्र जयपुर के अनुसार शुक्रवार को कोटा, भरतपुर संभाग में कहीं-कहीं भारी बारिश होने व 12-13 जुलाई को कोटा, भरतपुर, जयपुर, अजमेर और उदयपुर संभाग में कहीं-कहीं भारी व अतिभारी बारिश होने की संभावना है। साथ ही 12 जुलाई से पश्चिम राजस्थान में भी बारिश की गतिविधियों में बढ़ोतरी होने के आसार हैं।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिये आमजन तक पहुंच रहे कांग्रेस नेता, पार्टी से ज्यादा नेताओं के फॉलोअर

जयपुर। राजनीति में लोगों तक पहुंच बढ़ाने के लिए कांग्रेस पार्टी और उसके नेता सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को बड़ा जरिया बना चुके हैं। कई नेताओं ने अपनी हर गतिविधि की जानकारी सोशल मीडिया पर देने के लिए पीआर टीमें नियुक्त कर रखी हैं। खुद की पहुंच बढ़ाने की होड़ में कई नेताओं के फॉलोअर तो पार्टी के कुल फॉलोअर से भी ज्यादा हो गए हैं। कांग्रेस में पूर्व सीएम अशोक गहलोत, कांग्रेस महासचिव सचिन पायलट, पीसीसी चीफ गोविन्द सिंह डोटासरा और नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली सहित कई नेताओं ने सोशल मीडिया पर अपनी सक्रियता लगातार बढ़ाई है। कांग्रेस के इन नेताओं की सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक, व्हाट्सएप, इंस्टाग्राम, एक्स और यूट्यूब पर लाखों फॉलोअर हैं। ये सभी नेता खुद के दौरे, मुलाकातें, पार्टी गतिविधियों सहित सरकार के कामों की निंदा और पार्टी की बात सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर रखकर जनता तक अपनी बात पहुंचाते हैं।

कई नेता तो ऐसे हैं, जो अपने दिनभर के कार्यक्रम, जनसभाएं, रोड शो और जनता के नाम अपने संदेश भी अपलोड करते हैं। इन नेताओं का मानना है कि आज के तकनीकी दौर में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से अपनी बात लाखों लोगों तक आसानी से पहुंचाई जा सकती है। नेताओं के अपने दौरों की सूचनाएं भी सोशल मीडिया पर अपलोड करने से उनके समर्थक दौरा स्थल पर पहुंच जाते हैं।

फेसबुक लाइव का भी चलन बढ़ा

नेताओं में फेसबुक लाइव का भी चलन बढ़ा है। किसी भी तरह के ज्वलंत मुद्दों पर फेसबुक लाइव के माध्यम से अपनी बात रखते हैं। उनके वीडियो लाखों समर्थकों तक शेयर माध्यम से पहुंच जाते हैं।

गहलोत, पायलट, डोटासरा के लाखों फॉलोअर्स

कांग्रेस के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक पर करीब एक मिलियन फॉलोअर हैं। जबकि पूर्व सीएम अशोक गहलोत के 4.1 मिलियन, कांग्रेस महासचिव सचिन पायलट के तीन मिलियन और पीसीसी चीफ गोविन्द सिंह डोटासरा के 675के फॉलोअर्स हैं। एक्स प्लेटफॉर्म पर पीसीसी के 413के, गहलोत के 5.1 मिलियन, पायलट के 5 मिलियन, डोटासरा के 1.6 मिलियन फॉलोअर्स हैं।

पीआर कंपनियां, अलग टीमें रखते हैं नेता

अपनी ब्रांडिंग के लिए कई दिग्गज नेता मोटे पैकेज पर पीआर कंपनियां रखते हैं। सैकंड लाइन के नेता भी ब्रांडिंग और प्रमोशन के लिए कंपनियां हायर कर रहे हैं। पार्टी का सोशल मीडिया विभाग होने के बावजूद ये नेता खुद की सोशल मीडिया टीमें रखते हैं, जो दिनभर उनका प्रमोशन करती हैं। राजस्थान में ऐसे नेताओं में गहलोत, पायलट, डोटासरा, जूली के अलावा अशोक चांदना, हरीश चौधरी जैसे नेता भी शामिल हैं।

जनता से सीधे संवाद की जरूरत

कांग्रेस सोशल मीडिया विभाग के प्रमुख सुमित भगासरा का इस विषय पर कहना है कि जनता से सीधे संवाद के लिए आज के समय में सोशल मीडिया एक जरूरत बन चुका है। जनता भी सोशल मीडिया के माध्यम से अपनी मांगे नेताओं तक पहुंचा रही है। मीडिया के अन्य माध्यम जैसे प्रिंट मीडिया, इलेक्ट्रोनिक मीडिया की तुलना में सोशल मीडिया की रीच बहुत तेजी से बढ़ी है। आज के दौर में औसतन हर व्यक्ति करीब ढाई घंटे सोशल मीडिया पर बिताता है, जिस कारण नेताओं को भी सोशल मीडिया पर मौजूदगी दिखाना जरूरी हो गया है।

संक्षिप्त समाचार

रूस ने पोलिश वाणिज्य दूतावास बंद किया

मास्को, एजेंसी। रूस ने शुक्रवार को पोलैंड के एक वाणिज्य दूतावास को बंद करने का आदेश दिया। यह दूतावास रूस के कैलिनिनग्राद शहर में था। यह फैसला रूस और पोलैंड के बीच बढ़ते तनाव के चलते लिया गया है। पोलैंड ने पहले अपने शहर क्राको में रूस का एक वाणिज्य दूतावास बंद कर दिया था। रूस का कहना है कि यह नया फैसला पोलैंड की उसी कार्रवाई का जवाब है। रूस ने कहा, अगर कोई हमारे खिलाफ गलत कदम उठाएगा, तो उसका जवाब जरूर दिया जाएगा। पोलैंड ने क्राको में रूसी दूतावास इसलिए बंद किया था, क्योंकि राजधानी वारसॉ के एक शॉपिंग सेंटर में आग लग गई थी। पोलैंड के प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क ने आरोप लगाया कि यह आग रूस की खुफिया एंजेंसियों ने लगवाई थी। यह आग 12 मई 2024 को लगी थी। हालांकि, इसमें कोई जनहानि नहीं हुई, लेकिन इसमें 1,400 दुकानें और सर्विस सेंटर तबाह हो गए। इनमें से कई दुकानें वियतनामी लोगों की थीं। रूस ने इन आरोपों से साफ इनकार किया है। उसने कहा है कि पोलैंड में आगजनी और दूसरी घटनाओं से उसका कोई लेना-देना नहीं है।

शेख हसीना के करीबी अर्थशास्त्री अबुल बरकत गिरफ्तार

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश की पूर्व पीएम शेख हसीना के एक और नजदीकी पर गाज गिरी है। बांग्लादेश पुलिस की जासूसी शाखा (डीबी) ने बृहस्पतिवार आधी रात को प्रसिद्ध अर्थशास्त्री प्रो. अबुल बरकत को गिरफ्तार किया। उन पर एनॉनटेक्स समूह से जुड़े 297 करोड़ टका की हेराफेरी का आरोप है। वह हसीना कार्यकाल में सरकारी स्वामित्व वाले जनता बैंक के अध्यक्ष थे। ढाका मेट्रोपॉलिटन पुलिस आयुक्त नसीरुल इस्लाम ने बताया, हमने अबुल बरकत को एसीसी (भ्रष्टाचार विरोधी आयोग) मामले में आरोपी के तौर पर गिरफ्तार किया है। हम उन्हें एसीसी को सौंप देंगे। ढाका ट्रिब्यून की रिपोर्ट के मुताबिक, अवामी लीग के शासनकाल में अबुल बरकत सहित 30 लोगों के खिलाफ एनोंटेक्स नामक कंपनी द्वारा ऋण धोखाधड़ी के जरिये करोड़ों टका का गबन करने का मामला दर्ज किया गया था।

यूरोपीय संघ के नौसैनिक मिशन ने कहा- हमले में चार लोगों के मारे जाने की आशंका, 11 लापता

दुबई, एजेंसी। यूरोपीय संघ के नौसैनिक मिशन ने शुक्रवार को बताया कि यमन के हूती विद्रोहियों के हमले के बाद एक मालवाहक जहाज लाल सागर में डूब गया। इस जहाज पर लाइबेरिया का झंडा था। नौसैनिक मिशन ने कहा कि हमले में कम से कम चार लोगों के मारे जाने और 11 अन्य के लापता होने की आशंका है। यह जानकारी यूरोपीय संघ के ऑपरेशन एस्पाइड्स नाम के नौसैनिक मिशन ने दी। यह घटना ऐसे समय हुई है जब निजी सुरक्षा बल यूनानी स्वामित्व वाले जहाज एटरनिटी सी के बचे हुए लोगों की तलाश कर रहे हैं। यह जहाज बुधवार को डूब गया था। यूरोपीय संघ के अभियान के अनुसार, हमले के बाद अब तक 10 लोगों को बचा लिया गया है। इनमें 8 फिलिपिनो चालक दल के सदस्य हैं। बाकी दो जहाज की तीन सदस्यीय सुरक्षा टीम से हैं- इनमें एक यूनानी और एक भारतीय शामिल हैं। मिशन ने बताया कि 15 लोग लापता हैं, जिनमें से चार की मौत होने की आशंका है। यूरोपीय संघ मिशन ने कहा, आस-पास के सभी जहाजों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है। हूती विद्रोहियों ने कहा कि कुछ चालक दल के सदस्य उनके कब्जे में हैं। एक दशक से सऊदी अरब से संचालित यमन में अमेरिकी दूतावास ने हूतियों पर नाविकों का अपहरण करने का आरोप लगाया है। ईरान समर्थित हूतियों द्वारा किया गया यह हमला अब तक के सबसे घातक समुद्री हमलों में से एक है, जो इस महत्वपूर्ण व्यापारिक रास्ते पर किया है। इस रास्ते से पहले हर साल करीब 1 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर का माल जाता था। हूती विद्रोहियों का कहना है कि वे इस्राइल-हमास युद्ध के दौरान गाजा पट्टी में फलस्तीनियों का समर्थन करने वाले जहाजों पर हमला कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वह अब तक चार जहाजों को डुबो चुके हैं और उन नाविकों को मार चुके हैं, जिनकी युद्ध में कोई प्रत्यक्ष भूमिका नहीं थी। एटरनिटी सी पर हमला पिछले हफ्ते मैजिक सीज नाम के जहाज पर हुए हमले जैसा ही था। इन दोनों घटनाओं के समय कोई यूरोपीय या अमेरिकी नौसेना इन जहाजों के साथ नहीं थी। हूतियों ने पहले भी नाविकों को बंधक बनाया है। नवंबर 2023 में उन्होंने गैलेक्सी लीडर नामक जहाज को कब्जे में ले लिया था और उसके चालक दल को इस साल जनवरी तक बंधक बनाकर रखा।

टेक्सास में बाढ़ पीड़ितों से मिले ट्रंप, बोले- ऐसी तबाही पहले कभी नहीं देखी, फेमा पर साधी चुप्पी

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को टेक्सास के केरविल शहर का दौरा किया, जहां 4 जुलाई को आई भीषण बाढ़ ने भारी तबाही मचाई थी। इस बाढ़ में अब तक कम से कम 120 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 170 से ज्यादा लोग लापता हैं। ट्रंप ने पीड़ित परिवारों से मुलाकात की और राहत कार्यों में जुटे स्थानीय अधिकारियों की सराहना की। इस दौरान उन्होंने पहली बार भावुक लहजे में कहा कि उन्होंने ऐसी तबाही पहले कभी नहीं देखी। ट्रंप लंबे समय से फेडरल इमरजेंसी मैनेजमेंट एजेंसी (फेमा) को खत्म करने की बात करते रहे हैं। लेकिन टेक्सास में भारी नुकसान देखने के बाद उन्होंने फेमा की भूमिका पर कोई टिप्पणी नहीं की। इसके बजाय उन्होंने कहा कि हम जो भी कर सकते हैं, टेक्सास के लिए करेंगे। ट्रंप ने 8 और काउंटियों को डिजास्टर जोन घोषित कर, उन्हें फेडरल मदद दिलाने का ऐलान भी किया। ट्रंप ने केरविल में आपातकालीन संचालन केंद्र का दौरा किया और कहा कि यहां जो लोग खोज और बचाव अभियान चला रहे हैं, वे अविश्वसनीय हैं। ऐसा काम शायद ही कोई कर पाए। उन्होंने 'कैंप मिस्टिक' का विशेष रूप से जिक्र किया, जहां 27 लड़कियों की मौत हुई। मेलानिया ट्रंप ने भी स्थानीय युवतियों से मुलाकात की, जिन्होंने उन्हें एक खास ब्रेसलेट भेंट किया, जो मृत बालिकाओं की याद में बनाया गया था। पहले के विपरीत इस दौरे में ट्रंप ने राजनीतिक बयानबाजी से परहेज किया। उन्होंने कहा कि मैं राजनीति की बात नहीं करना चाहता। हम यहां पीड़ितों के लिए आए हैं। हालांकि उन्होंने एक बार फिर दावा किया कि उनकी नीतियों से देश में अंडों के दाम घटे हैं। इस दौरान उन्होंने फेमा को लेकर भी सकारात्मक बातें कहीं, जो कि कुछ हफ्ते पहले तक बंद करने की उनकी योजना का हिस्सा थी। उन्होंने टेक्सास के सांसद चिप रॉय की भी तारीफ की, जिन्होंने पहले ट्रंप के टैक्स बिल का विरोध किया था। ट्रंप ने कहा कि चिप आसान नहीं हैं, लेकिन अच्छा काम करते हैं। केर काउंटी कमिश्नर जेफ होल्ट ने बताया कि बाढ़ के दौरान फोन टावर काम नहीं कर रहे थे और चेतावनी प्रणाली में भी सुधार की जरूरत है।

ट्रंप सरकार की बड़ी कार्रवाई :

1300 राजनयिकों और कर्मचारियों की छंटनी से विदेश विभाग में मचा हड़कंप

वाशिंगटन, एजेंसी। ट्रंप प्रशासन की नीतियों के तहत विदेश विभाग में बड़े स्तर पर बदलाव किया जा रहा है। इसके तहत विदेश विभाग ने 1,300 राजनयिकों और सिविल सेवकों को नौकरी से निकाल दिया, जिससे विवाद और आलोचना शुरू हो गई है। इनमें 1,107 सिविल सेवक और लगभग 240 विदेश सेवा अधिकारी शामिल हैं। वाशिंगटन पोस्ट ने इस आशय की खबर दी है। विदेश विभाग इस कदम को ड्रास्टिक पुनर्गठन का हिस्सा बता रहा है। इसका उद्देश्य बजट में कटौती के साथ साथ विभाग को और अधिक चुस्त-दुरुस्त बनाना बताया जा रहा है। हालांकि, इस पर विपक्ष की ओर से तीखी आलोचना भी हो रही है।

विवाद और चिंता की लहर : राजनयिक व पूर्व कर्मचारी इसे विदेश नीति में अस्थिरता पैदा करने वाला कदम बता रहे हैं। उनका कहना है कि बड़े पैमाने पर छंटनी से अमेरिका की अंतरराष्ट्रीय छवि और कामकाज प्रभावित हो सकता है।

ट्रंप प्रशासन के फैसले पर प्रतिक्रिया : पूर्व राजनयिकों ने इसे संस्थानिक अनुभव की बर्बादी बताया है। अमेरिकी कांग्रेस में डेमोक्रेट्स ने इस फैसले की आलोचना करते हुए कहा कि यह राजनयिक ताकत को कमजोर करने वाला कदम है। कुछ रिपब्लिकन नेताओं ने भी निजी रूप से चिंता जाहिर की कि यह विदेश नीति को प्रभावित कर सकता है। कर्मचारी संघों ने इसे कठोर और अचानक फैसला बताया है जिससे कर्मचारियों का मनोबल टूट रहा है।

ट्रंप प्रशासन के इस फैसले के कुछ अछूते पहलू : कांग्रेस में इस छंटनी पर हाउस फॉरेन अफेयर्स कमेटी में सुनवाई की मांग की जा रही है। बर्खास्त कर्मचारियों के लिए लीगल सपोर्ट ग्रुप्स और एनजीओ सक्रिय हो चुके हैं। विदेश विभाग की ओर से कहा गया है कि कुछ पदों को संविदा में बदला जाएगा, जिससे खर्च घटेगा। रिपोर्ट्स के अनुसार, कुछ वरिष्ठ अधिकारी वैकल्पिक रोजगार की तलाश में निजी सेक्टर की ओर रुख कर रहे हैं।

दूतावासों और मिशनों में कार्यभार बढ़ गया : महिला राजनयिकों और अल्पसंख्यकों की बर्खास्ती की संख्या अपेक्षाकृत अधिक बताई जा रही है, जिससे विविधता पर असर पड़ा है। इस निर्णय से दूतावासों और मिशनों में कार्यभार बढ़ गया है, जिससे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अमेरिका की प्रतिक्रिया समय प्रभावित हो रही है। विदेश नीति विश्लेषकों का मानना है कि ऐसे कदम से ग्लोबल डिप्लोमैटिक रिलेशंस कमजोर हो सकते हैं। अमेरिका के कुछ सहयोगी देश भी इस पर चिंता जता चुके हैं, खासकर जहां दूतावासों का स्टाफ घटा है।

क्यों की गई 1,300+ लोगों की छंटनी ? : ट्रंप सरकार ने अपने अमेरिका फर्स्ट एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए विदेश विभाग में ढांचा बदलने का फैसला किया। इसका मकसद अमेरिकी हितों को प्राथमिकता देना और विदेशों में होने वाले खर्चों में कटौती करना था।

ब्यूरोक्रेसी घटाना, काम की रफ्तार बढ़ाना : लगभग 300 से अधिक विभागों और कार्यालयों को मिलाया या बंद किया गया ताकि प्रशासनिक प्रक्रिया तेज़ और सरल हो सके। इससे निर्णय लेने में देरी कम होगी और कामकाज बेहतर होगा।

सरकारी खर्च में कटौती और बजट की बचत : सरकार ने अनुमान लगाया कि इस छंटनी से लगभग 15-18प्रतिशत खर्च घटेगा। करीब 1,900 पदों को हटाने की योजना बनाई गई, जिनमें से 1,300 पदों पर अभी की छंटनी लागू की गई है। यह कदम बजट में भारी दबाव को कम करने के लिए उठाया गया।

म्यांमार में बौद्ध मठ पर बमबारी, चार बच्चों समेत 23 की मौत; सागाइंग कस्बे में रात 1 बजे गिराए बम

बैंकॉक, एजेंसी। म्यांमार के सागाइंग कस्बे के लिन ता लू गांव स्थित एक बौद्ध मठ पर बृहस्पतिवार की रात जमकर हवाई हमले किए गए। मठ परिसर में शरण लिए 23 लोगों की मौत हो गई, जबकि 30 लोग घायल हो गए। इनमें से 10 की हालत गंभीर है।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, एक इमारत पर रात 1 बजे बम गिराया गया, जहां 4 बच्चों समेत 23 लोग मारे गए। क्षेत्र में लड़ाई से बचने के लिए आसपास के गांवों के 150 से अधिक लोगों ने शरण ली हुई थी। म्यांमार की स्वतंत्र डेमोक्रेटिक वॉयस ऑफ बर्मा ने बताया, मृतक संख्या 30 तक हो सकती है। सेना ने घटना पर टिप्पणी नहीं की है।

दरअसल, फरवरी 2021 में सेना द्वारा आंग सान सू की की निर्वाचित सरकार से सत्ता हथियाने और गृह युद्ध शुरू होने के बाद से म्यांमार उथल-पुथल में है। मठ पर हमला ऐसे वक्त हुआ, जब सैकड़ों सैनिकों ने लिन ता लू से 5 किमी क्षेत्र में टैंकों-विमानों के साथ आक्रामक अभियान में भाग लिया था। वे प्रतिरोध समूहों द्वारा नियंत्रित क्षेत्र वापस लेना चाहते थे। प्रतिरोध सेनानी ने कहा, यहां हजारों लोग गांवों में विस्थापित हो गए हैं।

विपक्ष की राष्ट्रीय एकता सरकार के प्रवक्ता ने कहा, सैन्य शासन वर्ष के अंत में होने वाले आम चुनाव से पहले विद्रोही नियंत्रण वाले क्षेत्रों पर फिर से कब्जा करने का प्रयास कर रहा है। इस सर्वेक्षण को व्यापक रूप से मतपेटी के माध्यम से सेना द्वारा सत्ता पर कब्जा करने को सामान्य बनाने का प्रयास बताया जा रहा है।

ईरान ने 16 दिन में 5 लाख अफगानियों को निकाला : इजराइल से संघर्ष के बाद शरणार्थियों पर कार्रवाई तेज

तेहरान, एजेंसी। ईरान ने महज 16 दिनों में 5 लाख से ज्यादा अफगान नागरिकों को देश से बाहर निकाल दिया है। यह कार्रवाई 24 जून से 9 जुलाई के बीच हुई है। यानी हर दिन औसतन 30,000 से ज्यादा अफगानों को देश से निकाला गया। संयुक्त राष्ट्र ने इसे दशक की सबसे बड़ी जबरन निकासी में से एक करार दिया है। ईरान इजराइल के साथ तनावपूर्ण संघर्ष के बाद आंतरिक सुरक्षा का हवाला देकर प्रवासियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई कर रहा है। ईरान ने मार्च 2025 में ऐलान किया था कि अवैध रूप से रह रहे अफगान प्रवासी 6 जुलाई तक देश छोड़ दें, वरना उन्हें जबरन निकाला जाएगा। जून में ईरान और इजराइल के बीच 12 दिन चले सैन्य संघर्ष के बाद यह अभियान और तेज हो गया।

शरणार्थी बोले- हमें भूखा रखा गया, पीटा गया, लूटा गया

ईरान से निर्वासित हुए एक अफगान शरणार्थी बशीर ने मीडिया से बात करते हुए बताया कि अधिकारियों ने उससे 17 हजार रुपए मांगे। फिर दो दिन डिटेंशन सेंटर में रखा। इस दौरान न खाना दिया गया और न ही पानी। बशीर के मुताबिक अधिकारी उसे गालियां देते थे। एक दूसरे युवक ने बताया कि उसके पिता को जासूसी के आरोप में पकड़कर बेड़ियों में बांधा गया। उन्हें खाना-पानी नहीं दिया गया और बाद में डिटेन करके अफगानिस्तान भेज दिया। द गार्जियन से बात करते हुए एक अफगान महिला ने बताया कि, ईरानी अधिकारी रात में आए। उन्होंने बच्चों के कपड़े तक नहीं लेने दिए। हमें कूड़े की तरह फेंक दिया। रास्ते में बैंक कार्ड से पैसे निकाल लिए। पानी की बोतल के 80 रुपए और सैंडविच के 170 रूपए वसूले।

ईरान से निकाले गए लोगों में सैकड़ों नाबालिग बच्चे हैं, जिनमें कई अनाथ और अकेले हैं।

यूएन के अनुसार, हर हफ्ते सैकड़ों बच्चों को बिना अभिभावकों के सीमा पर पाया जा रहा है। यूएन अधिकारी मिहयोंग पार्क ने सीएनएन से कहा कि यह संख्या चौंकाने वाली है।

आरोपी को टीवी पर जुर्म कुबूल कराया

ईरान के सरकारी चैनल पर एक अफगान नागरिक को इजराइल के लिए जासूसी कबूल करते दिखाया गया। उसने कहा कि उसे जर्मनी में रहने वाले एक अफगान ने कुछ जगहों की जानकारी देने के लिए कहा और 2 हजार डॉलर दिए। लेकिन उसका नाम, ठोस सबूत और प्रक्रिया कुछ भी नहीं बताया गया।

कतर में अमेरिकी बेस पर गिरी थी ईरान की मिसाइल : अमेरिकी रक्षा मंत्रालय ने पुष्टि की

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिकी रक्षा मंत्रालय ने पहली बार पुष्टि की है कि 22 जून को कतर में मौजूद उसके मिलिट्री एयरबेस पर ईरान की एक बैलिस्टिक मिसाइल गिरी थी। पेंटागन के प्रवक्ता शॉन पर्नेल ने शुक्रवार को कहा कि मिसाइल से बेस पर सामान और ढांचे को हल्का नुकसान हुआ है। लेकिन एयरबेस अभी भी पूरी तरह चालू है और अमेरिका अपने कतरी साझेदारों के साथ मिलकर क्षेत्रीय सुरक्षा मिशन को जारी रखे हुए है। ईरान ने अपने परमाणु ठिकानों पर हमलों का बदला लेने के लिए कतर में अमेरिका के अल-उदीद एयर मिलिट्री बेस को निशाना बनाया था। उसने कुल 6 मिसाइलें दागी थीं। ईरान की इस्लामिक रिवॉल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने भी हमले की पुष्टि करते हुए बताया था कि उसने कतर में अमेरिका के बेस पर जवाबी मिसाइल हमला किया है।

सैटेलाइट इमेज से हुआ खुलासा

यह बयान एसोसिएटेड प्रेस की तरफ से जारी की गई सैटेलाइट तस्वीरों के बाद आया। इनमें एयरबेस पर हमले का असर साफ दिखता है। तस्वीरों के मुताबिक, 23 जून की सुबह एयरबेस पर एक जियोडेसिक डोम मौजूद था, जो हमले के बाद पूरी तरह नष्ट हो चुका है। यह डोम एक सैटेलाइट कम्युनिकेशन टर्मिनल को ढंकता था। इस टर्मिनल को 2015 में 15 मिलियन डॉलर की लागत से तैयार किया गया था। इसके अंदर एक सैटेलाइट डिश लगी हुई थी। जो अमेरिकी वायु सेना की 379वीं वायु अभियान शाखा के लिए कम्युनिकेशन सिस्टम का हिस्सा थी। हमले के बाद की तस्वीरों में दिखा कि यह नहीं है और पास की एक इमारत को भी नुकसान हुआ है। हालांकि, एयरबेस का बाकी हिस्सा काफी हद तक सुरक्षित दिखता है।

अमेरिका ने ईरान के परमाणु ठिकानों को निशाना बनाया था

अमेरिका ने 22 जून को ईरान के 3 परमाणु ठिकानों पर 7 बी-2 बॉम्बर से हमला किया था। इनमें फोर्डो, नतांज और इस्फहान शामिल थे। ईरानी परमाणु ठिकानों पर मिसाइल गिराने के करीब 13 घंटे बाद अमेरिकी रक्षा मंत्री और जॉइंट चीफ ऑफ स्टाफ जनरल डैन केन ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया। इसमें जनरल डैन केन ने बताया कि ईरान में चले ऑपरेशन का नाम 'ऑपरेशन मिडनाइट-हैमर' था। इसमें 125 से ज्यादा जेट शामिल हुए थे। अमेरिकी हमलों के बाद ईरान के परमाणु ठिकानों की सैटेलाइट तस्वीरें भी सामने आईं।

एमक्यूएम के संस्थापक अल्ताफ हुसैन की हालत गंभीर, लंदन के अस्पताल में भर्ती

लंदन, एजेंसी। लंदन से ही कराची को कंट्रोल करने की क्षमता रखने वाले मुत्ताहिदा कौमी मूवमेंट (एमक्यूएम) के संस्थापक अल्ताफ हुसैन को गंभीर बीमारी के चलते अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। अल्ताफ हुसैन 1992 से ही लंदन में निर्वासित जीवन जी रहे हैं। अल्ताफ ने मोहाजिरों के अधिकारों के लिए मोहाजिर कौमी मूवमेंट नाम की पार्टी बनाई थी। हालांकि जब उनकी पार्टी का नाम अलगाववादियों के साथ जोड़ा जाने लगा तो उन्होंने ही मोहाजिर की जगह मुत्ताहिदा कर दिया। ब्रिटेन की सरकार ने उन्हें नागरिकता दे दी है। लंदन में रहकर भी पाकिस्तान की राजनीति में उनका दबदबा बना ही रहता है। वह अकसर वीडियो के जरिए अपने राजनीतिक भाषण पहुंचाते रहते हैं।

एमक्यूएम नेता मुस्तफा अजीजाबादी ने उनके स्वास्थ्य की जानकारी देते हुए कहा उनके टेस्ट किए जा रहे हैं। उन्होंने लोगों से अल्ताफ हुसैन की अच्छी सेहत की दुआ करने की अपील की है। पाकिस्तानी अखबार डॉन से बात करते हुए अजीजाबादी ने कहा, तनाव से जूझ रहे अल्ताफ हुसैन के डॉक्टरों ने ब्लड ट्रांसफ्यूजन की सलाह दी थी। इसके अलावा अन्य बीमारियों का भी इलाज चल रहा है। फिलहाल वह लंदन के अस्पताल में आईसीयू में भर्ती हैं। 2021 में उन्हें कोरोना भी हो गया था।

कौन हैं अल्ताफ हुसैन : साल 2018 से पहले कराची में अल्ताफ हुसैन का सिक्का चलता था। कराची की राजनीति उनके इशारे पर चलती थी। हालांकि बाद के सालों में उनका रुतबा कम होने लगा। अल्ताफ हुसैन ऐसे राजनेता हैं जिन्होंने पाकिस्तान में रहने वाले करोड़ों मोहाजिरों के अधिकारों की लड़ाई लड़ी। विभाजन के बाद जो मुसलमान भारत से पाकिस्तान गए थे उन्हें मोहाजिर कहा जाता है। ज्यादातर मोहाजिर उर्दू भाषी हैं। हुसैन का जन्म 17 सितंबर 1953 को कराची में ही हुआ था। शुरुआती शिक्षा उन्होंने अजीजाबाद से ली। इसके बाद कराची यूनिवर्सिटी में फार्मेसी की पढ़ाई करने लगे। कराची विश्वविद्यालय में ही वह अजीम तारिक के संपर्क में आए। उन्होंने ऑल पाकिस्तान मोहाजिर स्टूडेंट ऑर्गनाइजेशन का गठन किया था। थोड़े ही समय में एपीएमएसओ की लोकप्रियता बढ़ी। इसके बाद हुसैन ने मोहाजिर कौमी मूवमेंट का स्थापना की। 1988 के चुनाव में सिंध के शहरी इलाकों में पार्टी ने क्लीन स्वीप कर दिया। वहीं 1990 में हुसैन खुद ही निर्वासित जीवन जीने के लिए लंदन चले गए।

कराची को पाक से अलग करने की मांग : हुसैन पर आरोप लगे कि सत्ता पाने के के लिए वह हिंसा कासहारा लेते हैं। वहीं हुसैन का कहना था कि उनके कार्यकर्ताओं पर लगातार हमले होते हैं। 2013 हुसैन ने कराची को पाकिस्तान से अलग करने की मांग कर दी थी। वहीं बाद में उनकी पार्टी ने सफाई दी और कहा कि उनकी बातों का गलत मतलब निकाला गया है।

पाकिस्तान को बता दिया था दुनिया का कैंसर : हुसैन ने अगस्त 2016 में अपने एक भाषण में पाकिस्तान को दुनिया का कैंसर बता दिया था। इसके बाद एमक्यूएम कार्यकर्ताओं ने एआरवाई न्यूज के ऑफिस पर हमला कर दिया। वहीं पाकिस्तानी एजेंसियों ने अजीजाबाद में हुसैन के घर पर और कराची हेडक्वार्टर पर छापा मारा। हुसैन की पार्टी के ही नेताओं ने उनसे दूरी बना ली और पार्टी के संविधान से उनका नाम भी हटा दिया। वहीं 2019 में ब्रिटिश पुलिस ने भी उनपर हिंसा के लिए उकसाने का आरोप लगाया। उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। 2022 में एक अदालत ने उन्हें बाइज्जत बरी कर दिया।

भोजन-पानी भी नहीं हो रहा नसीब, गाजा में सहायता केंद्रों के पास 798 लोगों की मौत, रिपोर्ट ने चौंकाया

गाजा, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार कार्यालय (ओएचसीएचआर) ने गाजा में मचे कत्लेआम पर ताजा रिपोर्ट जारी की है। इसमें बताया गया कि गाजा में पिछले छह हफ्ते में सहायता वितरण केंद्रों और काफिलों के पास 798 लोगों की मौत हुई है। इनमें से 615 मौतें अमेरिका और इजरायल समर्थित गाजा ह्यूमैनिटेरियन फाउंडेशन (जीएचएफ) के केंद्रों के आसपास हुईं। 183 मौतें अन्य राहत समूहों के काफिलों के रास्ते में हुईं। ओएचसीएचआर के अनुसार, अधिकांश घायलों को गोली लगने से चोटें आईं। यह स्थिति मानवीय निष्पक्षता के मानकों का उल्लंघन करती है। संयुक्त राष्ट्र ने जीएचएफ के सहायता मॉडल को स्वाभाविक रूप से असुरक्षित करार दिया है और इसे अत्याचार अपराधों से जोड़ा है।

जीएचएफ ने संयुक्त राष्ट्र के आंकड़ों को झूठा और भ्रामक बताते हुए खारिज कर दिया। इसने दावा किया कि सबसे घातक हमले संयुक्त राष्ट्र के काफिलों से जुड़े हैं। जीएचएफ का कहना है कि उसने पांच सप्ताह में गाजा में 7 करोड़ से अधिक भोजन पैकेट बांटे गए हैं, जबकि अन्य मानवीय समूहों की सहायता को हमास या आपराधिक गिरोहों ने लूट लिया। दूसरी ओर, संयुक्त राष्ट्र ने सहायता लूट की घटनाओं की पुष्टि की है। विश्व खाद्य कार्यक्रम ने बताया कि गाजा में भोजन ले जाने वाले ज्यादातर ट्रकों को भूखे लोगों ने रोक लिया।

सुरक्षा के उठाए गए कदम मगर : इजरायल ने कहा कि वह अपने सैन्य अभियानों के दौरान सहायता आपूर्ति को हमास के हाथों में जाने से रोकने के लिए कदम उठा रहा है, जिसमें बाड़ और संकेत लगाना शामिल है। हालांकि, गाजा में 21 महीने से चल रही सैन्य कार्रवाई के कारण भोजन और अन्य बुनियादी आपूर्तियों की भारी कमी हो गई है। 23 लाख की आबादी में से अधिकांश विस्थापित हो चुके हैं। ओएचसीएचआर ने सहायता प्राप्त करने की कोशिश में मारे गए लोगों की जांच की मांग की है, ताकि इन हिंसक घटनाओं की वजहों का पता लगाया जा सके।

भारत में घुसपैठ के लिए नेपाल पर पाकिस्तानी आतंकियों की नजर, टॉप अफसर की चेतावनी

काठमांडू, एजेंसी। नेपाली राष्ट्रपति के सलाहकार सुनील बहादुर थापा ने पाकिस्तान आधारित आतंकवाद को क्षेत्रीय सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा बताया है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तानी आतंकी संगठन (जैसे- लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद) भारत में कई हमलों के लिए जिम्मेदार हैं। ये नेपाल को भारत पर हमले के लिए आवाजाही मार्ग के रूप में इस्तेमाल कर सकते हैं। थापा ने यह बात काठमांडू में नेपाल इंस्टीट्यूट फॉर इंटरनेशनल कोऑपरेशन एंड एंगेजमेंट की ओर से आयोजित कार्यक्रम में कही। इस उच्च-स्तरीय सेमिनार का विषय दक्षिण एशिया में आतंकवाद : क्षेत्रीय शांति और सुरक्षा के लिए चुनौतियां रखा गया था।

कार्यक्रम में रणनीतिक विशेषज्ञों, राजनयिकों और शिक्षाविदों ने इस बात पर जोर दिया कि पाकिस्तान से उत्पन्न होने वाला आतंकवाद दक्षिण एशिया में क्षेत्रीय शांति और स्थिरता के लिए खतरा है। नेपाल के पूर्व रक्षा मंत्री मिनेंद्र रिजाल ने बताया कि भारत में होने वाले आतंकवादी हमलों का नेपाल की आंतरिक सुरक्षा पर भी प्रभाव पड़ता है। सेमिनार में पाकिस्तान को आतंकवाद को प्रायोजित करने के लिए जिम्मेदार ठहराया गया, जिसने दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन को कमजोर किया है। इसने क्षेत्रीय एकजुटता को भी बाधित किया है।

पाकिस्तान के खिलाफ जमकर बोला हमला : एनआईआईसी के निदेशक डॉ. प्रमोद जायसवाल ने पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा मुहम्मद आसिफ के हालिया बयान का हवाला दिया, जिसमें उन्होंने स्वीकार किया कि पाकिस्तान आतंकवादियों को पनाह देता और फंड करता है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान दक्षिण एशिया में आतंकवाद का केंद्र रहा है। वहीं, नेपाल के पूर्व सेना प्रमुख जनरल शिशिर खनाल ने भारत की ऑपरेशन सिंदूर की प्रशंसा की, इसे सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ साहसी और आवश्यक कदम बताया। पूर्व नेपाल प्रधानमंत्री के सलाहकार डॉ. दिनेश भट्टाराई ने कहा कि पहलगाम हमला हाल के वर्षों में सबसे घातक हमला था, जिसमें एलईटी की ओर से 26 नागरिक मारे गए। इसमें एक नेपाली नागरिक सुमित्रा कार्की भी शामिल थीं।

ताइवान-वियतनाम की कंपनियां भारत में 'फुटवियर' क्षेत्र में करेंगी निवेश

कंपनियों को सरकारी समर्थन की जरूरत

नई दिल्ली ।

भारत का गैर-चमड़ा फुटवियर उद्योग विदेशी निवेश के एक नए अवसर की ओर बढ़ रहा है। ताइवान और वियतनाम की प्रमुख कंपनियां इस क्षेत्र में निवेश को इच्छुक हैं। चमड़ा निर्यात परिषद (सीएलई) के एक अधिकारी ने बताया कि इन देशों की कंपनियां भारत में उत्पादन इकाइयां स्थापित करना चाहती हैं, लेकिन इसके लिए सरकार से नीति और लॉजिस्टिक सहयोग जरूरी होगा। इन कंपनियों को चीन से सोल, सांचे, मशीनरी और कपड़े जैसे उत्पाद आयात करने पड़ते हैं। ऐसे में भारत सरकार को इनके आयात को सुगम बनाने की दिशा में काम करना चाहिए। अे धिकारी ने बताया कि भारत का फुटवियर निर्यात 2024-25 में 5.75 अरब डॉलर रहा और 2025-26 तक इसे 7 अरब डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। अमेरिका इस क्षेत्र का सबसे बड़ा बाजार है, जहां 20 फीसदी भारतीय निर्यात जाता है, इसके बाद ब्रिटेन (11 फीसदी) और जर्मनी आते हैं। उन्होंने अमेरिका के साथ व्यापार समझौते की वकालत करते हुए कहा कि वर्तमान 18.5 फीसदी शुल्क को कम कर बाजार हिस्सेदारी बढ़ाई जा सकती है। उन्होंने सरकार से फुटवियर क्षेत्र के लिए केंद्रित उत्पाद योजना शुरू करने की मांग भी की। ग्रोमोर इंटरनेशनल लिमिटेड के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि तमिलनाडु

में पहले ही कुछ ताइवानी कंपनियां निवेश कर चुकी हैं और उत्तर प्रदेश-बिहार जैसे राज्यों में किफायती श्रम बल को देखते हुए यहां भी निवेश की भारी संभावना है। विदेशी तकनीक के सहयोग से घरेलू उत्पादन की गुणवत्ता बढ़ेगी और रोजगार के अवसर भी सृजित होंगे।

हुडको ने एमपी सरकार के साथ 1 लाख करोड़ का करार किया

- शेयर की कीमत 230 रुपए के आसपास

नई दिल्ली ।

हाउसिंग एंड अर्बन डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड (हुडको) ने मध्य प्रदेश अर्बन डेवलपमेंट कंपनी लिमिटेड (एमपीयूडीसीएल) के साथ 1 लाख करोड़ का मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग (एमओयू) साइन किया है। इस करार के तहत हुडको अगले पांच वर्षों में राज्य में हाउसिंग और इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करेगा। इसके अलावा कंपनी कंसल्टेंसी और निर्माण कार्य में भी सहयोग करेगी। इस समझौते पर हस्ताक्षर समारोह हाल ही में इंदौर में आयोजित हुआ, जिसमें मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, मंत्री कैलाश विजयवर्गीय और हुडको के सीएमडी संजय कुलश्रेष्ठ मौजूद थे। यह करार शहरी विकास को गति देने और नागरिक सुविधाएं बेहतर बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है। हुडको ने वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही में शानदार प्रदर्शन किया। कंपनी का शुद्ध मुनाफा 4 फीसदी बढ़कर 728 करोड़ रुपए रहा, जबकि नेट इंटरेस्ट इनकम में 26 फीसदी की बढ़त दर्ज की गई। एयूएम में 35 फीसदी की वृद्धि और ग्रॉस एनपीए घटकर

1.67 फीसदी हो गया। कंपनी ने 1.05 रुपए प्रति शेयर का फाइनल डिविडेंड देने की सिफारिश की है। शुक्रवार को बीएसई पर हुडको का शेयर 230.65 पर बंद हुआ, जिसमें 0.28 फीसदी की मामूली गिरावट रही।

बीते सप्ताह घरेलू तेल-तिलहन के दामों में मजबूती, सावन में मांग बढ़ी

- कच्ची घानी मिलों की मांग बढ़ने से सरसों तेल-तिलहन के दाम मजबूत हुए

नई दिल्ली ।

बीते सप्ताह घरेलू तेल-तिलहन बाजार में विदेशी बाजारों में खाद्य तेलों की कीमतों में सुधार और सावन के मौसम में बढ़ी मांग के कारण सरसों, मूंगफली, सोयाबीन, कच्चा पामतेल (सीपीओ), पामोलीन और बिनौला तेल के दामों में मजबूती देखने को मिली। हालांकि, सोयाबीन तिलहन की कीमतें कमजोर मांग के चलते गिरावट के साथ बंद हुईं। बाजार सूत्रों के अनुसार सावन के मौसम में पारंपरिक तौर पर खाद्य तेलों की मांग बढ़ती है, जिससे घरेलू बाजार में तेल-तिलहन के दाम सुधरे। खासतौर पर कच्ची घानी मिलों की मांग बढ़ने से सरसों तेल-तिलहन के दाम मजबूत हुए। सरकार के पास मौजूद सरसों के स्टॉक को संभलकर बेचना होगा, क्योंकि नई फसल आने में अभी 7-8 महीने का समय बचा है। विशेषज्ञों का सुझाव है कि सरकार को स्टॉकिस्टों के बजाय तेल मिलों को सरसों बेचनी चाहिए ताकि वे पेराई के बाद तेल को बाजार में उतारने की गारंटी दें। सोयाबीन डी-आयल्ड केक के दाम ऊंचे होने से उसकी मांग

कमजोर रही, जिससे सोयाबीन तिलहन के दाम गिरावट के साथ बंद हुए। वहीं, सोयाबीन तेल की कीमतों में सुधार रहा क्योंकि इसकी कीमतें आयातकों के लागत से कम हैं और सरसों- सूरजमुखी तेल की तुलना में सस्ती हैं। मूंगफली के दाम एमएसपी से करीब 15 प्रतिशत नीचे हैं, लेकिन निर्यात की उम्मीद और व्रत के कारण मूंगफली तेल की मांग बढ़ी है। बीते सप्ताह सरसों दाने का थोक भाव 7,050-7,100 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों तेल का भाव 15,450 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गया। सोयाबीन दाने और लूज के दाम गिरावट के साथ 4,350-4,400 रुपये और 4,050-4,150 रुपये पर बंद हुए। मूंगफली तिलहन और तेल के दामों में भी सुधार दर्ज हुआ। सरकार को खाद्य तेलों के खुदरा दामों पर नियंत्रण के लिए एक पोर्टल बनाने पर विचार करना चाहिए, जिससे एमआरपी की जानकारी पारदर्शी हो और कीमतों में तेजी को रोका जा सके।

भारत में अब कई प्रीमियम और खास इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद भी बनने लगे

- डिक्सन टेक्नोलॉजीज यूरेका फोर्ब्स के साथ मिलकर भारत में ही बना रही रोबोट वैक्यूम क्लीनर

नई दिल्ली। भारत में अब सिर्फ स्मार्टफोन या टीवी ही नहीं, बल्कि कई प्रीमियम और खास इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद भी बनने लगे हैं। इनमें रोबोट वैक्यूम क्लीनर, कॉफी मेकर, बिल्ट-इन रेफ्रिजरेटर और एयर फ्रायर जैसे उपकरण शामिल हैं, जो पहले पूरी तरह से विदेशों से मंगाए जाते थे। यह बदलाव सरकार की नई नीति, खासकर बीआईएस (ब्यूरो आफ इं डियन स्टैंडर्ड) के क्वालिटी कंट्रोल ऑर्डर (क्यूसीओ) के कारण आया है। क्यूओसी का मकसद है कि भारत में बनने वाले इलेक्ट्रॉनिक सामानों की गुणवत्ता अंतरराष्ट्रीय स्तर की हो, और विदेशी कंपनियों से आने वाले सामानों पर नियंत्रण लगाया जा सके। इन नियमों के चलते अब इन उत्पादों को भारत में बेचने से पहले बीआईएस से प्रमाणन लेना जरूरी हो गया है। इससे स्थानीय निर्माण को बढ़ावा मिल रहा है। इसी दिशा में डिक्सन टेक्नोलॉजीज ने यूरेका फोर्ब्स के साथ मिलकर भारत में ही रोबोट वैक्यूम क्लीनर बनाना शुरू किया है। डिक्सन के मैनेजिंग डायरेक्टर का कहना है कि बीआईएस के नियमों से प्रीमियम ब्रांड भी अब छोटे बाजारों के बावजूद भारत में निर्माण पर विचार कर रहे हैं। यह कंपनियों के लिए एक अच्छा अवसर है। जर्मनी की कंपनी ने औरंगाबाद में बिल्ट-इन रेफ्रिजरेटर बनाने का प्लांट शुरू किया है, जबकि भारत में इसकी वार्षिक बिक्री केवल 14,000-15,000 यूनिट है। कंपनी को उम्मीद है कि अगले पांच साल में यह बाजार एक लाख यूनिट तक पहुंच जाएगा। देश की बड़ी घरेलू कंपनियां जैसे हैवेल्स और क्राम्पटन ग्रीव्स भी अब इम्पोर्ट घटाकर भारत में निर्माण को प्राथमिकता दे रही हैं। हालांकि हर एक कैटेगरी का बाजार अभी छोटा है, लेकिन कुल मिलाकर यह करीब 12,000ङ्क13,000 करोड़ का है। विशेषज्ञों का मानना है कि बीआईएस के नियमों से भारत में प्रीमियम इलेक्ट्रॉनिक्स का निर्माण तेज़ी से बढ़ेगा और देश आत्मनिर्भरता की ओर एक और मजबूत कदम बढ़ाएगा।

व्यापार वार्ता, तिमाही नतीजे और मुद्रास्फीति आंकड़े तय करेंगे शेयर बाजार की दिशा

- वैश्विक संकेतक और विदेशी निवेशकों की गतिविधियां भी बाजार की चाल को प्रभावित करेंगी

मुंबई ।

आगामी सप्ताह भारतीय शेयर बाजार के लिए अहम रहने वाला है, जिसमें निवेशकों की नजर कई बड़ी कंपनियों के तिमाही नतीजों, भारत-अमेरिका व्यापार वार्ता और प्रमुख मुद्रास्फीति आंकड़ों पर रहेगी। विशेषज्ञों का मानना है कि इन घटनाक्रमों के साथ-साथ वैश्विक संकेतक और विदेशी निवेशकों की गतिविधियां बाजार की चाल को प्रभावित करेंगी। एक वित्तीय सेवा प्रदाता कंपनी के वरिष्ठ विश्लेषक के अनुसार भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर जारी अनिश्चितता के चलते निवेशक सतर्क हैं। जब तक इस वार्ता से कोई ठोस नतीजा सामने नहीं आता, बाजार में सकारात्मक रुख बनना मुश्किल है। इसके अलावा कंपनियों के पहली तिमाही के वित्तीय नतीजे भी बाजार की दिशा तय करेंगे। इस सप्ताह एचसीएल टेक, टेक महिंद्रा, एक्सिस बैंक, विप्रो और जेएसडब्ल्य स्टील जैसी दिग्गज कंपनियों के नतीजे आएंगे। पिछले सप्ताह बाजार में गिरावट देखी गई, जो निराशाजनक नतीजों की शुरुआत और वैश्विक व्यापार शुल्क संबंधी चिंताओं के कारण हुई थी। बाजार के जानकारों ने कहा कि 14 जुलाई को जारी होने वाले थोक मूल्य सूचकांक और खुदरा मुद्रास्फीति के आंकड़े भी बाजार के लिए निर्णायक रहेंगे। इसके अलावा, वैश्विक स्तर पर अमेरिकी मुद्रास्फीति और चीन के सकल घरेलू उत्पाद के आंकड़ों पर भी निवेशकों की नजर रहेगी। उनका कहना है कि तिमाही नतीजों के चलते कुछ शेयरों में तेज उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है। उन्होंने कहा कि व्यापार वार्ता की अनिश्चितता बाजार पर दबाव बनाए रख सकती है। निवेशकों को फिलहाल सतर्क रहने और प्रमुख घटनाक्रमों पर नज़र बनाए रखने की सलाह दी जा रही है।

ट्रंप ने मेक्सिको और ईयू पर लगाया 30 फीसदी टैरिफ

- ट्रंप ने तांबे पर 50 फीसदी टैरिफ लगाने की बात भी कही

वाशिंगटन । अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने 1 अगस्त से मेक्सिको यूरोपीय यूनियन (ईयू) से आने वाले सभी सामानों पर 30 फीसदी टैरिफ लगाने का फैसला किया है। यह फैसला दोनों पक्षों के बीच कई हफ्तों तक चली व्यापारिक बातचीत के विफल रहने के बाद लिया गया। ट्रंप ने इस जानकारी को अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' के जरिए साझा किया। इससे पहले ट्रंप जापान, दक्षिण कोरिया, कनाडा और ब्राजील जैसे देशों पर भी टैरिफ लगाने की घोषणा कर चुके हैं। उन्होंने तांबे पर 50 फीसदी टैरिफ लगाने की बात भी कही है। ट्रंप के इन फैसलों से अमेरिकी सरकार को आर्थिक लाभ हुआ है। अमेरिकी ट्रेजरी विभाग के अनुसार, जून तक के वित्तीय वर्ष में सीमा शुल्क से 100 अरब डॉलर से अधिक की कमाई हुई है। हालांकि, विशेषज्ञों का मानना है कि यह कदम अमेरिका के व्यापारिक साझेदारों के साथ रिश्तों में तनाव बढ़ा सकता है। मेक्सिको और ईयू दोनों ही जवाबी कदम उठाने की तैयारी में हैं, जिससे एक और ट्रेड वॉर की आशंका बढ़ गई है।

NLC INDIA
CREATING WEALTH FOR WELLBEING
NLC INDIA LIMITED
Navratna - Government of India Enterprise

एनएलसी इंडिया लिथियम आपूर्ति के लिए रूस की कंपनी संग करेगी साझेदारी

- माली के एक लिथियम ब्लॉक में इक्विटी भागीदारी को लेकर चल रही चर्चा

नई दिल्ली । सार्वजनिक क्षेत्र की एक कंपनी एनएलसी इंडिया लिमिटेड अफ्रीका के माली देश में स्थित लिथियम खदान में हिस्सेदारी के लिए रूस की एक सरकारी कंपनी के साथ बातचीत के अंतिम चरण में है। यह कदम भारत द्वारा स्वच्छ ऊर्जा की बढ़ती मांग को ध्यान में रखते हुए लिथियम जैसे रणनीतिक खनिजों की दीर्घकालिक आपूर्ति सुनिश्चित करने की व्यापक रणनीति का हिस्सा है। सूत्रों के अनुसार एनएलसी इंडिया और रूस की कंपनी के बीच माली के एक लिथियम ब्लॉक में इक्विटी भागीदारी को लेकर चर्चा चल रही है। भारत सरकार का उद्देश्य लिथियम के घरेलू उत्पादन के साथ-साथ विदेशी स्रोतों को भी सुरक्षित करना है, ताकि इलेक्ट्रिक वाहनों और बैटरियों के निर्माण में निर्बाध आपूर्ति बनी रहे। एनएलसी इंडिया का प्रमुख कारोबार कोयला और लिग्नाइट खनन व बिजली उत्पादन रहा है। हाल के वर्षों में कंपनी ने नवीकरणीय ऊर्जा, कोयला खनन, और रणनीतिक खनिजों के क्षेत्र में अपना दायरा बढ़ाया है। नीलामी के पांचवें दौर में एनएलसी ने छत्तीसगढ़ में दो महत्वपूर्ण खनिज ब्लॉक फॉस्फोराइट और चूना पत्थर हासिल किए। एनएलसी का यह कदम भारत को खनिज आत्मनिर्भरता की दिशा में ले जाने में मदद करेगा और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में देश की स्थिति को मज़बूत करेगा।

अरुणाचल प्रदेश में 18,000 मेगावाट पनबिजली परियोजनाओं पर तेजी से काम

- 2,620 मेगावाट की पांच परियोजनाएं शा मिल

नई दिल्ली । अरुणाचल प्रदेश में कुल 18,000 मेगावाट की पनबिजली परियोजनाओं पर काम चल रहा है, जिसमें एक लाख करोड़ रुपये से अधिक का निवेश किया जाएगा। यह जानकारी राज्य के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने दी। मुख्यमंत्री ने बताया कि इन परियोजनाओं में से 2,620 मेगावाट की पांच परियोजनाएं नॉर्थ ईस्टर्न इलेक्ट्रिक पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड (नीपको) को, 5,097 मेगावाट की पांच परियोजनाएं सतलज जल विद्युत निगम लिमिटेड (एसजेवीएन) को और 3,800 मेगावाट की दो परियोजनाएं एनएचपीसी को आवंटित की गई हैं। मुख्यमंत्री खांडू ने कहा कि पहले ये परियोजनाएं निजी कंपनियों को दी गई थीं, लेकिन वे विभिन्न कारणों से शुरू नहीं हो सकीं। इसलिए राज्य सरकार ने सार्वजनिक उपक्रमों को इन्हें संभालने का निर्देश दिया। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री बनने के बाद उन्होंने सभी परियोजनाओं की समीक्षा कर पुरानी योजनाएं रद्द कर दीं और केंद्र सरकार से कहा कि पनबिजली जैसे बड़े निवेश वाले क्षेत्र में केवल सरकार को ही पहल करनी चाहिए। राज्य सरकार ने प्रधानमंत्री के साथ बैठक के बाद एनएचपीसी, नीपको और एसजेवीएन के साथ बेसिन–आधारित समझौते किए। इनमें से लोअर सुबनसिरी परियोजना 2,000 मेगावाट क्षमता की है, जो अगले साल से बिजली उत्पादन शुरू कर देगी। इसके अलावा, 2,880 मेगावाट की दिबांग बहुउद्देशीय परियोजना 2032 तक चालू होने की उम्मीद है, जिसमें देश का सबसे ऊंचा बांध भी शामिल होगा।

सेंसेक्स की प्रमुख आठ कंप नियों का मार्केट कैप 2.07 लाख करोड़ घटा

- सेंसेक्स की शीर्ष 10 कंपनियों में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर बरकरार

नई दिल्ली ।

पिछले सप्ताह सेंसेक्स की प्रमुख 10 सबसे कीमती कंपनियों में से आठ के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में कुल 2.07 लाख करोड़ रुपये की गिरावट आई है। इस दौरान टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) और भारती एयरटेल सबसे अधिक नुकसान में रहीं। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज का बाजार पूंजीकरण 56,279.35 करोड़ रुपये घटकर 11,81,450.30 करोड़ रुपये रह गया। जून तिमाही के कमजोर नतीजों के कारण टीसीएस के शेयर में शुक्रवार को करीब 3.5 प्रतिशत की गिरावट देखी गई। भारती एयरटेल का बाजार मूल्यांकन भी 54,483.62 करोड़ रुपये घटकर 10,95,887.62 करोड़ रुपये हो गया। रिलायंस इंडस्ट्रीज की बाजार पूंजीकरण में 44,048.2 करोड़ रुपये की गिरावट आई और यह 20,22,901.67 करोड़ रुपये पर आ गई। इन्फोसिस का मूल्यांकन 18,818.86 करोड़ रुपये घटकर 6,62,564.94 करोड़ रुपये रह गया। आईसीआईसीआई बैंक का बाजार पूंजीकरण भी 14,556.84 करोड़ रुपये घटकर 10,14,913.73 करोड़ रुपये पर आ गया। भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के बाजार मूल्यांकन में 11,954.25 करोड़ रुपये की कमी आई, जिससे इसका मूल्य 5,83,322.91 करोड़ रुपये रह गया। एचडीएफसी बैंक के बाजार पूंजीकरण में 4,370.71 करोड़ रुपये की गिरावट आई और यह

15,20,969.01 करोड़ रुपये रह गया। वहीं भारतीय स्टेट बैंक का बाजार मूल्यांकन 2,989.75 करोड़ रुपये घटकर 7,21,555.53 करोड़ रुपये पर पहुंचा।

इस गिरावट के बीच, हिंदुस्तान यूनिलीवर और बजाज फाइनेंस ने बढ़त दिखाई। हिंदुस्तान यूनिलीवर का बाजार पूंजीकरण 42,363.13 करोड़ रुपये बढ़कर 5,92,120.49 करोड़ रुपये हो गया, जिसके साथ उसके शेयर में लगभग 5 प्रतिशत की तेजी आई। बजाज फाइनेंस का मूल्यांकन भी 5,033.57 करोड़ रुपये बढ़कर 5,80,010.68 करोड़ रुपये पहुंच गया। सेंसेक्स की शीर्ष 10 कंपनियों में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर बनी हुई है, इसके बाद एचडीएफसी बैंक, टीसीएस, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, इन्फोसिस, एलआईसी, बजाज फाइनेंस और हिंदुस्तान यूनिलीवर का स्थान है।

शहरों में सस्ते प्रोडक्ट्स की धूम, गांवों में ब्रांडेड कंप नियों का जलवा

- वित्त वर्ष 2025 में शहरी भारत में बिना ब्रांड वाले प्रोडक्ट्स की वॉल्यूम ग्रोथ 8.4 फीसदी रही

मुंबई । भारत के एफएमसीजी (फास्ट मूविंग कंज्यूमर गुड्स) बाजार में शहरी और ग्रामीण उपभोक्ताओं की पसंद में बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। एक रिपोर्ट के अनुसार जहां शहरी उपभोक्ता महंगाई और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स की वजह से बिना ब्रांड वाले प्रोडक्ट्स और डिजिटल-फर्स्ट ब्रांड्स की ओर झुक रहे हैं, वहीं ग्रामीण भारत में पारंपरिक और भरोसेमंद ब्रांड्स जैसे नेस्ले, डाबर और हिंदुस्तान यूनिलीवर (एचयूएल) की लोकप्रियता तेजी से बढ़ी है। ग्रामीण इलाकों में पहले बिना ब्रांड वाले प्रोडक्ट्स ज्यादा चलते थे, लेकिन अब बड़े ब्रांड्स ने मजबूत डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क और बेहतर पहुंच के जरिए अपनी पकड़ मजबूत की है। रिपोर्ट के मुताबिक, वित्त वर्ष 2025 में शहरी भारत में बिना ब्रांड वाले प्रोडक्ट्स की वॉल्यूम ग्रोथ 8.4 फीसदी रही, जबकि ग्रामीण भारत में यह केवल 2.3 फीसदी रही। वहीं लिस्टेड एफएमसीजी ब्रांड्स की वॉल्यूम ग्रोथ गांवों में 5.1 फीसदी रही, जो कि शहरों के 2.1 फीसदी के मुकाबले कहीं अधिक है। विशेषज्ञों का मानना है कि ग्रामीण क्षेत्रों में इस ग्रोथ के पीछे अच्छा मानसून, सरकारी सहयोग और आय में सुधार प्रमुख कारण हैं। इसके विपरीत, शहरी उपभोक्ता महंगाई के दबाव के चलते छोटे पैक और किफायती विकल्पों की ओर बढ़ रहे हैं। साथ ही, डिजिटल-फर्स्ट ब्रांड्स जैसे स्लर्प फार्म भी शहरी बाजार में तेजी से जगह बना रहे हैं।

हिंदुस्तान यूनिलीवर की महिला बनी सीईओ, शेयरों में आया 5 फीसदी उछाल

-बजाज फाइनेंस और हिंदुस्तान यूनिलीवर के बाजार मूल्यांकन में हुई बढ़ोतरी

नई दिल्ली।

बीते सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 932.42 अंक यानी 1.11 फीसदी के नुकसान में रहा। इस दौरान सेंसेक्स की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से आठ के मार्केट कैप में कुल 2.07 लाख करोड़ रुपए (2,07,501.58 करोड़) की गिरावट आई। सबसे ज्यादा नुकसान टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) और भारती एयरटेल को हुआ। शीर्ष 10 में से केवल बजाज फाइनेंस और हिंदुस्तान यूनिलीवर के बाजार मूल्यांकन में बढ़ोतरी हुई। इस रुख के उलट हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड का मूल्यांकन 42,363.13 करोड़ रुपए बढ़कर 5,92,120.49 करोड़ पर पहुंच गया। हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड के शेयर में शुक्रवार को करीब 5 फीसदी का उछाल आया। हिंदुस्तान यूनिलीवर ने प्रिया नायर को कंपनी की पहली महिला सीईओ और एमडी नियुक्त करने की घोषणा की है।

बजाज फाइनेंस की मूल्यांकन 5,033.57 करोड़ बढ़कर 5,80,010.68 करोड़ रुपए पर पहुंच गया।

पिछले हफ्ते टाटा ग्रुप की आईटी कंपनी टीसीएस का मार्केट कैप 56,279.35 करोड़ से घटकर 11,81,450.30 करोड़ रुपए पर आ गया था। कंपनी के जून तिमाही के नतीजे निवेशकों को उत्साहित करने में विफल रहे। शुक्रवार को टीसीएस के शेयर में करीब 3.5 फीसदी की गिरावट आई। इस तरह भारती एयरटेल का मूल्यांकन 54,483.62 करोड़ रुपए से घटकर 10,95,887.62 करोड़ पर आ गया। रिलायंस इंडस्ट्रीज की बाजार हैसियत 44,048.2 करोड़ रुपए घटकर 20,22,901.67 करोड़ पर आ गई।

इन्फोसिस के मूल्यांकन में 18,818.86 करोड़ रुपए की गिरावट आई और यह 6,62,564.94 करोड़ रुपए रहा। आईसीआईसीआई बैंक का बाजार पूंजीकरण 14,556.84 करोड़ रुपए घटकर 10,14,913.73 करोड़ रुपए पर आ गया। एलआईसी का मूल्यांकन 11,954.25 करोड़ से घटकर 5,83,322.91 करोड़ रुपए पर आ गया।

इलेक्ट्रॉनिक्स व दवा क्षेत्रों ने पीएलआई वितरण में मारी बाज़ी

- 2024-25 में 70 फीसदी हिस्सेदारी

नई दिल्ली । भारत सरकार की उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के तहत वित्त वर्ष 2024-25 में कुल 10,114 करोड़ रुपए का वितरण किया गया, जिसमें से 70 फीसदी से अधिक हिस्सा केवल दो क्षेत्रों, इलेक्ट्रॉनिक्स और फार्मास्युटिकल्स को मिला। यह योजना 2021 में 1.97 लाख करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ 14 प्रमुख क्षेत्रों में घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शुरू की गई थी। इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र को सबसे अधिक 5,732 करोड़ प्राप्त हुए, जबकि दवा क्षेत्र की कंपनियों को 2,328 करोड़ का प्रोत्साहन मिला। इससे इन दोनों क्षेत्रों की बढ़ती ताकत और निर्यात क्षमताओं को बल मिला है। 2023-24 में कुल पीएलआई वितरण 9,721 करोड़ था, जो इस वर्ष और अधिक बढ़ गया। अन्य क्षेत्रों को भी प्रोत्साहन दिया गया, जैसे दूरसंचार (840 करोड़), खाद्य प्रसंस्करण (448 करोड़), वाहन (322 करोड़), चिकित्सा उपकरण (77 करोड़), एसी-फ्रिज (210 करोड़), विशेष इस्पात (48 करोड़), कपड़ा (40 करोड़), ड्रोन (35 करोड़) और थोक दवा (22 करोड़)। इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात में भी जोरदार वृद्धि देखी गई। 2021-22 में यह 15.7 अरब डॉलर था, जो 2024-25 में बढ़कर 38.58 अरब डॉलर हो गया यानी 32.46 फीसदी की सालाना वृद्धि दर।

स्विगी पर ग्राहक और डिलीवरी स्टाफ की होती है रैंकिंग

- फ्रॉड ग्राहकों पर रहती है खास निगरानी

मुंबई । ऑनलाइन फूड और क्विक-कॉमर्स प्लेटफॉर्म स्विगी अपने ग्राहकों और डिलीवरी स्टाफ की गोपनीय रैंकिंग करता है, जिसका सीधा असर सेवा की गुणवत्ता और इंसेंटिव्स पर पड़ता है। एक कस्टमर सपोर्ट एग्जीक्यूटिव के अनुसार हर ग्राहक और डिलीवरी पार्टनर की एक खास रैंक होती है। ग्राहकों को उनकी खरीदारी की आदतों के आधार पर तीन श्रेणियों में बांटा जाता है हाई-वैल्यू, मीडियम-वैल्यू और लो-वैल्यू। हाई-वैल्यू ग्राहक नियमित ऑर्डर करने वाले होते हैं, जिन्हें तेज सपोर्ट और बेहतर रिफंड पॉलिसी मिलती है। लो-वैल्यू ग्राहक वे होते हैं जो नए होते हैं या कम ऑर्डर करते हैं। इसके अलावा बार-बार रिफंड मांगने वाले ग्राहकों को 'फ्रॉड यूजर' के तौर पर चिह्नित किया जा सकता है।

संक्षिप्त

न्यूजीलैंड ने त्रिकोणीय सीरीज के लिए टीम में किए बदलाव

हरारे, एजेंसी। आईसीसी वेबसाइट के अनुसार डेवोन कॉनवे, मिच हे, जिमी नीशम और टिम रॉबिन्सन जिम्बाब्वे और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आगामी त्रिकोणीय श्रृंखला के लिए न्यूजीलैंड की टी20आई टीम में शामिल होने के लिए तैयार हैं। त्रिकोणीय श्रृंखला 14 जुलाई को मेजबान जिम्बाब्वे और दक्षिण अफ्रीका के बीच मुकाबले के साथ शुरू होगी जबकि न्यूजीलैंड अपना पहला मुकाबला 16 जुलाई को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेलेगा। 26 जुलाई को खेले जाने वाले फाइनल से पहले दोनों टीमें एक-दूसरे से दो-दो मैच खेलेंगी। विकेटकीपर-बल्लेबाज कॉनवे, फिन एलन की जगह लेंगे जो संयुक्त राज्य अमेरिका में चल रही मेजर लीग क्रिकेट (एमएलसी) में खेलते हुए पैर में लगी चोट के कारण श्रृंखला से बाहर हो गए थे।

ट्रैप मिक्स्ड टीम में 10वें स्थान पर रही भारतीय जोड़ी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत ने लोनाटो में अंतर्राष्ट्रीय निशानेबाजी खेल महासंघ (आईएसएसएफ) विश्व कप शॉटगन में अपनी प्रतिस्पर्धा समाप्त कर दी, जब लक्ष्य श्योरण (22,19,25) और नीरू ढांडा (25,24,25) की जोड़ी, तीसरी सीरीज में बेहतरीन प्रदर्शन करने के बावजूद, ट्रैप मिक्स्ड टीम पदक राउंड से चूक गई। उन्होंने क्वालीफाइंग राउंड में संभावित 150 में से 140 अंक बनाए और 54 जोड़ियों में 10वें स्थान पर रहे।

जोरावर सिंह संधू (21,23,24) और प्रीति रजक (23,24,23) की दूसरी भारतीय जोड़ी ने कुल 138 अंक बनाए और 22वें स्थान पर रही।

नीरू ने एक दिन पहले महिलाओं की ट्रैप स्पर्धा में अपने शानदार चौथे स्थान के बाद भी 75 में से केवल एक निशाना चूका, जबकि लक्ष्य दूसरी सीरीज में छह निशाने चूक गए, जिससे उन्हें पोडियम पर पहुंचने का मौका गंवाना पड़ा।

बशीर की फिटनेस को लेकर इंग्लैंड चिंतित

लॉड्र्स, एजेंसी। तीसरे टेस्ट मैच के तीसरे दिन गेंदबाजी के दौरान चोटिल हुए ऑफ स्पिनर शोएब बशीर की फिटनेस को लेकर इंग्लैंड चिंतित है। बशीर चौथे दिन के खेल से पहले अभ्यास के दौरान चौथी और पाँचवीं उंगली पर भारी पट्टियाँ बंधे हुए थे, लेकिन यह स्पष्ट नहीं है कि वह बल्लेबाजी के लिए फिट होंगे या नहीं। चौथे दिन सुबह इंग्लैंड की ओर से जारी बयान में कहा गया, "अपनी बाईं उंगली की चोट के बाद, शोएब बशीर पर नजर रखी जा रही है और उम्मीद है कि वह इस टेस्ट की चौथी पारी में गेंदबाजी करेंगे। तीसरी पारी में वह बल्लेबाजी करेंगे या नहीं, इस पर फैसला समय आने पर लिया जाएगा। एमिरेट्स ओल्ड ट्रैफ़र्ड में होने वाले चौथे टेस्ट में उनकी भागीदारी का आकलन मैच के अंत में किया जाएगा।"

इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट में नहीं चला वैभव सूर्यवंशी का बल्ला, आयुष म्हात्रे ने मचाई तबाही

बेक्केंहम, एजेंसी। कप्तान आयुष म्हात्रे ने सफेद गेंद के फॉर्मेट में अपनी खराब फॉर्म से उबरते हुए शानदार शतक जड़ा जिससे भारत अंडर-19 टीम शनिवार को पहले 'युवा टेस्ट' के शुरुआती दिन इंग्लैंड के खिलाफ बड़े स्कोर की ओर अग्रसर है। भारत अंडर-19 ने दिन का खेल खत्म होने तक सात विकेट पर 450 बना लिए। आक्रामक बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी (14) सस्ते में आउट हो गए, जबकि वनडे सीरीज में संघर्ष करने वाले म्हात्रे ने 115 गेंदों पर 14 चौकों और दो छक्कों की मदद से 102 रन बनाकर बड़े स्कोर की नींव रखी। उन्होंने विहान मल्होत्रा (67) के साथ दूसरे विकेट के लिए 173 रन जोड़े। इस जोड़ी के पवेलियन लौटने के बाद अभिज्ञान कुंडू (95 गेंदों पर 90) और राहुल कुमार (81 गेंदों पर 85) अपने-अपने शतक पूरा करने से चूक गए, लेकिन उन्होंने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए टीम को 400 रन के करीब पहुंचाया।

स्वियाटेक ने पहला विंबलडन खिताब जीता

इगा स्वियातेक ने अमेरिका की अमांडा अनिसिमोवा को 6-0, 6-0 से रौंदा

विंबलडन 2025

● इगा इससे पहले विंबलडन में क्वार्टर फाइनल से आगे तक नहीं बढ़ पाई थीं

लंदन, एजेंसी। पोलैंड की स्टार टेनिस खिलाड़ी इगा स्वियातेक धमाकेदार अंदाज में विंबलडन 2025 चैंपियन बन गईं। उन्होंने आल इंग्लैंड क्लब के ग्रास कोर्ट पर महिला सिंगल्स फाइनल में अमेरिका की अमांडा अनिसिमोवा को 6-0, 6-0 से रौंदा। स्वियातेक ने पहली बार टूर्नामेंट का खिताब जीता है। इस ग्रैंडस्लैम में लगातार आठवीं बार पहली महिला चैंपियन देखने को मिली है। इगा इससे पहले विंबलडन में क्वार्टर फाइनल से आगे तक नहीं बढ़ पाई थीं लेकिन इस बार गदर काट दिया और छठा ग्रैंड स्लैम अपने नाम किया। उन्होंने सेमीफाइनल में बेलिंडा बेनसिच को 6-2, 6-0 से हराने के बाद फाइनल में जगह बनाई थी।

पोलैंड की आठवीं वरीयता प्राप्त इगा ने शुरुआत से ही बढ़त बना ली और महज 57 मिनट में जीत दर्ज की। यह 114 सालों में विंबलडन का पहला महिला फाइनल था, जिसमें प्रतिद्वंद्वी खिलाड़ी एक भी गेम नहीं जीत सकी। स्वियातेक ओपन एरा में फाइनल में कोई भी गेम हारे बिना मेजर टाइटल जीतने वाली दूसरी खिलाड़ी बन गई हैं। उनसे पहले स्टेफी ग्राफ ने 1988 में आयोजित फ्रेंच ओपन में नतालिया ज्वेरेवा को हराया था। स्टेफी ग्राफ 32 मिनट में चैंपियन बनी थीं। बता दें कि 24 वर्षीय इगा फ्रेंच ओपन में चार और अमेरिकी ओपन में एक ट्रॉफी जीत चुकी हैं।

इगा कुल अंक में 55-24 से आगे रहीं और इस दौरान उन्होंने महज 10 विनर लगाए। पहली बार ग्रैंडस्लैम के फाइनल में पहुंचीं 23 वर्षीय अमांडा शुरुआत से ही लड़खड़ाती रहीं और 28 'अनफोर्स्ड' गलतियां कर बैठीं। इगा ने इस तरह लंबे समय से चले आ रहे ट्रॉफी के सूखे को खत्म कर दिया। उन्होंने पिछली ट्रॉफी एक साल से भी ज्यादा समय पहले जून 2024 में रोलां गैरां में जीती थी। इगा की जीत बाकियों से अलग है क्योंकि यह उन्हें दबदबे भरे शानदार प्रदर्शन से मिली। अअमांडा ने सेमीफाइनल में शीर्ष रैंकिंग की खिलाड़ी आर्यना सबालेंका को हराया था लेकिन शनिवार को ऐसा बिल्कुल नहीं लगा कि वह वहीं खिलाड़ी थीं।

जब मैच खत्म हुआ तो इगा अपनी टीम के साथ जश्न मनाने के लिए स्टैंड में चढ़ गईं जबकि अमांडा के आंसू निकल रहे थे। इससे पहले 1911 में डोरोथिया लैम्बर्ट चेम्बर्स ने ऐसी प्रभावशाली जीत दर्ज की थी। उन्होंने डोरा बूथबी को 6-0, 6-0 से हराया था। इगा 2022, 2023 और 2024 में ज्यादातर समय डब्ल्यूटीए रैंकिंग में शीर्ष पर रही थीं लेकिन एक साल से अधिक समय तक कहीं भी खिताब नहीं जीतने के बाद उन्हें विंबलडन में आठवीं वरीयता मिली। पिछले साल प्रतियोगिता से बाहर हुई जांच में विफल होने के बाद उन पर एक महीने का डोपिंग प्रतिबंध लगा था। इसके बाद जांच में पता चला कि उन्होंने अनजाने में नींद नहीं आने और 'जेट लैग' के लिए दवाई का इस्तेमाल किया था।

मेरा शतक बनवाने की हड़बड़ी में आउट हुये पंत : राहुल

लॉड्र्स, एजेंसी। 'क्रिकेट का मक्का' कहे जाने वाले लॉड्र्स के मैदान पर शतक कौन नहीं बनाना चाहता? यह सेंचुरी बनाने वाले हर बल्लेबाज को ऑनर्स बोर्ड पर सम्मान मिलता है। भारत और इंग्लैंड के बीच जारी टेस्ट में यह सम्मान टीम इंडिया के सलामी बल्लेबाज केएल राहुल को मिला। राहुल ने इंग्लैंड के खिलाफ शतक जड़ यह सम्मान हासिल किया। हालांकि इसके लिए उन्होंने ऋषभ पंत की बलि जरूर चढ़ा दी। जी हां, केएल राहुल ने मैच के बाद ऋषभ पंत के रनआउट पर खुलकर बात की है। भारतीय सलामी बल्लेबाज ने खुलासा किया है कि वह लंच से पहले अपना शतक पूरा करना चाहते थे, इसी लालच के चलते ऋषभ पंत रन आउट हो गए।

ऋषभ पंत उस समय बैटिंग करने आए थे जब भारत ने 107 के स्कोर पर कप्तान शुभमन गिल के रूप में तीसरा विकेट खोया था। पंत ने राहुल के साथ शतकीय साझेदारी की। दोनों बल्लेबाज मैच के तीसरे दिन अच्छी बल्लेबाजी कर रहे थे,

मगर लंच से ठीक पहले राहुल 90s में पहुंच गए थे। ऐसे में वह ब्रेक होने से पहले अपना शतक पूरा करना चाहते थे। यह इच्छा उन्होंने पंत को भी बताई थी।

केएल राहुल ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, "उससे कुछ ओवर पहले बातचीत हुई थी। मैंने उनसे कहा कि अगर हो सका तो लंच से पहले मैं अपना शतक पूरा कर लूंगा। और लंच से पहले बशीर ने आखिरी ओवर फेंका, तो मुझे लगा कि मेरे शतक बनाने का अच्छा मौका है, लेकिन, हां, बदकिस्मती से मेरी गेंद सीधे फील्डर के हाथ में चली गई। राहुल ने आगे कहा, ₹यह ऐसी गेंद थी जिस पर मैं चौका लगा सकता था।

वेस्ट इंडीज ने ऑस्ट्रेलिया को 225 पर समेटा

किंग्स्टन, एजेंसी। शमार जोसेफ की अगुआई में गेंदबाजों के उम्दा प्रदर्शन से वेस्टइंडीज ने तीसरे डे नाइट के पहले दिन ऑस्ट्रेलिया को पहली पारी में 225 रन पर समेटने के बाद एक विकेट पर 16 रन बनाए। वेस्टइंडीज ने एकमात्र विकेट केवलोन एंडरसन (03) का गंवाया जिन्हें अपना 100वां टेस्ट खेल रहे मिचेल स्टार्क ने बोल्ड किया। स्टार्क यह उपलब्धि हासिल करने वाले 16वें ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर हैं। दिन का खेल खत्म होने पर सलामी बल्लेबाज ब्रैंडन किंग आठ जबकि कप्तान रोस्टन चेज तीन रन बनाकर खेल रहे थे। वेस्टइंडीज की टीम अभी ऑस्ट्रेलिया से 209 रन से पीछे है। ऑस्ट्रेलिया की टीम इससे पहले शमार जोसेफ (33 रन पर चार विकेट), जस्टिन ग्रीव्स (56 रन पर

तीन विकेट) और जेडन सील्स (59 उन पर तीन विकेट) की तूफानी गेंदबाजी के सामने 70.3 ओवर में 225 रन पर सिमट गई। ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया और सैम कोन्सटास (17) का विकेट गंवाकर लंच तक एक विकेट पर 50 रन बनाए। उन्हें ग्रीव्स ने पगबाधा किया। दूसरे सत्र में भी ऑस्ट्रेलिया ने सलामी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा (23) और कैमरन ग्रीन (46) के विकेट गंवाकर स्कोर तीन विकेट पर 138 रन तक पहुंचाया। ख्वाजा को जोसेफ ने विकेटकीपर शाई होप के हाथों कैच कराया जबकि ग्रीन को सील्स ने बोल्ड किया। तीसरा सत्र हालांकि वेस्टइंडीज के नाम रहा और उसके गेंदबाजों ने ऑस्ट्रेलिया ने अंतिम सात विकेट 68 रन पर चटकाए। स्टीव स्मिथ 48 रन बनाकर ऑस्ट्रेलिया की ओर से शीर्ष स्कोरर रहे।

रोमांचक मुकाबले में भारतीय महिला टीम आखिरी गेंद पर हारी

टी20 सीरीज

● भारत ने 3-2 से इस सीरीज को अपने नाम किया

बर्मिंघम, एजेंसी। इस वक्त पुरुष टीम के साथ महिला भारतीय टीम भी इंग्लैंड का दौरा कर रही है। 5 मैचों की रोमांचक टी20 सीरीज का अंतिम मुकाबला बीते शनिवार को बर्मिंघम में खेला गया। यह मैच काफी रोचक रहा। भारतीय टीम को आखिरी ओवर में आखिरी गेंद पर हार का सामना करना पड़ा। हालांकि, इसके बावजूद टीम इंडिया ने इतिहास रच दिया। मैच हारने के बावजूद टीम इंडिया ने इंग्लैंड में सीरीज जीत ली और इतिहास रचा। भारतीय महिला टीम ने पहली बार इंग्लैंड जाकर कोई बाइलेटरल टी20

सीरजी जीती है। भारत ने 3-2 से इस सीरीज को अपने नाम किया है। वहीं आखिरी टी20 मैच में भारत की युवा बल्लेबाज शैफाली वर्मा ने तूफानी बैटिंग की।

भारत की ओपनर शैफाली वर्मा ने पांचवें टी20 में 182.93 के तूफानी स्ट्राइक रेट से बैटिंग करते हुए 41 बॉल में 75 रन ठोके। उन्होंने अपनी पारी में 13 चौके और 1 छक्का भी लगाया। हालांकि, शैफाली वर्मा का तूफान भी भारत को जीत नहीं दिला पाया। एजबेस्टन में खेले गए इस टी20 मुकाबले में इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया था। ऐसे में भारत ने पहले बैटिंग करते हुए 7 निर्धारित 20 ओवर में 7 विकेट पर 167 रन बना डाले। शैफाली वर्मा के अलावा किसी और बल्लेबाज ने ज्यादा खास योगदान नहीं दिया। इंग्लैंड के लिए सबसे सफल गेंदबाज चार्ली डीन रहीं, जिन्होंने 3 विकेट झटके।

इंग्लैंड ने आखिरी ओवर की आखिरी गेंद पर 168 रन का टारगेट चेज किया था। डेनी वेट हॉज ने सर्वाधिक 56 रन इंग्लैंड के लिए बनाए। सोफिया डंक्ले ने भी 46 रन की अच्छी पारी खेली। कप्तान तमसिन ब्यूमोंट ने भी 30 रन बनाए। भारत के लिए दीप्ति शर्मा और अरुनधति रेड्डी ने 2-2 विकेट लिए। 1 विकेट राधा यादव को भी मिला।

मैं अभी और टेस्ट क्रिकेट खेलना चाहता हूं : रहाणे

नई दिल्ली, एजेंसी। 37 वर्षीय अजिंक्य रहाणे ने पिछले दो वर्षों से कोई टेस्ट मैच नहीं खेला है लेकिन उनके अंदर टेस्ट क्रिकेट खेलने की भूख और जुनून अभी बाकी है। उन्होंने इस संबंध में चयनकर्ताओं से संपर्क करने की कोशिश भी की थी लेकिन उन्हें चयनकर्ताओं की ओर से कोई जवाब नहीं मिला।

रहाणे इस समय लंदन में हैं और उन्हें स्काई स्पोर्ट्स में नासिर हुसैन और माइकल आथर्टन से बात करते हुए कहा, 'मैं अभी भी टेस्ट क्रिकेट खेलना चाहता हूं। मेरे अंदर टेस्ट क्रिकेट खेलने का जुनून बाकी है और इस समय मैं अपनी क्रिकेट का लुत्फ उठा रहा हूं। मैं यहां सिर्फ कुछ दिनों के लिए आया हूं और अपने ट्रेनिंग के कपड़े भी साथ लाया हूं ताकि मैं खुद को फिट रख सकूं। हमारा घरेलू सीजन शुरू होने वाला है इसलिए तैयारी अभी शुरू ही हुई है।

जब रहाणे से पूछा गया कि विरोट कोहली और रोहित शर्मा सरीखे सीनियर खिलाड़ियों के संन्यास के बाद भारतीय टीम युवा

खिलाड़ियों पर ध्यान केंद्रित कर रही है ऐसे में उनके सामने टेस्ट में वापसी करने के लिए कैसी चुनौतियां हैं तो उन्होंने कहा कि उनका ध्यान सिर्फ उन चीजों पर है जिन पर उनका नियंत्रण है।

नए कप्तान शुभमन गिल ने कोहली की जगह चौथे नंबर पर ले ली है, जबकि उप-कप्तान ऋषभ पंत पांचवें नंबर पर आ गए हैं। पुराने खिलाड़ियों में से, के एल राहुल ही एकमात्र ऐसे खिलाड़ी हैं जो अभी भी चयनकर्ताओं की योजनाओं में मजबूती से शामिल हैं। कड़ी प्रतिस्पर्धा के बावजूद, रहाणे बेफिक्र हैं और घरेलू क्रिकेट के प्रति अपने समर्पण के जरिए वापसी की कोशिश कर रहे हैं।

टेस्ट टीम से बाहर होने के बाद से, रहाणे ने लगातार दो रणजी ट्रॉफ़ी सीजन में मुंबई का नेतृत्व किया है, जिसमें टीम ने 2023-24 में अपना 42वां खिताब जीता, जबकि 2024-25 में उपविजेता रही। वह सैयद मुश्ताक अली (टी20) खिताब जीतने वाली मुंबई टीम का भी हिस्सा थे।

रहाणे ने 2024-25 के रणजी सीज़न में 14 पारियों में 35.92 की औसत से एक अर्धशतक और एक शतक सहित 467 रन बनाए। वह निराशाजनक आईपीएल 2025 के दौरान कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी थे, जहां उनकी टीम 10 टीमों में से आठवें स्थान पर रही। रहाणे ने 14 पारियों में 147.27 के स्ट्राइक रेट से 390 रन बनाए।

रहाणे ने कहा, ₹मैं सिर्फ उन्हीं चीजों पर ध्यान केंद्रित करना चाहता हूं जो मेरे नियंत्रण में हैं। सच कहूं तो मैंने इस संबंध में चयनकर्ताओं से बात करने की कोशिश भी की लेकिन बतौर खिलाड़ी ऐसी चीजें मेरे नियंत्रण में नहीं होती। मुझे कोई जवाब नहीं मिला। एक क्रिकेटर के तौर पर मैं बस इतना ही कर सकता हूं कि मैं क्रिकेट खेलूं, खेल का आनंद लूं और हर मौके पर अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश करूं। मुझे टेस्ट क्रिकेट खेलना बहुत पंसद है। खेल के प्रति मेरा प्रेम ही मुझे लगातार अच्छा करने के लिए प्रेरित करता है।

शेफाली वनडे वर्ल्ड कप की दौड़ में शामिल हैं : अमोल मजूमदार

बर्मिंघम, एजेंसी। शेफाली वर्मा इस साल होने वाले वनडे वर्ल्ड कप में भारतीय टीम में जगह बनाने की दौड़ में शामिल हैं। पिछले साल टी20 वर्ल्ड कप में भारत के शुरुआती दौर में ही बाहर होने के बाद शेफाली को भारतीय टीम से बाहर का रास्ता दिखा दिया था। हालांकि इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए शेफाली की भारतीय दल में वापसी हुई और उन्होंने अंतिम मैच में 41 गेंदों पर 75 रनों की पारी खेलते हुए सीरीज में स्मृति मंधाना के बाद सबसे ज्यादा रन बनाने वाली बल्लेबाज के रूप में सीरीज का समापन किया।

शेफ़ाली ने 158.55 के स्ट्राइक रेट और 35.20 की औसत से कुल 176 रन बनाए जिसमें 20, 3, 47, 31 और 75 रनों की पारी शामिल है। उनके दोनों सबसे बड़े स्कोर उस मैच में आए जिसमें भारत हार गया। द ओवल और एजबस्टन दोनों ही जगह इंग्लैंड ने अंतिम गेंद पर जीत हासिल की।

शेफाली द्वारा अपनी टीम को 19 रन पर 2 विकेट से 167 रन पर 7 विकेट तक पहुंचाने में मदद करने के बाद, मेजबान टीम को इंग्लैंड में महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में जीत हासिल करने के लिए सबसे सफल लक्ष्य का पीछा करना पड़ा - और उन्होंने यह जीत केवल अंतिम गेंद पर हासिल की, जबकि डैनी वायट-हॉज और सोफिया डंकली के बीच 101 रन की ओपनिंग साझेदारी हुई थी। शनिवार को शेफाली ने 23 गेंदों पर अर्धशतक जड़ते हुए महिला टी20 में संयुक्त तौर पर दूसरा सबसे तेज अर्धशतक लगाया, इस मामले में सिर्फ़ ऋचा घोष ही उनसे आगे हैं जिन्होंने पिछले साल वेस्टइंडीज के खिलाफ 18 गेंदों पर अर्धशतक जड़ा था। शेफाएली बुधवार से साउथम्प्टन में शुरू होने वाली वनडे सीरीज का हिस्सा नहीं हैं, लेकिन भारत के मुख्य कोच अमोल मजूमदार ने कहा कि वह 30 सितंबर से घरेलू सरजमीं पर शुरू होने वाले वनडे वर्ल्ड कप के लिए बिना किसी संदेह के दावेदार हैं, हालांकि दिसंबर में वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू मैदान पर डेब्यू करने के बाद से प्रतीका रावल ने 11 वनडे मैचों में 63.80 की औसत से रन बनाए हैं। आयरलैंड के खिलाफ घरेलू मैदान पर उनका सर्वोच्च स्कोर 154 रन है और उन्होंने पांच अर्धशतक भी लगाए हैं। मजूमदार ने कहा, ₹इससे पता चलता है कि इस भारतीय टीम में अब काफ़ी गहराई आ गई है। प्रतीका रावल को दिसंबर में चुना गया था, यानी लगभग छह महीने हो गए हैं, लेकिन उन्होंने अपने अंतर्राष्ट्रीय करियर के शुरुआती दौर में ही अपनी एक गहरी छाप छोड़ दी है।

तीसरा टेस्ट | **केएल राहुल और ऋषभ पंत के बीच शतकीय साझेदारी हुई लेकिन दिन के पहले सत्र के अंत में ऋषभ पंत रन आउट हो गए**

शतक पूरा करने की जल्दी दिखाने पर राहुल-पंत पर भड़के कुंबले

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टीम ने तीसरे टेस्ट के तीसरे दिन दमदार शुरुआत की। केएल राहुल और ऋषभ पंत के बीच शतकीय साझेदारी हुई लेकिन दिन के पहले सत्र के अंत में ऋषभ पंत रन आउट हो गए हैं, जिससे इंग्लैंड को वापसी का मौका मिला है। पंत और राहुल के बीच चौथे विकेट के लिए 141 रन की साझेदारी हुई। अनिल कुंबले और स्टीव हार्मिसन ने भारत की बल्लेबाजी की तारीफ की, लेकिन साथ ही इस बात पर भी जोर दिया कि कैसे पंत के आउट होने से इंग्लैंड को एक महत्वपूर्ण जीवन रेखा मिली।

तीसरे टेस्ट के तीसरे दिन शनिवार को पहले सत्र के बाद जियोस्टार पर अनिल कुंबले ने कहा, "मुझे लगता है कि शुरुआत में ऋषभ पंत ने कॉल किया और फिर यह सोचकर हिचकिचाए कि कोई रन नहीं है। और फिर केएल ने तुरंत शुरुआत की।

इसलिए ऋषभ पंत की शुरुआती हिचकिचाहट ने शायद उनकी प्रतिक्रिया में देरी की। और फिर उन्हें रन लेना पड़ा क्योंकि केएल सीधे दौड़कर लक्ष्य पर पहुंच रहे थे। यह निश्चित रूप से अनावश्यक था, क्योंकि आप अगली तीन गेंदों को रोक सकते थे, लंच पर जा सकते थे, और फिर जो करना था कर सकते थे-या उस शानदार प्रदर्शन को जारी रख सकते थे जो इन दोनों बल्लेबाजों ने पहले सत्र में किया था।

उन्होंने आगे कहा, "इसकी जररूत नहीं थी। जो रूट ने एक रात इंतजार किया था। वह 99 पर थे और अगले दिन आए थे। उन्होंने काफी अच्छा किया। ये शानदार साझेदारी थी। दूसरे सेशन में जाने पर इंग्लैंड को आत्म विश्वास मिला।" जो रूट ने तीसरे टेस्ट के पहले दिन 99 रन बनाए थे लेकिन शतक पूरा करने के लिए उन्हें अगले दिन का इंतजार करना पड़ा था और फिर दूसरे दिन उन्होंने शतक पूरा किया।

केएल राहुल और ऋषभ पंत के बीच शानदार साझेदारी पर बात करते हुए, कुंबले ने कहाः ₹उन्होंने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया। मेरा मतलब है, एक शानदार साझेदारी। ऐसा नहीं है कि उन्हें कड़ी टक्कर देनी पड़ी-नियंत्रित आक्रामकता। मुझे लगा कि पहला सत्र निश्चित रूप से भारत का था। लेकिन उन्होंने इंग्लैंड को लंच सत्र में थोड़ा आत्मविश्वास दिया क्योंकि जोफ्रा आर्चर ने उस सत्र में केवल चार ओवर ही फेंके। वह लंच के बाद वापसी करेंगे और फिर कुछ विकेट लेने की कोशिश करेंगे। और उन्हें मौका क्यों दिया जाए? मेरा मतलब है, भारत आसानी से उनसे मैच छीन सकता था। और दुर्भाग्य से ऋषभ पंत रन आउट हो गए।

स्टीव हार्मिसन ने कहा, ''मैं इसे देखता हूं और सोचता हूं, वाह, यह इंग्लैंड के लिए कितनी बड़ी जीवन रेखा है। यह एक बहुत बड़ी जीवन रेखा है। मुझे लगा कि इंग्लैंड ने पहले आधे घंटे में वाकई अच्छी गेंदबाजी की। केएल राहुल ने अपने स्वाभाविक अंदाज में खेला।

गेंद उनके पास आ रही थी, उन्होंने जो भी दिया उसे लिया। उन्होंने विकेट के ठीक सामने बाउंड्री के लिए कुछ खूबसूरत शॉट लगाए। और ऋषभ, मैंने यह सोचना बंद कर दिया है कि उस युवा के दिमाग में क्या चल रहा होगा। लेकिन यह शानदार है। इसे देखना बहुत अच्छा है। और उन्होंने इस मैच को भारत के लिए थोड़ा तेज कर दिया है। इसलिए, मुझे लगता है कि रनर को लेकर थोड़ी सी अनिर्णयता के साथ इंग्लैंड को एक बहुत बड़ी जीवन रेखा मिल गई है।

अनिल कुंबले ने कहा, ₹मुझे लगा कि भारत ने इंग्लैंड के आक्रमण को कुछ हद तक कुंद कर दिया। शुरुआत में, जोफ्रा आर्चर ने स्पष्ट रूप से तेज गेंदबाजी की। और मुझे लगा कि यह थोड़ा ज्यादा अनुमानित था-शॉर्ट गेंदबाजी, खासकर केएल राहुल को। और भारत ने उस दौर को आराम से संभाला और फिर 45 या 50 मिनट के बाद आक्रमण करना शुरू कर दिया। और फिर मुझे लगा कि आखिरी एक घंटा निश्चित रूप से भारत का था। सचमुच हर ओवर में एक बाउंड्री थी। और ये दोनों बल्लेबाज जो हो रहा था उससे पूरी तरह सहज थे-जब तक कि ऋषभ पंत इस अनिर्णय की स्थिति में नहीं आ गए। और वह बस एक सेकंड के एक अंश के लिए हिचकिचाए, और इसी वजह से उन्हें अपना विकेट गंवाना पड़ा।

कृषि वैज्ञानिक बनकर संवारें भविष्य

भारत विश्व के प्रमुख कृषि प्रधान देशों में से एक है। देश के आर्थिक विकास में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका है। कृषि विज्ञान–आधारित, उच्च–प्रौद्योगिकीय क्षेत्र है तथा इससे संबंधित रोजगार की व्यापक संभावनाएं हैं। ये हैं – पशु और पादप शोधकर्ता, खाद्य वैज्ञानिक, वस्तु ब्रोकर, पोषणविद, कृषि पत्रकार, बैंकर्स, बाजार विश्लेषक, बिी व्यावसायिक, खाद्य संसाधक, वन प्रबंधक, वन्यजीव विशेषज्ञ आदि। कृषि अनुसंधान और शिक्षा कृषि विश्वविद्यालयों, संस्थानों तथा कृषि शिक्षा और पशुचिकित्सा विज्ञान महाविद्यालयों द्वारा संचालित की जाती है।

कृषि विज्ञान एक व्यापक बहुविषयक क्षेत्र है, जिसमें ाकृतिक, आर्थिक और सामाजिक विज्ञान हिस्से हैं, जिन्हें कृषि ़ व्यवहार तथा इसे समझने के लिए प्रयोग किया जाता है। इस ़ेत्र में निम्नलिखित पर अनुसंधान एवं विकास कार्य किए जाते ़– उत्पादन तकनीकें (जैसे कि, सिंचाई प्रबंधन, अनुशंसित ाइट्रोजन इनपुट्स) गुणवत्ता और मात्रा की दृष्टि से कृषि उत्पादन ें सुधार (जैसे कि सूखा झेलने वाली फसलों तथा पशुओं का ़यन, नए कीटनाशकों का विकास, खेती–संवेदन प्रौद्योगिकियां, ़सल वृद्धि के सिमुलेशन मॉडल, इन–वाइट्रो सैल कल्चर ़कनीकें) प्राथमिक उत्पादों का अंतिम–उपभोक्ता उत्पादों में ़रिवर्तन (जैसे कि डेरी उत्पादों का उत्पादन, संरक्षण और ़केजिंग) विपरीत पर्यावरणीय प्रभावों की रोकथाम तथा सुधार जैसे कि मृदा निम्नीकरण, कचड़ा प्रबंधन, जैव–पुनः उपचार)

सैद्धान्तिक उत्पादन पारिस्थितिकी, फसल उत्पादन मॉडलिंग से संबंधित परंपरागत कृषि प्रणालियां, कई बार इसे जीविका कृषि भी कहा जाता है, जो विश्व के सर्वाधिक गरीब लोगों का भरण–पोषण करती है। ये परंपरागत पद्धतियां काफी रुचिकर हैं क्योंकि कई बार ये औद्योगिक कृषि की बजाए यादा प्राकृतिक पारिस्थितिकी व्यवस्था के साथ समाकलन का स्तर कायम रखती हैं जो कि कुछ आधुनिक कृषि प्रणालियों की अपेक्षा यादा दीर्घकालिक होती हैं।

कृषि वैज्ञानिकों के विशेषज्ञता के क्षेत्र के अनुरूप उनके द्वारा किए जाने वाले कार्यों की प्रकृति में भिन्नता रहती है।

खाद्य विज्ञान – खाद्य वैज्ञानिक या प्रौद्योगिकीविद सामान्यतः खाद्य संसाधन उद्योग, विश्वविद्यालयों या संघीय सरकार में नियुक्त किए जाते हैं। वे स्वास्थ्यपरक, सुरक्षित

और सुविधाजनक खाद्य उत्पादों की उपभोक्ताओं की मांग को पूरा करने में मदद करते हैं।

पादप विज्ञान – पादप विज्ञान में कृषि विज्ञान, फसल विज्ञान, कीट–विज्ञान तथा पादप प्रजनन को शामिल किया गया है।

मृदा विज्ञान– इसके अंतर्गत काम करने वाले व्यक्ति पौधें या फसल विकास से जुड़ी मिट्टी के रासायनिक, भौतिकीय, जैविकीय तथा खनिजकीय संयोजन का अध्ययन करते हैं। वे उर्वरकों, जुताई के तरीकों और फसल चम को लेकर विभिन्न प्रकार की मिट्टी के प्रत्युत्तरों का अध्ययन करते हैं।

पशुविज्ञान– पशु वैज्ञानिकों का कार्य है मांस, कुक्कुट, अण्डों तथा दूध् के उत्पादन तथा प्रोसेसिंग के बेहतर और अधिक कारगर तरीकों का विकास करना। डेयरी वैज्ञानिक, पशु प्रजनक तथा अन्य संबद्ध वैज्ञानिक घरेलू फार्म पशुओं के आनुवंशिकी, पोषण, प्रजनन, विकास तथा उत्पादन से जुड़े अध्ययन करते हैं।

प्रशिक्षण, अन्य योग्यताएं –

कृषि वैज्ञानिकों के प्रशिक्षण की अपेक्षाएं उनके विशेषज्ञता क्षेत्र तथा किए जाने वाले कार्यों की प्रकृति पर निर्भर करती है।

अनुप्रयुक्त अनुसंधान के लिए या मौलिक अनुसंधान में सहायता के लिए कृषि विज्ञानों में बैचलर डिग्री पर्याप्त होती है लेकिन मौलिक अनुसंधान के वास्ते मास्टर्स या डॉक्टरल डिग्री अपेक्षित होती है। कॉलेज शिक्षण और प्रशासनिक अनुसंधान पदों में प्रगति के लिए सामान्यतः कृषि विज्ञान में पी–एच.डी. डिग्री अपेक्षित होती है।

कृषि विज्ञान में बी.ई. करने के इच्छुक उम्मीदवारों के लिए मौलिक पात्रता मानदंड भौतिकी, रसायन शास्त्र, गणित और वरीयतन जीव–विज्ञान विषयों के साथ 10+2 है। एक सुयोग्य कृषि इंजीनियर बनने के लिए किसी के भी पास कृषि इंजीनियरी में स्नातक डिग्री (बी.ई.बी.टेक) या कम से कम डिप्लोमा होना चाहिए। अनुसंधान के क्षेत्रों में कोई भी व्यक्ति कृषि अनुसंधान वैज्ञानिक (एआरएस) बन सकता है। इन पदों पर भर्ती संयुक्त प्रवेश परीक्षा के जरिए की जाती है। एआरएस नेट पी–एच.डी. उत्तीर्ण करने वाले उम्मीदवारों को लेक्चरशिप तथा स्कॉलरशिप प्रदान करने हेतु आयोजित की जाती है।

दूसरा विकल्प कृषि विकास अधिकारी (एडीओ) बनने का है, जो पद खण्ड विकास अधिकारी के समकक्ष होता है। इन पदों पर भर्ती प्रवेश परीक्षा के आधार पर की जाती है।

तीसरे आपके पास निजी क्षेत्र के संगठनों में अनुसंधान वैज्ञानिक के पद पर आवेदन करने का विकल्प होता है। वहां पर आपकी सेवाएं निजी प्रयोगशालाओं में भी इस्तेमाल की जा सकती हैं। इस उद्देश्य के लिए अपेक्षित योग्यता डॉक्टरल स्तर की अर्थात पी–एच.डी. है।

बी.एससी. करने के उपरांत आप बैंकों, वित्त और बीमा कम्पनियों की नौकरियों के लिए आवेदन करने के पात्र हैं। भारतीय रिजर्व बैंक, भारतीय स्टेट बैंक और राष्ट्रीयकृत बैंक कृषि तथा संबद्ध क्षेत्रों में स्नातकोत्तरों के लिए फील्ड अधिकारियों, ग्रामीण विकास अधिकारियों तथा कृषि और परिवीक्षा अधिकारियों के पदों पर नियुक्ति हेतु विज्ञापन जारी करते हैं। इनके अलावा फार्म प्रबंधन,भूमि मूल्यांकन, ग्रेडिंग, पैकेजिंग तथा लेबलिंग के क्षेत्रों में भी रोजगार के अवसर उपलब्ध् हैं। सार्वजनिक और निजी क्षेत्र, दोनों में भी विपणन और बिी, परिवहन, फार्म उपयोगिता, भण्डारण आदि के क्षेत्र में रोजगार उपलब्ध् कराया जाता है।

कृषि विज्ञान में पाठ्यक्रम संचालित करने वाले संस्थान

- अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय ़ कृषि केंद्र, अलीगढ़–202002 (उ.प्र.)
- चौ. चरण सिंह विश्वविद्यालय (उ.प्र.)
- डॉ. पंजाबराव देशमुख कृषि विद्यापीठ कृषि इंजीनियरी संकाय, डाकघर कृषि नगर, अकोला–444104
- गुजरात कृषि विश्वविद्यालय कृषि संकाय, सरदार कृषि नगर–385506, जिला बनासकांठा (गुजरात)
- इंदिरा गाँधी कृषि विश्वविद्यालय कृषक नगर, रायपुर–492006 (छत्तीसगढ़)
- जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय कृषि इंजीनियरी संकाय, कृषि नगर, अगरतला, जबलपुर–482004
- केरल कृषि विश्वविद्यालय कृषि संकाय, वेल्लानिकाड़ा, त्रिशूर–680654 (केरल)
- उड़ीसा कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्व–विद्यालय कृषि संकाय, भुवनेश्वर, खुर्दा–751003 (उड़ीसा)।

बिजली की निगरानी का कारोबार

जब बादल गरजने लगते हैं तो स्टीफन थर्न की नजरें तुरंत अपने कम्प्यूटर पर गड़ जाती हैं। यह इलैक्ट्रीकल इंजीनियर तुरंत जानना चाहते हैं कि कहीं आसमानी बिजली गिराने वाला तूफान तो आने वाला नहीं है। उनकी तकनीक ने उन्हें कभी निराश नहीं किया है। वह बहुराष्ट्रीय इलैक्ट्रॉनिक्स कम्पनी सीमन्स की 'द लाइटनिंग सर्विस' नामक जर्मन फर्म के प्रमुख हैं जो जर्मनी में प्रतिवर्ष औसतन 10 लाख बार आसमानी बिजली के कौंधने को दर्ज करती है। फर्म का जर्मन नाम 'ब्लित्जडेन्स्ट' है। जर्मन भाषा में 'ब्लित्ज' का अर्थ बिजली कौंधना होता है। जर्मनी भर में स्थापित 16 निगरानी केंद्र देश में बिजली कौंधने की सभी घटनाओं को दर्ज करने के लिए काफी हैं। अपनी सहयोगी कम्पनियों के साथ मिल कर सीमन्स यूरोप में ऐसे कुल 150 निगरानी केंद्र चला रही है। इन आंकड़ों की जरूरत इलैक्ट्रिसिटी कम्पनियों, हवाई अड्डों, बीमा कम्पनियों एवं सार्वजनिक कार्यक्रम आयोजकों को पड़ती है जो इस सूचना के लिए फर्म को फीस देते हैं। आसमानी बिजली को दर्ज करना सरल है। इसकी हर कौंध के साथ इलैक्ट्रॉमैग्नेटिक तरंगें पैदा होकर तेज रफ्तार से सभी दिशाओं में फैल जाती हैं। आसमानी बिजली की निगरानी करने वाले केंद्र इन तरंगों को 600 किलोमीटर दूर से भी पहचान सकते हैं। स्टीफन के अनुसार इन्हें और भी दूरी से दर्ज किया जा सकता है। वह पुर्तगाल के आकाश में चमकने वाली बिजली की कौंध को जर्मनी के कार्लरुहे निगरानी केंद्र से दर्ज कर चुके हैं। जब आसमानी बिजली को कम से कम दो केंद्रों में दर्ज किया जाता है तो उनके समय तथा दूरी का आकलन करके स्थान का पता लग जाता है। जितने अधिक निगरानी केंद्र होंगे आसमानी बिजली के कौंधने के स्थान का पता उतनी ही सटीकता से लगाया जा सकता है। फिलहाल फर्म की सटीकता 200 से 700 मीटर तक है। बिजली कौंधने के स्थान में सबसे अधिक रुचि ओवरहैड पावर लाइन ऑप्रेटर्स को होती है। उनकी कोई तार टूटते ही वह जानना चाहते हैं कि इसकी वजह कहीं आसमानी बिजली का गिरना या पेड़ का गिरना तो नहीं है। यदि इलाके में बिजली गिरने की पुष्टि हो जाए तो तारों को जल्द से जल्द जोड़ा जा सकता है जबकि पेड़ गिरने की सूरत में उसे ठीक करने में अधिक समय लगता है। बीमा कम्पनियां बिजली गिरने से होने वाले नुक्सान के दावों की पड़ताल के लिए इस सूचना की मदद लेते हैं। अक्सर आसमान से गिरने वाली बिजली की वजह से सीधा नुक्सान नहीं होता है बल्कि इसकी वजह से वोल्टेज में होने वाली अत्यधिक वृद्धि के कारण होता है। इससे अढ़ाई किलोमीटर के दायरे में विद्युत उपकरणों में शॉर्ट-सर्किट हो सकता है।

जर्मनी में हर साल बिजली गिरने से होने वाले नुक्सान के 3 से 5 लाख दावे किए जाते हैं। दावों की राशि करीब 25 अरब रुपए होती है। बीमा कम्पनियां 'द लाइटनिंग सर्विस' से हासिल बिजली गिरने की घटनाओं के आंकड़ों की जांच करके तुरंत पता लगा लेती हैं कि दावा असली है या फर्जी।

वैसे फर्म केवल आसमानी बिजली की कौंध को दर्ज ही नहीं करती है, उसके आंकड़े चेतावनी जारी करने के काम भी आते हैं। कम्पनी के अनेक ग्राहक हैं जिन्हें समय रहते इलाके में बिजली चमकने या तूफान आने की पूर्व सूचना मिलती है और वे अपने बिजली के उपकरणों को बंद करके नुक्सान होने से बच जाते हैं।

महिलाएं विदेशों में जॉब के साथ-साथ बेहतर सैलरी के लिए अपनाएं यह कॅरियर

डॉक्टरों को दूसरा भगवान कहा जाता है क्योंकि मरीजों को स्वस्थ करने की जिम्मेदारी इन्हीं पर होती है लेकिन इस महत्वपूर्ण कार्य में नर्स की भूमिका को भी नकारा नहीं जा सकता है। देखा जाए तो मरीजों की देखभाल की पूरी जिम्मेदारी इनके ऊपर ही होती है। तभी तो इन्हें सभी प्यार से सिस्टर भी कहते हैं। भारतीय सिस्टर विदेश का भी रुख करने लगी हैं क्योंकि विदेशों में इन्हें जॉब के साथ–साथ बेहतर सैलरी भी मिलने लगी है।

जॉब ऑप्शन

डी.पी.एम.आई. की प्रिंसीपल डॉक्टर अरुणा सिंह के मुताबिक आप 10वीं और 12वीं करने के बाद भी नर्सिंग के कोर्स में दाखिला ले सकती हैं। इस कोर्स की सफलतापूर्वक समाप्ति के बाद आपके लिए जॉब के कई रास्ते खुल जाते हैं। दरअसल, इस क्षेत्र से जुड़े लोगों के लिए आज जॉब की कोई कमी नहीं है। आप हॉस्पिटल, नर्सिंग होम्स, क्लीनिक और हैल्थ डिपार्टमैंट, ओल्ड एज होम्स, मिलिट्री हैल्थ सर्विस, स्कूल्स, रेलवे, पब्लिक सैक्टर, मैडीकल डिपार्टमैंट आदि में कार्य कर सकते हैं।

विदेश में अवसर

यदि आप इस क्षेत्र से जुड़ी हैं तो आज यूरोपियन देशों, ऑस्ट्रेलिया, अमरीका और खाड़ी देशों में जॉब की असीम संभावनाएं मौजूद हैं। साथ ही इन देशों में आकर्षक सैलरी पैकेज के साथ ओवरटाइम भी मिलता है। यही वजह है कि भारतीय नर्स विदेश का रुख करने लगी हैं लेकिन यूरोप और अमरीका जाने के लिए सी.जी.एफ.एन.एस. (कमीशन ऑफ ग्रैजुएट ऑफ फॉरेन नर्सिंग स्कूल), टी.ओ.ई. एफ.एल. (टैस्ट ऑफ इंग्लिश एज ए फॉरेन लैंग्वेज), टी.डब्ल्यू.ई. (टैस्ट ऑफ रिटन इंग्लिश) और टी.एस.ई. (टैस्ट ऑफ स्पोकन इंगलिश) के एग्जाम के दौर से होकर जुडना़ पड़ सकता है।

सरकारी प्रयास

नर्सिंग एजुकेशन में व्यापक सुधार के लिए सरकार द्वारा करोड़ों रुपए खर्च करने की योजना है। इसके लिए हैल्थ मिनिस्ट्री ने 230 जिलों की पहचान की है जहां ऑग्जिलियर नर्स मिडवाइव्स (ए.एन.एम.) और ग्रैजुएट नर्स मिडवाइव्स (जी.एन.एम.) इंस्टीच्यूट खोला जाएगा। इसके अलावा, चार रीजनल इंस्टीच्यूट में नर्सिंग की शिक्षा को और बेहतर करने का प्रयास किया जा रहा है। सच तो यह है कि आज नर्स हैल्थ केयर सिस्टम में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।

पारिश्रमिक

नर्स की सैलरी उनकी योग्यता और अनुभव पर भी निर्भर करती है। सरकारी अस्पतालों में सैलरी 8 हजार से 15 हजार रुपए के करीब हो सकती है। लेकिन प्राइवेट और मिलिट्री नर्सिंग में कार्य करने वालों की सैलरी ज्यादा होती है।

रंगों की दुनिया में उभरते रोजगार

रंगों की दुनिया चमक-दमक से भरी होती है। इस बहुरंगी दुनिया में रोजगार के अवसर भी उपलब्ध हैं। दुकान, मकान, घर और कल-कारखानों से लेकर हर छोटी-बड़ी जरूरतों के लिए विभिन्न प्रकार के रंगों का इस्तेमाल होता है। रंगों के क्षेत्र में पेंट इंजीनियरिंग एक आकर्षक और बेहद फायदेमंद कॅरियर है।

मोटर वाहन उद्योग, विद्युत, रसायन और हल्के इंजीनियरिंग उद्योगों में भी रंगों का उपयोग बड़े पैमाने पर होता है। इस प्रकार पेंट के उपयोग के क्षेत्रों में विस्तार होने के साथ-साथ पेंट तकनीकी का भी काफी विकास हुआ है। जिससे इस क्षेत्र में रोजगार के मौके बढ़े हैं। साथ ही हाल के वर्षों में पेंट की खपत भी बढ़ी है।

पेंट निर्माण के क्षेत्र में न केवल देशी कंपनियों में बढ़ोत्तरी हुई है बल्कि बहुराष्ट्रीय कंपनियों के साथ-साथ कच्चा माल तैयार करने वाले उद्योगों में भी रोजगार के अवसर पैदा हुए हैं। लेकिन दूसरी इंजीनियरिंग शाखाओं की अपेक्षा पेंट इंजीनियरिंग की विस्तृत जानकारी के प्रचार-प्रसार का अभाव है। यह क्षेत्र उन युवाओं के लिए अत्यधिक उपयोगी है जो इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों में प्रवेश नहीं मिल पाने पर निराश हो जाते हैं। इस क्षेत्र में प्रशिक्षण के लिए निम्न संस्थानों से संपर्क कर सकते हैं-

- विश्वविद्यालय डिपार्टमेंट ऑफ केमिकल टेक्नोलॉजी, नार्थ महाराष्ट्र विश्वविद्यालय, जलगांव- 425 001।
- विश्वविद्यालय डिपार्टमेंट ऑफ केमिकल टेक्नोलॉजी, अमरावती विश्वविद्यालय, महाराष्ट्र।
- जगन्नाथ रथी वोकेशनल गाइडेंस एंड ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट फरर्गसन कालेज कैम्पस के सामने बीएमसीसी, पुणे।
- इंडस्ट्रीयल रिसर्च लैबोरेटरी, कैनाल साउथ रोड, कोलकाता।
- विश्वविद्यालय डिपार्टमेंट ऑफ केमिकल टेक्नोलॉजी, नाथलाल पारीख मार्ग, माटुंगा, मुंबई।
- रीजनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, जमशेदपुर, झारखंड।

'शीला की जवानी' गाने पर ओरी ने लगाए जोरदार ठुमके

वेब सीरीज 'कॉल मी बे' में नजर आए ओरी

सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर ओरी, जिन्हें अक्सर दिग्गज सितारों के साथ तस्वीरें खिंचाते देखा जाता है। वह हमेशा इंटरनेट पर खास उपलब्धि दर्ज कराते नजर आते हैं। अब इंफ्लुएंसर का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें उन्हें एक गाने पर जोरदार ठुमके लगाते देखा जा सकता है।

● क्या है वायरल वीडियो? : सोशल मीडिया पर एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें इंफ्लुएंसर ओरहान अवात्रामणि उर्फ 'ओरी' स्टेज पर डांस करते दिख रहे हैं। ओरी ब्लैक कलर की बनियान के साथ ब्लू कलर की जींस पहने नजर आ रहे हैं। बैकग्राउंड में 'शीला की जवानी' गाना बज रहा है, जिसपर उन्हें ठुमके लगाते हुए देखा जा सकता है। ओरी के डांस को देख वहां मौजूद भीड़ अपने मोबाइल फोन में उनके डांस को कैद करते हुए झूम रहे हैं।

● नेटिजंस ने दी प्रतिक्रिया: इस वीडियो के वायरल होते ही नेटिजंस की प्रतिक्रियाएं आने लगी हैं। एक यूजर ने लिखा कि ओरी के फनी डांस के लिए लाइक करें। दूसरे यूजर ने बोला कि ओरी बनीं शीला। वहीं एक और यूजर ने कमेंट सेक्शन में मजाक करते हुए लिखा कि ओरी की जवानी। इसके अलावा एक अन्य यूजर ने लिखा कि बहुत ही प्रतिभाशाली हैं ओरी। हालांकि, बहुत से लोग उनके इस डांस को शानदार बताते नजर आ रहे हैं।

● एक नजर ओरी के करियर पर:ओरी सोशल मीडिया पर बहुत एक्टिव रहते हैं और वो एक इंटरनेट स्टार हैं। ओरी ने फिल्मों में भी काम किया है। वह खुशी कपूर की फिल्म 'नादानियां' में एक्टिंग कर चुके हैं। साथ ही वेब सीरीज 'कॉल मी बे' में नजर आए। अगले साल रिलीज होने वाली फिल्म 'लव एंड वॉर' का भी ओरी हिस्सा हैं।

'स्पिरिट' कंट्रोवर्सी में दीपिका को विक्रांत मैसी का सपोर्ट

विक्रांत मैसी जल्द ही फिल्म 'आंखों की गुस्ताखियों' में नजर आने वाले हैं। फिलहाल वो इसके प्रमोशन में बिजी हैं। इसी बीच उन्होंने संदीप रेड्डी वांगा और दीपिका पादुकोण के बीच चल रही कंट्रोवर्सी पर अपनी राय जाहिर की है। विक्रांत ने आठ घंटे की शिफ्ट वाली डिमांड पर दीपिका को सपोर्ट किया है। साथ ही कहा कि अगले कुछ सालों में वो भी ऐसा ही कुछ करना चाहेंगे। फर्स्टपोस्ट से बात करते हुए एक्टर ने कहा- 'मैं जल्द ही ऐसा कुछ करने चाहता हूं। शायद कुछ सालों में...मैं बाहर जाकर कहना चाहता हूं कि हम कोलैब कर सकते हैं, लेकिन मैं सिर्फ आठ घंटे काम करूंगा। लेकिन साथ ही,यह एक विकल्प भी होना चाहिए।' विक्रांत ने ये भी कहा कि आठ घंटे की शिफ्ट के लिए वह अपनी फीस कम करने को तैयार हैं। उन्होंने कहा, 'पैसा बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, और मुझे अपनी फीस कम करनी होगी क्योंकि मैं बारह घंटे के बजाय आठ घंटे काम करूंगा। अगर मैं अपने प्रोड्यूसर को दिन में बारह घंटे नहीं दे सकता, तो मुझे अपनी फीस कम करनी होगी। यह एक लेन-देन वाली बात है और एक मां के रूप में, मुझे लगता है कि दीपिका इसकी हकदार हैं।'

> "बोले- 'वो नई मां हैं और इसकी हकदार हैं'"

बता दें कि विक्रांत दीपिका के साथ मेघना गुलजार की फिल्म 'छपाक' में नजर आए थे। साल 2020 में आई ये फिल्म एक सच्ची घटना पर आधारित थी। वहीं, विक्रांत की फिल्म 'आंखों की गुस्ताखियों' 11 जुलाई को रिलीज होनेजा रही है। इसमें उनके अपोजिट संजय कपूर की बेटी शनाया कपूर नजर आएंगी। शनाया की ये डेब्यू फिल्म है।

फिल्म स्पिरिट से दीपिका के बाहर होने की एक वजह उनकी भारी भरकम फीस की डिमांड करना भी बताया जाता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, दीपिका ने 25 करोड़ रुपए की फीस की मांग की थी। दीपिका के इतनी फीस की मांग के सवाल पर कबीर खान का कहना है कि फीस दर्शकों कीअपील और बॉक्स ऑफिस की मांग के हिसाब से होना चाहिए। दीपिका सिनेमाघरों में भारी भीड़ खींचती हैं। जो कोई भी दर्शकों को लाता है, चाहे वह अभिनेता हो, निर्देशक हो, पुरुष हो या महिला, वे अपनी योग्यता के मुताबिक फीस पाने के हकदार हैं। 'स्पिरिट' से बाहर होने के बाद दीपिका पादुकोण हाल ही में अल्लू अर्जुन और एटली की आगामी फिल्म AA22 X A6 में शामिल हुई हैं।

नोरा फतेही की करीबी का हुआ निधन, रोते हुए आईं नजर

बॉलीवुड एक्ट्रेस और डांस सेंसेशन नोरा फतेही रविवार शाम को मुंबई एयरपोर्ट पर रोते हुए आनन-फानन में नजर आईं। जहां आमतौर पर नोरा का ग्लैमरस लुक और एनर्जी लोगों को आकर्षित करता है, वहीं इस बार एक्ट्रेस काफी इमोशनल थीं। ब्लैक ड्रेस और सनग्लासेस में नजर आ रहीं नोरा की आंखों से आंसू छलकते दिखे। पैपराजी पेज ताहिर जासूस की रिपोर्ट की मानें तो नोरा की आंटी का निधन हो गया है।

● फैन से बदसलूकी का वीडियो हुआ वायरल: इतना ही नहीं, नोरा का वीडियो एक और वजह से सुर्खियों में हैं। एयरपोर्ट पर जैसे ही नोरा फतेही स्पॉट हुईं, फोटोग्राफर्स ने उन्हें घेर लिया। इस दौरान एक उत्साहित फैन ने सेल्फी लेने की कोशिश की, लेकिन नोरा के बॉडीगार्ड ने उसे पीछे धकेल दिया और काफी गुस्से में उसे दूर हटाया। ये पूरा वाकया कैमरे में कैद हो गया और अब ये क्लिप सोशल मीडिया पर ट्रेंड कर रहा है।

● इंस्टाग्राम स्टोरी से और बढ़ी चिंत: एयरपोर्ट पर देखे जाने से ठीक पहले, नोरा ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर 'इन्ना लिल्लाही वा इन्ना इलैहि राजिउन' (जो इस्लाम में मौत की खबर पर बोला जाने वाला वाक्य है) शेयर किया। इसके बाद से ही उनके फैंस और फॉलोअर्स में चिंता बढ़ गई है कि आखिर किसके निधन की बात हो रही है। हालांकि, अभी तक एक्ट्रेस या उनके करीबी सूत्रों की ओर से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है।

● करियर फ्रंट पर भी चर्चा में हैं नोरा: वर्कफ्रंट की बात करें तो नोरा फतेही हाल ही में नेटफ्लिक्स सीरीज 'द रॉयल्स' में नजर आई थीं। इस शो में उन्होंने आयशा ढोंडी का किरदार निभाया, जो ईशान खट्टर के किरदार की एक्स-गर्लफ्रेंड है। शो में उनके साथ भूमि पेडनेकर, जीनत अमान, साक्षी तंवर, डिनो मोरिया, और मिलिंद सोमन जैसे कलाकार भी थे।

'मेट्रो इन दिनों' ने वीकएंड पर किया कमाल

रविवार का दिन फिल्मों के लिए शानदार रहा। बॉलीवुड से लेकर हॉलीवुड तक सभी फिल्मों ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छी कमाई की। बॉलीवुड फिल्म 'मेट्रो इन दिनों' की कमाई में इजाफा हुआ तो वहीं हॉलीवुड फिल्म 'जुरासिक वर्ल्ड री-बर्थ' ने भारत के बॉक्स ऑफिस पर अपनी पकड़ बनाए रखी। चार जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज हुई 'मेट्रो इन दिनों' ने पहले दिन औसत से कम कमाई करते हुए 3.5 करोड़ रुपये जुटाए। इसके बाद फिल्म को वीकएंड का फायदा मिला। फिल्म ने शनिवार को छह करोड़ रुपये की कमाई की। रविवार को फिल्म की कमाई में और उछाल आया। इस दिन फिल्म ने 7.08 करोड़ रुपये का कारोबार किया। इस तरह से फिल्म ने अब तक 16.58 करोड़ रुपये का कारोबार कर लिया। भारत में इन दिनों हॉलीवुड की फिल्मों का क्रेज है। ऐसे में 'जुरासिक वर्ल्ड री-बर्थ' भारत में अच्छी कमाई कर रही है। चार जुलाई को रिलीज हुई इस फिल्म ने नौ करोड़ रुपये से अपना खाता खोला। शनिवार और रविवार को फिल्म की कमाई में काफी इजाफा हुआ। शनिवार को फिल्म ने 13.5 करोड़ रुपये का कारोबार किया। रविवार को फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 15.7 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया। इस तरह से फिल्म ने 38.2 करोड़ रुपये का कारोबार कर लिया है। 27 जून को भारत में अमेरिकन स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म 'एफ 1' रिलीज हुई। ओपनिंग डे पर फिल्म की कमाई अच्छी रही। इस फिल्म को भारत के दर्शकों ने शुरू से प्यार दिया। पहले दिन फिल्म ने 5.5 करोड़ रुपये का कारोबार किया। पहले हफ्ते में फिल्म ने 35.5 करोड़ रुपये का कारोबार किया। दूसरे शनिवार को फिल्म की कमाई 5.75 करोड़ रुपये रही तो वहीं दूसरे रविवार को फिल्म ने 6.25 रुपये का कारोबार किया। फिल्म ने भारत में अब तक 50.85 करोड़ रुपये का कारोबार किया है। बात अगर आमिर खान की अदाकारी वाली फिल्म 'सितारे जमीन पर' की करें तो 20 जून को रिलीज होने वाली इस फिल्म ने अभी भी बॉक्स ऑफिस पर अपनी पकड़ बनाए रखी है। ओपनिंग डे पर 10.7 करोड़ रुपये से अपना खाता खोलने वाली फिल्म ने पहले हफ्ते में 88.9 करोड़ रुपये का कारोबार किया तो दूसरे हफ्ते में 46.5 करोड़ रुपये कमाए। फिल्म ने शनिवार को 4.75 करोड़ रुपये, तो वहीं रविवार को 6.25 करोड़ रुपये का कारोबार किया है।

प्लेन क्रैश के विजुअल देखकर रो पड़े राजकुमार

राजकुमार राव ने हाल ही में सामजिक मुद्दों पर राय रखने पर अपनी फीलिंग शेयर की है। एक्टर का कहना है कि एक्टर बेहद सेंसिटिव होते हैं, लेकिन हर मुद्दे पर बोलना जरूरी नहीं है। साथ ही एक्टर ने सोशल मीडिया के प्रेशर पर भी राय दी है। एक्टर का कहना है कि अगर सोशल मीडिया पर न डाला जाए तो लोगों को लगता है कि हमारी फीलिंग नहीं है।

राजकुमार राव से हाल ही में पूछा गया था कि क्या नुकसान के डर से सामजिक मुद्दों पर नहीं बोलते। इस पर आईएएनएस को दिए इंटरव्यू में राजकुमार ने कहा, 'मुझे लगता है कि आप जिस मुद्दे के बारे में बहुत स्ट्रॉन्गली फील करते हैं आपको जरूर बोलना चाहिए और जरूरी नहीं है कि हर मुद्दे पर बोलना है। और ये प्रेशर जो है कि सोशल मीडिया पर अगर आपने नहीं डाला तो आप उस मुद्दे के बारे में फील नहीं करते। ये मुझे लगता है कि बहुत थोड़ा अजीब सा है। मुझे अपने देश से प्यार है। अगर कहीं कुछ होता है कोई हादसा होता है जाहिर तौर पर मुझे बहुत बुरा लगता है। एक एक्टर होने के नाते हम बहुत सेंसिटिव होते हैं।' 'मुझे बहुत बुरा लगता है पर क्या अगर मैंने सोशल मीडिया पर नहीं डाला है तो ये तय करेगा कि नहीं इसको बुरा

● कहा- हर मुद्दे पर बोलना जरूरी नहीं

नहीं लगा है। सोशल मीडिया कब से एक प्लेटफार्म बन गया कि यहां डालो तो आपको बुरा लगा है आपने नहीं डाला तो अरे इनको तो कुछ समझ ही नहीं आया इनको तो कोई फीलिंग ही नहीं है। मुझे नहीं पता ये किसने तय किया कि सोशल मीडिया पर डालो भैया तभी आपको फील होती है चीजें वर्ना नहीं होती हैं।' आगे राजकुमार राव ने कहा, 'जो लोग सोशल मीडिया पर नहीं है जो कि बहुत सारे लोग नहीं है, क्या उनको बुरा नहीं लगता होगा। उन्हें अच्छा नहीं लगता होगा। ये सोशल मीडिया का जो प्रेशर आ गया है कि इसी पर डालो तब तय होगा वो मुझे नहीं पता किसने शुरू किया।' एक्टर ने आगे कहा, 'एक्टर्स तो और ज्यादा सेंसिटिव होते हैं। पर्सनली मुझे बहुत दुख होता है चीजों को लेकर। जब मैंने गाड़ी में आते हुए एयरप्लेन क्रैश के विजुअल्स देखे तो मैं रो पड़ा। हम लोग शूटिंग कर रहे थे उन दिनों, जब ये हुआ। लेकिन क्या सोशल मीडिया पर लिखना जरूरी था कि यह जब देखा मैंने और मैं बहुत रोया नहीं वो पर्सनल एक फीलिंग है जो आपको होती है या नहीं होती है।'

रिजेक्शन से टूट गए थे अभिषेक

जल्द ही फिल्म कालीधर लापता में नजर आने वाले अभिषेक बच्चन ने बताया है कि कई डायरेक्टर्स ने उन्हें बॉलीवुड में लॉन्च करने से इनकार कर दिया था। वजह थे अमिताभ बच्चन। वो लीगेसी काफी बड़ी थी, ऐसे में कोई भी अभिषेक को लॉन्च कर रिस्क नहीं लेना चाहता था। लगातार मिल रहे रिजेक्शन से अभिषेक बच्चन टूट गए थे।

अभिषेक बच्चन ने हाल ही में नयनदीप रक्षित के पॉडकास्ट में करियर की शुरुआत में मिले रिजेक्शन पर कहा, 'जब आप 21 साल के होते हैं तो जोश और उत्साह से भरे होते हैं। आप आसपास की बातें सुनते हैं कि अरे ये तो एक्टर बनेंगे। ये तो बहुत बड़ी

> "डायरेक्टर्स ने कहा- अमिताभ बच्चन के बेटे को लॉन्च करने की जिम्मेदारी नहीं ले सकते"

बात है। कहीं न कहीं आप उसमें फंस जाते हैं। फिर जब आप एक मींटिंग्स में जाते हैं और एक नहीं कई डायरेक्टर ये कहते हैं शुक्रिया, लेकिन कुछ नहीं हो सकता। विनम्रता से, बिना रूड हुए।' आगे अभिषेक ने कहा, 'मुझे ये समझ नहीं आता था। मुझे तब समझ आया, जब मैंने रिफ्यूजी साइन की। वो कहते थे कि हम अमिताभ बच्चन के बेटे को लॉन्च करने की जिम्मेदारी नहीं ले सकते। मैं समझ नहीं पाया, लेकिन जब मैंने काम करना शुरू किया और देखा कि मेरे पिता फिल्म इंडस्ट्री को-स्टार, डायरेक्टर्स के लिए क्या हैं। मैं कहता था कि मैं समझ सकता हूं। वो एक बहुत बड़ी हस्ती हैं कि लोगों के मन में उनके लिए बहुत प्यार और इज्जत है। ये बहुत अमेजिंग है। तो मैं समझ सकता हूं कि जब लोगों ने कहा कि इसे हम पर मत डालो। मैं समझ सकता हूं।' अभिषेक ने आगे कहा, 'लेकिन उस समय हम बहुत यंग होते हैं, लगता है कि हम तैयार हैं। क्या? नहीं? ठीक है। बुरा लगता है। यंग होते हैं। हमने दुनिया नहीं देखी होती। हम उसने समझदार नहीं होते, तो बुरा लगता है। ये बहुत दिल दुखाने वाला होता है।' बताते चलें कि अभिषेक बच्चन जे.पी.दत्ता की फिल्म आखिरी मुगल से बॉलीवुड डेब्यू करने वाले थे, लेकिन ये फिल्म बंद पड़ गई थी। इसके बाद अभिषेक ने फिल्म रिफ्यूजी से डेब्यू किया था। अभिषेक की फिल्म कालीधर लापता 4 जुलाई को जी 5 पर रिलीज हुई है।

मराठी विवाद पर भोजपुरी स्टार निरहुआ का ओपन चैलेंज

महाराष्ट्र में मराठी भाषा पर जमकर विवाद हो रहा है। इसी बीच भोजपुरी स्टार निरहुआ ने ओपन चैलेंज दिया है कि वो मराठी नहीं बोलेंगे, जिसमें भी दम है वो उन्हें महाराष्ट्र से निकालकर दिखाए। अपकमिंग फिल्म हमारा नाम बा कन्हैया के प्रमोशन के दौरान एक्टर दिनेश लाल यादव उर्फ निरहुआ ने कहा, 'जो लोग ऐसा करते हैं, मैं उनसे कहना चाहता हूं कि ये गंदी राजनीति है। देश के किसी भी हिस्से में ऐसा नहीं होना चाहिए। ऐसी गंदी राजनीति करने वालों को ऐसा करने से बचना चाहिए और सावधानी बरतनी चाहिए।'

'ये देश इसी बात के लिए जाना जाता है कि यहां अलग-अलग भाषा है। अलग-अलग कल्चर है। उसके बाद भी अनेकता में एकता है। यही हमारे देश का कल्चर है। यही खूबी है। मुझे लगता है कि जो भी लोग इस तरह की गंदी राजनीति करते हैं उन्हें संभल जाना चाहिए। ये तोड़ने की राजनीति है। आप राजनीति करिए, लेकिन तोड़ने की नहीं जोड़ने की।' 'किसी में दम है तो हमको महाराष्ट्र से निकाल कर दिखाएं। मैं नहीं बोलता हूं मराठी। मुझे निकाल के दिखाओ। किसी भी नेता को खुला चैलेंज देता हूं कि तुम्हारे अंदर दम है तो मैं खुला चैलेंज देता हूं कि मैं मराठी नहीं बोलता हूं मुझे निकालकर दिखाओ। मैं यहीं रहता हूं।' आगे जब निरहुआ से पूछा गया कि क्या महाराष्ट्र में मराठी कम्पल्सरी होनी चाहिए, तो उन्होंने कहा, 'बिल्कुल नहीं।

एनसीआर समाचार प्रा. लि. की ओर से मुद्रक, प्रकाशक मो. हनीफ द्वारा आर.डी. प्रिंटर्स एण्ड पब्लिशर्स प्राईवेट लिमिटेड, ए-41 सेक्टर-8 नोएडा, यू.पी.-201301 से मुद्रित व जी-12/276बी, संगम विहार, नई दिल्ली-62 से प्रकाशित। फोनः 9210761111 किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली न्यायालय में ही होगा। **संपादक : मो इस्माईल खान** RNI No. DLHIN/2010/37009